आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, गुरूवार
22 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 168
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

अब बस्तर बंदूक नहीं, विकास के लिए पहचाना जाएगाः विष्णुदेव साय

झारखंड

नकली दवाई की बिक्री पर रोक के लिए स्वास्थ्य विभाग का फैसला

हज़ारीबाग

संबद्ध महाविद्यालय संघ ने कुलपति से की औपचारिक भेंट, उठाईं महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याएं

डेढ़ करोड़ रुपये का इनामी खूंखार नक्सली का शीर्ष नेता बसव राजू मारा गया

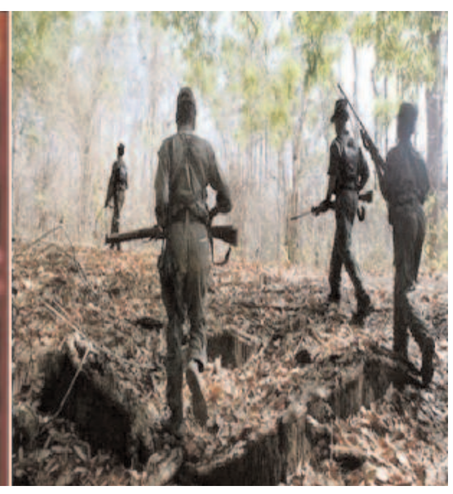

क्राइम संवाददाता द्वारा

नारायणपुरः नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ इलाके में अब तक के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन में फोर्स को बड़ी सफलता मिली है। डीआरजी जवानों और नक्सलियों के बीच करीब 50 घंटे से ज्यादा समय तक चली एनकाउंटर में डेढ़ करोड़ रुपये का इनामी खूंखार नक्सली नंबाला केशव राव उर्फ अलियास बसव राजू मारा गया। इस बात की पुष्टि खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ पुलिस ने की है। उसके मारे जाने से नक्सली संगठन की नींव हिल गई है। क्योंकि वह नक्सलियों के संगठन का शीर्ष लीडर था।

नवंबर 2018 में नक्सल संगठन की संभाली कमान ञ्इस खूंखार नक्सली की बात करें तो नवंबर 2018 में नक्सली गणपति के बाद बसव राजू को नक्सल संगठन की कमान सौंपी गई थी। वह नक्सल संगठन का महासचिव और पोलित ब्यूरो का सदस्य था। कई लेयर में उसकी सुरक्षा व्यवस्था रहती थी। उसकी सुरक्षा में आधुनिक हथियारों से लैस तीस से चालीस माओवादी हमेशा साथ में रहते थे। नक्सली गणपति के बाद वह नक्सल संगठन की कमान संभाल रहा था। उसे माओवादियों के मिलिट्री ऑपरेशन का प्रमुख भी बनाया गया था।

बीटेक की पढ़ाई के बाद थामा नक्सली संगठन का साथ ञ्साल 2017 से ही बसव राजू पूरे संगठन को मुलापल्ला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति की जगह लीड कर रहा था। खुफिया एजेंसी को उसके बारे में सिर्फ ये पता था कि उसका जन्म आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम में जुलाई 1955 में हुआ था। पढ़ाई में मेधावी बसव राजू ने वारंगल रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की डिग्री ली थी। वह इंजीनियर के साथ ही स्पोर्ट्स मैन भी था। कॉलेज के दिनों में वह वॉलीबाल में आंध्रप्रदेश को नेशनल चैंपियनशिप में रिप्रजेंट किया था।

बसवराजू ने बीटेक की पढ़ाई की थी। उसके बाद लेफ्ट पार्टी में सक्रिय हुआ। एबीवीपी के कुछ सदस्यों से टकराव के बाद उसे साल 1980 में गिरफ्तार किया गया था। बसवराजू की गिरफ्तारी का यही एक दस्तावेज है। इसके बाद उसने सीपीआई (एम) की पीपुल्सवार यूनिट को ज्वॉइन किया और तब यानी लगभग 35 साल से वह बस्तर में सक्रिय नक्सली बना रहा। डेढ़ दशक पहले वह छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की सबसे बड़ी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीएसजेडसी) का चीफ कमांडर रहा।

नक्सलियों के मिलिट्री डिवीजन का चीफ कमांडर रहा ञ्फोर्स के पास बसव राजू को लेकर जो इंटेलिजेंस इनपुट हैं उसके मुताबिक, वह डेढ़ दशक पहले नक्सलियों के मिलिट्री डिवीजन का चीफ कमांडर था। तब गणपति नक्सलियों को लीड कर रहा था। बताया जाता है कि साल 2018 में नक्सली गणपति के बीमार होने पर बसव राजू ने पूरे संगठन की कमान संभाली थी। हालांकि नक्सलियों की ओर से इसकी अधिकृत घोषणा 10 नवंबर 2018 को जारी प्रेस रिलीज में की गई थी।

बस्तर में डेढ़ दशक से नक्सल आतंक का पर्याय ञ्बसव राजू पिछले करीब डेढ़ दशक से नक्सल आतंक का पर्याय बना हुआ था। वह ज्यादातर अबूझमाड़ में ही रहता था। उसके ऊपर अलग-अलग राज्यों में 2 करोड़ 2 लाख रुपए का इनाम था। उस पर फोर्स पर नृशंस हमला करने, एम्बुश लगवाने के लिये जाना जाता था। ताड़मेटला कांड और झीरम कांड की रणनीति बनाने में उसकी अहम भूमिका थी। ताड़मेटला कांड में सीआरपीएफ के 76 जवान वीरगति को प्राप्त हो गये थे। वहीं झीरम कांड में छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन का एक शीर्ष नेतृत्व ही पूरी तरह से खत्म हो गया था। जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, उदय मूदलियार, महेंद्र कर्मा, पूर्व गृहमंत्री नंदकुमार पटेल, योगेंद्र शर्मा समेत कई कांग्रेस नेता मारे गये थे।

तलाश में थी 16 राज्यों की पुलिस ञ्इसके अलावा बसव राजू नक्सली संगठन को हथियार सप्लाई कराने और नक्सल रणनीति बनाने में माहिर था। बताया जाता है कि उसकी तलाश में 16 राज्यों की पुलिस लगी हुई थी। उसे जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिये फोर्स लगातार सर्चिंग कर रही थी पर सफलता नहीं मिल रही थी। आखिरकार आज 21 मई 2025 को फोर्स को उसे मार गिराने में बड़ी कामयाबी मिली है। चार जिलों यानी दंतेवाड़ा, बीजापुर, नारायणपुर और कोंडागांव से डीआरजी के जवानों को नक्सल इलाके में भेजा गया। इसी दौरान नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में वह 27 नक्सलियों के साथ ढेर हो गया।

क्या झारखंड बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनेंगे अर्जुन मुंडा !

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांचीः झारखंड की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने राज्य में चल रहे प्रमुख मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी है। शराब घोटाले में वरिष्ठ IAS अधिकारी विनय चौबे की गिरफ़्तारी, सरना धर्म कोड की मांग और ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (TAC) की बैठक को लेकर उन्होंने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार की नीति और नीयत पर कई सवाल उठाए। इस दौरान अर्जुन मुंडा ने झारखंड बीजेपी अध्यक्ष पद को लेकर पूछे गए सवाल का भी जवाब दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ पर चुप्पी : जब उनसे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ को लेकर सवाल किया गया, तो अर्जुन मुंडा ने कहा कि यह पूरी तरह से सांगठनिक विषय है। इस पर मीडिया में कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के भीतर सांगठनिक प्रक्रिया चल रही है और कार्यकर्ताओं को केंद्र में रखकर सभी निर्णय लिए जा रहे हैं।

झारखंड के लिए दुर्भाग्यपूर्ण शराब घोटाला : अर्जुन मुंडा ने शराब घोटाले को झारखंड के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो यह दर्शाती हैं कि कहीं न कहीं सरकार की नीतियों में खामी है। नई एक्साइज पॉलिसी पर उठ रहे सवालों के बीच उन्होंने चेताया कि सरकार को ऐसी नीतियां नहीं लानी चाहिए जो जनहित के विरुद्ध हों।

अर्जुन मुंडा ने पूछा- क्या शराब नीति से जनजातीय क्षेत्र का भला होगा?: मुंडा ने पूछा कि क्या झारखंड जैसे जनजातीय और अविकसित राज्य में शराब और उससे होने वाले टैक्स से विकास संभव है? उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि संवैधानिक सुरक्षा के बावजूद आदिवासी क्षेत्र अब भी पिछड़े हुए हैं, और वहां शराब नीति थोपना समझदारी नहीं है।

ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल की भूमिका पर सवाल : उन्होंने TAC की बैठकों की अनियमितता और औपचारिकता पर भी सवाल उठाया। मुंडा ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में कोई भी नीति लागू करने से पहले गंभीर मंत्रणा होनी चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि TAC का उद्देश्य ही यही है कि जनजातीय समाज पर ऐसा कोई कानून न थोपा जाए जो उनकी पारंपरिक व्यवस्था को प्रभावित करे। सरना धर्म कोड की मांग पर उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से देखा जाना चाहिए। जनजातीय समुदाय की धार्मिक पहचान को संरक्षित करने की जरूरत है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथिः रांची में जगह-जगह हुई श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता द्वारा

रांचीः पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की आज 34वीं पुण्यतिथि पर झारखंड कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई.पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि को शहादत दिवस के रूप में मनाते हुए कांग्रेस के नेता, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने उन्हें देश में हुई सूचना क्रांति का जनक बताया. राजीव गांधी की शहादत दिवस को कांग्रेसजनों के द्वारा उर्जा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है.

श्रद्धांजलि सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी झारखंड की जनता को सदैव याद रहेंगे. देश में शांति और एकता को बहाल रखने के लिए अखंड भारत के सपनों को साकार रखने के लिए उनकी शहादत को देश हमेशा याद रखेगा. अलग झारखंड राज्य के बिना यहां रहने वाले आदिवासियों एवं दूसरे समुदाय के लोगों का विकास संभव नहीं है. ऐसा उद्गार राजीव गांधी ने गुमला, सिमडेगा और खूंटी की जनसभाओं में प्रकट किया था.

राजीव गांधी अपने प्रधानमंत्रित्व काल में योजनाओं में झारखंड के हितों को सर्वोपरि रखते थे. पंचायती राज स्थापित करने का उनका सपना आज भी झारखंड में अधूरा है जिसे पूरा करने की जरूरत है. वक्ताओं ने राजीव गांधी को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए उन्हें महान स्वप्न द्रष्टा बताया और कहा कि भारत को 21 वीं सदी में ले जाने का जो प्रयास राजीव गांधी ने किया उसी का परिणाम है कि आज भारत का नाम दुनिया भर में सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सम्मान के साथ लिया जाता है. भारत में कंप्यूटर युग की शुरुआत उन्हीं की देन है. वक्ताओं ने राजीव गांधी की सत्ता विकेन्द्रीकरण को लेकर विचार पर विस्तार से चर्चा की. राजीव गांधी का यह सपना था कि गांवों में बसने वाले भारत का कायाकल्प तभी हो सकता है जब पंचायतों के माध्यम से चुने हुए जनप्रतिनिधियों के हाथों से सत्ता संचालित होगी.

पुत्र राहुल गांधी ने कुछ इस तरह किया अपने दिवंगत पिता को याद ञ्भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी सभा के दौरान एक आत्मघाती हमले में कर दी गयी थी. LTTE की महिला आत्मघाती हमलावर ने घटना को अंजाम दिया था. दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की स्मृति में, आज पूरे देश में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है.

स्वर्गीय राजीव गांधी के पुत्र एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा है ...पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं, मेरा संकल्प है कि आपके अधूरे सपनों को पूरा करूं और मैं उन्हें जरूर पूरा करूंगा।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि को भारत में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (National Anti-Terrorism Day) के रूप में भी मनाया जाता है. जिससे आतंकवाद के खिलाफ जागरूकता बढ़ाई जा सके और शांति, एकता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत किया जा सके.

झारखंड कांग्रेस मुख्यालय में ये नेता हुए शामिल : दिवंगत प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को श्रद्धांजलि देने वालों में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, अनुकुल मिश्रा, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुंजनी, अमूल्य नीरज खलको, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, जगदीश साहू, खुर्शीद हसन रूमी, राजन वर्मा सूर्यकांत शुक्ला, अख्तर अली, हुसैन खान, अजय सिंह, जितेंद्र त्रिवेदी,मो सफार, राजू राम, त्रिभूवन, प्रभात कुमार, राजू वर्मा, राखी कौर, चन्द्र रश्मि पिंगुवा, अनवर हुसैन, उषा खलखो, रिया तुलिका आदि शामिल रहे.

किसे बचाने के लिए एसीबी ने आईएएस विनय चौबे को भेज दिया जेल, इस घोटाले के कितने किरदार!

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांचीः क्या बड़े किरदार को बचाने के लिए आईएएस अधिकारी विनय चौबे को गिरफ्तार कर लिया गया? आखिर इस पूरे शराब घोटाले में कितने किरदार हैं और इतना बड़ा एक्शन एसीबी ने किसके इशारे पर लिया है? इस मामले पर सवाल भाजपा भी पूछ रही है और आरोप सीधे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगा रही है.

जिस तरह से शराब घोटाले में पहली बार एसीबी ने किसी आईएएस अधिकारी को गिरफ्तार किया है उसकी चर्चा पूरे देश में है. आखिर पूरा मामला क्या है कि इतना बड़ा एक्शन एसीबी ने अपनी ही सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ ले लिया. पूछताछ की और 5 घंटे बाद ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इन पर 38 करोड रुपए के घोटाले का आरोप लगा है. दावा किया गया है एसीबी की ओर से की अपने पद का दुरुपयोग कर गलत नीति बनाकर सरकार को नुकसान पहुंचाया गया है.

आईएएस अधिकारी विनय चौबे की गिरफ्तारी के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक पर लिखा कि-'मैं अप्रैल 2022 में ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर झारखंड और छत्तीसगढ़ में होने वाले शराब घोटाले के संदर्भ में आगाह किया था. सरकार ने मेरे पत्र और चेतावनी को न सिर्फ नजर अंदाज किया बल्कि छत्तीसगढ़ के शराब माफियाओं को लाभ पहुंचाने के लिए झारखंड में हजारों करोड़ के शराब घोटाले को अंजाम देने में सहयोग किया. शराब माफियाओं के खर्चे पर हेमंत सरकार की पूरी कैबिनेट रायपुर दौरे का लुत्फ उठाया. अब जब छत्तीसगढ़ में कार्रवाई हो रही है. मामला ईडी और सीबीआई तक पहुंच गया है तब झारखंड में एसीबी द्वारा की जा रही है, एसीबी के इस जांच पर भला कैसे भरोसा किया जा सकता है. ऐसा प्रतीत होता है कि छत्तीसगढ़ में चल रही सीबीआई जांच से डर कर अब बड़ी मछलियों को बचाने के लिए कुछ छोटे लोगों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है. यदि हेमंत जी वास्तव में घोटाले की सच्चाई सामने लाना चाहते हैं, उनमें हिम्मत है तो वह मामले की जांच सीबीआई को करने का आदेश दें..'

बता दें कि कथित शराब घोटाले मामले में झारखंड के आईएएस अधिकारी विनय चौबे को गुरुवार देर शाम एसीबी ने गिरफ्तार कर लिया. विनय चौबे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव भी रह चुके हैं. जिस तरह से उत्पाद सचिव रहते हुए एक ऐसी नीति बनवाई जिससे घोटाले हुए तो इसकी जांच होगी तो कई परत खुलेगी और कई किरदार सामने आ सकते हैं.

2019 में हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने उनके सचिव की भूमिका में विनय चौबे रहे थे. साल 2022 में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉरपोरेशन को शराब नीति में एंट्री दिलाई गई. अरुण त्रिपाठी को झारखंड का सलाहकार बनाया गया. छत्तीसगढ़ के सिंडिकेट ने झारखंड के शराब कारोबार पर कब्जा किया तो उत्पाद सचिव विनय चौबे ही थे.

छत्तीसगढ़ में शुरू हुई जांच में कई गड़बड़ी आज सामने आयी. जिसके बाद ष्क्क ने केस दर्ज किया. इस मामले में परिवर्तन निदेशालय अलग से जांच कर रही है. झारखंड एसीबी ने 7 अक्टूबर 2024 को पीई दर्ज की थी.

आदिवासी बहुल इलाकों में ग्रामसभा की सहमति से ही खुलेंगी शराब की दुकानें

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। प्रोजेक्ट भवन सभागार में बुधवार को जनजातीय परामर्शदातृ परिषद् की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आदिवासी बहुत इलाकों में शराब की दुकानों को खोलने के लिए ग्रामसभा की सहमति अनिवार्य होगी। इसके साथ ही शराब की दुकान अथवा बार खोलने की अनुमति जनजातीय समाज के लोगों को ही देने पर चर्चा हुई जिस मामले में महाधिवक्ता से परामर्श लेने का निर्णय किया गया।

परिषद् की बैठक के बाद निर्णयों की जानकारी देते हुए झामुमो के वरीय विधायक स्टीफन मरांडी ने कहा कि एक मत से सदस्यों ने इस बात को माना कि टीएसी पूरी तरह से वैध है। उन्होंने भाजपा के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया जिसके तहत इस बैठक की वैधता पर सवाल उठाया जा रहा था। दावा किया कि टीएसी में गवर्नर की जगह मुख्यमंत्री को अधिकार दिए जाने का निर्णय पूरी तरह से सही है और महाधिवक्ता ने भी इस पर अपने परामर्श में हामी भरी है। स्टीफन ने यह भी बताया कि मेसा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है जबकि नियमावली बनने के बाद पेसा प्रभावी होगा।

जनजातीय परामर्शदातृ परिषद् की बैठक में बुधवार को कई विषयों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। आदिवासी बहुल इलाकों में शराब की दुकानों और बार को लेकर यह निर्णय लिया गया कि इसके लिए ग्रामसभा की सहमति अनिवार्य होगी।

इतना ही नहीं, कुछ सदस्यों ने जनजातीय समाज के लोगों को ही शराब की दुकान आवंटित करने को लेकर विचार करने का आग्रह किया, जिसपर एक बार फिर ग्राम सभा की सहमति की बात कही गई। बैठक में खरकई डैम के लेवल को नीचे करने को लेकर भी सहमति बनी।

सीएनटी एक्ट के तहत थाना क्षेत्र की बाध्यता को समाप्त करने के प्रस्ताव पर महाधिवक्ता से परामर्श लेने की बात कही गई। स्टीफन मरांडी ने कहा कि शिबू सोरेन हमेशा शराबबंदी की वकालत करते रहे हैं इसलिए शराब की अनुमति के लिए ग्रामसभा की सहमति लेने की बात कही गई है।

भारतीय जनता पार्टी ने पहले से ही टीएसी की बैठक के बहिष्कार का निर्णय लिया था। सो, बुधवार को आयोजित बैठक में टीएसी के सदस्यों में शामिल बाबूलाल मरांडी और चंपई सोरेन बैठक से अनुपस्थित रहे। बाकी 19 सदस्यों में से 17 सदस्य बैठक में शामिल हुए।

राज्य में आदिवासी हितों पर कैसे काम हो सके आदि मुद्दों पर सभी सदस्यों ने अपनी बात रखी। राज्य में आदिवासी हितों पर बेहतर काम कैसे हो, आदिवासियों के समग्र विकास एवं भाषा-संस्कृति के संरक्षण को लेकर चर्चा की गई। राज्य में आदिवासियों की जमीन खरीद-बिक्री को लेकर थाने की बाध्यता को फिर से देखने का निर्णय लिया गया है।

लीडरशिप की तलाश में छटपटा रहे माओवादी, 1.5 करोड़ के ईनामी बसवराजू की मौत से लाल गलियारे में खलबली

क्राइम संवाददाता द्वारा

रायपुरः अबूझमाड़ में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर किया। इस एनकाउंटर से एक बड़ी खबर आई। इस हमले में माओवादी कमांडर बसवराजू मारा गया। वे वारंगल के रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज से थे। उसने 2108 में गणपति की जगह ली थी। 70 और 80 के दशक में कई होनहार छात्र उनकी विचारधारा से प्रभावित हुए थे।

बसवराजू की मौत नक्सलियों के लिए बड़ा झटका : बसवराजू की मौत माओवादियों के लिए एक बड़ा झटका है। वह संगठन का एक महत्वपूर्ण नेता था। कॉलेज के दिनों में कई छात्र उससे जुड़े थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उस पर लगभग 1.5 करोड़ रुपए का इनाम भी था। सुरक्षाबलों को उसके होने की जानकारी लगी थी, जिस पर एक्शन लिया गया था।

अप्रैल 2010 में, मध्य और पूर्वी भारत के घने जंगलों में सक्रिय माओवादी विद्रोहियों को एक बड़ा झटका लगा। सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ में उनके एक वरिष्ठ कमांडर, उसकी पत्नी और सात अन्य विद्रोहियों को मार गिराया। यह जगह आंध्र प्रदेश की सीमा के बहुत करीब थी। मारे गए कमांडर, मार्री रवि, उर्फ सुधाकर को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) नामक विद्रोही समूह ने आंध्र में अपने आंदोलन को पुनर्जीवित करने का काम सौंपा था। सुधाकर, अनुभवी नेता थे, लेकिन वे भर्ती अभियान शुरू करने से पहले ही मारे गए।

युवाओं में अब नौकरी पाने की चाहत : माओवादी आंदोलन कभी इस क्षेत्र के युवाओं को आकर्षित करता था, लेकिन अब युवाओं में नौकरी पाने की चाहत बढ़ गई है। इसलिए माओवादी नेतृत्व एक संकट का सामना कर रहा है। माओवादी अभी भी मजबूत संबंधों की तलाश में हैं ताकि वे अपने कैडर को फिर से भर सकें। लगभग तीन दशकों तक, माओवादियों ने आंध्र प्रदेश के उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। इस क्षेत्र में माओवादी आंदोलन में शामिल होना सम्मान की बात मानी जाती थी।

आंध्र में खो दी माओवादियों ने शक्तिः आंध्र में माओवादियों ने अपनी शक्ति खो दी है, लेकिन शहीद नायकों की यादें अभी भी बनी हुई हैं। विद्रोहियों को उम्मीद है कि यह स्मृति उनकी रैंकों को फिर से भरने में मदद करेगी। माओवादी आंदोलन ने कभी इस क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ युवाओं को आकर्षित किया था। 1978 से, अपने छात्र, युवा और कृषि मोर्चों के माध्यम से, माओवादियों ने लोगों के दिलों और दिमागों में पैठ बनाई। कई वरिष्ठ माओवादी नेता आंध्र के उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र से आते हैं, विशेष रूप से करीमनगर, खम्मम और वारंगल (छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे) के तीन जिलों से।

ऐसे बनी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी : 1990 के दशक के मध्य तक, माओवादियों ने गरीबों को 400,000 एकड़ से अधिक भूमि उपलब्ध कराई थी। 1980 के दशक की शुरुआत तक, माओवादी सशस्त्र दस्ते आंदोलन में सबसे आगे थे। प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता के. बालागोपाल ने कहा कि न्याय की प्राप्ति की भावना एक मौलिक परिवर्तन था।

क्या एक और तख्तापलट की ओर बढ़ रहा है पाकिस्तान

असीम मुनीर ने जब से पाकिस्तानी फौज की कमान संभाली है, उनकी मुस्लिम कट्टरता और हिंदू विरोध वाली मानसिकता देखते हुए ऐसा माना जाता रहा है कि वह मुल्क के कुछ गिने-चुने लेकिन, सबसे ताकतवर नेताओं में खुद का नाम शुमार करना चाहते हैं। इनमें भारत के बंटवारे और लाखों लोगों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार मोहम्मद अली जिन्ना, जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज मुशर्रफ जैसे कुख्यात पाकिस्तानी शख्सियतें शामिल हैं। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनने के बाद जनरल मुनीर को एक नई ताकत मिली है। इससे सेना में उनका दबदबा और बढ़ सकता है। फौज में उनके जो विरोधी हैं, उन्हें कुछ समय के लिए जोर का झटका लगा है और फिलहाल के लिए वह पीछे हटने को मजबूर हुए हैं। मुनीर पहले से ही खुद को राष्ट्रवादी दिखाने के लिए धार्मिक उन्माद फैलाने वाली बातें कर रहे हैं। जिस समय पाकिस्तान की आर्थिक हालत बेहद खराब है, कर्ज न मिले तो आटा जुटाने में आफत है, फिर भी वे कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की दांव लगा रहे हैं। उन्होंने कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए तुर्की, अमेरिका और चीन से भी समर्थन मांगा है। पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से जिस तरह से मंगलवार को अचानक मुनीर के प्रमोशन की बड़ी खबर आई, उसको लेकर कुछ विश्लेषकों को तो यहां तक लग रहा है कि फील्ड मार्शल बनाए जाने का मतलब है कि उन्हें संभावित कोर्ट मार्शल की स्थिति से सुरक्षित कर दिया गया।

अंजन कुमार

नई दिल्ली : पाकिस्तान में एक बार फिर से सैन्य तख्तापलट की आहट नजर आ रही है। जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी फौज बेवजह कूदी और फिर मात खाकर दुनिया भर में फजीहत करवाया, उसके बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर का प्रमोशन इसी आशंका की ओर इशारा कर रहा है। पाकिस्तान की ओर से भारत के साथ जबरदस्ती शुरू किए गए संघर्ष में खुद की पिटाई की बात पाकिस्तानी फौज खुद कबूल चुकी है। पाकिस्तान के सत्ताधारी नेताओं के बहके बोल भी साबित कर चुके हैं कि भारतीय सशस्त्र सेना ने जवाबी कार्रवाई में वहां किस तरह से कहर बरपाया है, उसके बावजूद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने जिस तरह से जनरल मुनीर को फील्ड मार्शल के पद पर प्रमोशन देकर सम्मानित किया है, उससे लगता है कि वह पूरी तरह से पाकिस्तानी सेना के कब्जे में हैं। अगर ढाई दशक पहले मुड़कर देखें तो इन्हीं हालातों में एक दिन उनके भाई और पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ सरकार की भी तख्तापलट किया जा चुका है।

'फील्ड मार्शल बनाने का मकसद हार को छिपाना है' : विश्लेषकों की मानें तो जनरल असीम मुनीर को तरक्की देने की बाध्यता के पीछे पाकिस्तानी सेना की 'हार को छिपाने' की एक कोशिश लग रही है। क्योंकि, भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर में जिस तरह से पाकिस्तान के 11 एयरबेस ध्वस्त किए हैं, उससे मुल्ला मुनीर की छवि को बहुत ज्यादा बट्टा लगा है। उनकी नेतृत्व क्षमता, रण कौशल सभी सवालों के घेरे में हैं। माना जा रहा है कि यह पदोन्नति मुनीर ने खुद ही अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए ले ली है। पाकिस्तान मामलों के जानकार तिलक देवशर ने एळ से कहा है, फील्ड मार्शल का पद आमतौर पर सैन्य विजय के बाद दिया जाता है। ऐसा लगता है कि यह पहली बार है, जब इसे हार के बाद दिया गया है, ऐसा लगता है कि इसका मकसद हार को छिपाना है।

मुनीर का फील्ड मार्शल बनना उनके लिए क्यों अहम है : असीम मुनीर ने जब से पाकिस्तानी फौज की कमान संभाली है, उनकी मुस्लिम कट्टरता और हिंदू विरोध वाली मानसिकता देखते हुए ऐसा माना जाता रहा है कि वह मुल्क के कुछ गिने-चुने लेकिन, सबसे ताकतवर नेताओं में खुद का नाम शुमार करना चाहते हैं। इनमें भारत के बंटवारे और लाखों लोगों के नरसंहार के लिए जिम्मेदार मोहम्मद अली जिन्ना, जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज मुशर्रफ जैसे कुख्यात पाकिस्तानी शख्सियतें शामिल हैं। पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनने के बाद जनरल मुनीर को एक नई ताकत मिली है। इससे सेना में उनका दबदबा और बढ़ सकता है। फौज में उनके जो विरोधी हैं, उन्हें कुछ समय के लिए जोर का झटका लगा है और फिलहाल के लिए वह पीछे हटने को मजबूर हुए हैं। मुनीर पहले से ही खुद को राष्ट्रवादी दिखाने के लिए धार्मिक उन्माद फैलाने वाली बातें कर रहे हैं। जिस समय पाकिस्तान की आर्थिक हालत बेहद खराब है, कर्ज न मिले तो आटा जुटाने में आफत है, फिर भी वे कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की दांव लगा रहे हैं। उन्होंने कश्मीर मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए तुर्की, अमेरिका और चीन से भी समर्थन मांगा है।

जनरल मुनीर से पहले पाकिस्तान में कौन बना फील्ड मार्शल : पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से जिस तरह से मंगलवार को अचानक मुनीर के प्रमोशन की बड़ी खबर आई, उसको लेकर कुछ विश्लेषकों को तो यहां तक लग रहा है कि फील्ड मार्शल बनाए जाने का मतलब है कि उन्हें संभावित कोर्ट मार्शल की स्थिति से सुरक्षित कर दिया गया। क्योंकि, भारत के साथ हालिया संघर्ष में कहीं न कहीं सेना के अंदर भी उनकी स्थिति डंवाडोल होने की आशंका पैदा हो रही थी। मुनीर से पहले आजतक सिर्फ एक ही पाकिस्तानी जनरल अयूब खान को फील्ड मार्शल का दर्जा दिया गया था और बाद में वह भी तख्तापलट के माध्यम से पाकिस्तान के सैन्य तानाशाह बन गए।

क्या एक और तख्तापलट की ओर बढ़ रहा है पाकिस्तान : कुछ समय पहले पाकिस्तान के पूर्व पीएम मियां नवाज शरीफ भी यह बात कबूल कर चुके हैं कि 1999 में हुआ करगिल युद्ध ही तत्कालीन जनरल पाकिस्तानी जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा उनकी सरकार के तख्तापलट का कारण बना। करगिल युद्ध की साजिश जनरल परवेज मुशर्रफ ने लगभग उसी तरह से रची थी, जिस तरह से पहलगाम आतंकी हमले का ताना-बाना बुनने का संदेह जनरल असीम मुनीर पर जताया जा रहा है। मुनीर और पाकिस्तानी सरकार लगातार इन आरोपों से कन्नी काट रहे हैं। करगिल युद्ध के दौरान परवेज मुशर्रफ ने भी यही किया था। लेकिन, 2006 में अपनी किताब 'इन द लाइन ऑफ फायर'फायर में उसने खुद मान लिया कि करगिल युद्ध के पीछे पाकिस्तानी फौज का हाथ था। जबकि, पहले पाकिस्तान भारतीय चौकियों पर चोरी-छिपे कब्जे की अपनी करतूतों से पल्ला झाड़ रहा था। लेकिन, जब भारतीय सेना ने इस युद्ध में पाकिस्तान को बुरी तरह से धूल चटा दिया और जनरल मुशर्रफ पाकिस्तानी जनता और फौज के बीच कमजोर पड़ने लगे तो कुछ ही महीने बाद 1999 के अक्टूबर में नवाज शरीफ सरकार का तख्तापलट कर दिया और पाकिस्तान में मार्शल लॉ लागू कर दिया। असीम मुनीर की करतूतें बता रही हैं कि वह अपने गुरु के ही नक्शे कदम पर चलने की कोशिश कर रहे हैं और इसबार नवाज के भाई शहबाज उनके लिए बलि का बकरा बन सकते हैं।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर के कुटिल इरादे : पिछले साल सितंबर में जनरल मुनीर ने भी सार्वजनिक तौर पर मान लिया था कि करगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना शामिल थी। मुशर्रफ ने जब यह कबूल किया था, तब वह कुछ भी नहीं रह गए थे। लेकिन, मुनीर ने जनरल रहते हुए यह बात मानी है। यह कबूलनामा भी पाकिस्तानी रक्षा और शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आया था। करगिल युद्ध के दौरान भी लगभग वही हालात बन गए थे, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बने। पाकिस्तान अपनी सेना का चेहरा बचाने के लिए खुद मान चुका है कि अमेरिका ने उसपर करगिल की चोटियों से पीछे हटने का दबाव बनाया था। जबकि, शुरू में पाकिस्तानी फौज ने करगिल में लड़ने वालों को निजी 'स्वतंत्रता सेनानी'बताने की कोशिश की थी। इस कार्यक्रम में मुनीर ने जो कुछ कहा था, वह लगभग उसी तरह का था, जो पाकिस्तान के पूर्व सैन्य तानाशाहों में देखने को मिला है। इसमें उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक बहादुर देश है। यहां के लोग आजादी का महत्त्व समझते हैं। वे इसे किसी भी कीमत पर बचाने के लिए तैयार रहते हैं। 1948, 1965, 1971 के भारत-पाक युद्ध हुए। करगिल और सियाचिन में भी लड़ाई हुई। हजारों शहीदों ने देश की सुरक्षा और सम्मान के लिए शहादतें दीं।

पाकिस्तानी सेना ने मुल्क में कब-कब किया तख्तापलट : क्या पाकिस्तान में सब ठीक है? ये सवाल इसलिए उठ रहा है, क्योंकि देश में पहले भी तीन बार सेना ने तख्तापलट किया है। जनरल अयूब खान ने 1958 में, जनरल जिया-उल-हक ने 1977 में और जनरल परवेज मुशर्रफ ने 1999 में हुकूमत पर कब्जा किया था। अब क्या जनरल मुनीर भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं? जनरल अयूब खान ने राष्ट्रपति इस्कंदर अली मिर्जा हथियारों के दम पर सत्ता छीन ली। इसके बाद 1977 में जनरल जिया-उल-हक ने वही किया। फिर 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की सरकार को तब सत्ता से बेदखल कर दिया, जब वे विदेश दौरे पर श्रीलंका गए हुए थे। इन तख्तापलटों की वजह से पाकिस्तान वर्षों तक मिलिट्री रूल के अधीन रहा है। संयोग से अभी ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान हारा है और पाकिस्तान की सरकार की कमान नवाज के भाई शहबाज शरीफ के हाथों में है!

केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची स्टालिन सरकार

वन पांडेय

तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। यह याचिका समग्र शिक्षा योजना के तहत ?2000 करोड़ से ज्यादा फंड रोके जाने को लेकर है। राज्य सरकार का आरोप है कि उसने नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू नहीं किया, इसलिए केंद्र ने फंड जारी नहीं किया।

याचिका में क्या कहा गया है? : मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि केंद्र सरकार को ?2000 करोड़ से ज्यादा की बकाया राशि तत्काल जारी करने का आदेश दिया जाए। इस रकम पर छह फीसदी सालाना ब्याज के साथ भुगतान किया जाए। केंद्र की तरफ से एनईपी लागू करने के बहाने फंड रोकने की कार्रवाई को 'असंवैधानिक, अवैध, मनमानी और गैर-जिम्मेदाराना' घोषित किया जाए।

एनईपी और पीएम श्री स्कूल योजना बाध्यकारी नहीं- तमिलनाडु : तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से साफ तौर पर कहा है कि एनईपी 2020 और प्रधानमंत्री श्री स्कूल योजना तमिलनाडु पर बाध्यकारी (बाइंडिंग) नहीं हो सकती। केंद्र को 'मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2010' (राइट टू एजुकेशन एक्ट) के तहत अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए हर शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले 60% खर्च की राशि समय पर देनी चाहिए।

हिंदी थोपने का लगाया आरोप : राज्य सरकार ने यह भी आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के जरिए हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से तीन-भाषा फॉर्मूला का विरोध करती रही है और दो टूक कहती रही है कि राज्य में हिंदी नहीं थोपी जा सकती।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का पुराना फैसला? : कुछ समय पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका खारिज की थी, जिसमें तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में तीन-भाषा फॉर्मूला लागू करने की मांग की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि, 'कोई अदालत सीधे किसी राज्य को नई शिक्षा नीति जैसे किसी नीति को लागू करने का आदेश नहीं दे सकती।'कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर किसी राज्य की कार्रवाई से मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा हो, तभी हस्तक्षेप किया जा सकता है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मंशा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वह दिल्ली में रहता है और उसका सीधे कोई लेना-देना इस मुद्दे से नहीं है। नई शिक्षा नीति 2020 केंद्र सरकार द्वारा लाई गई थी जिसमें कई बड़े बदलावों का प्रस्ताव था, जैसे कि 5+3+3+4 शिक्षा ढांचा, मातृभाषा में पढ़ाई को बढ़ावा, तीन-भाषा फॉर्मूला, उच्च शिक्षा में व्यापक सुधार।

क्या तुर्की में कांग्रेस दफ्तर है, अमित मालवीय व अर्नब गोस्वामी पर केस, गोस्वामी ने माफी मांगी

ब्यूरो

कांग्रेस ने बीजेपी के अमित मालवीय और रिपब्लिक टेलीविजन के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन पर कांग्रेस के तुर्की में कार्यालय होने की दुर्भावनापूर्ण गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया गया है। उनके पोस्ट में "विपक्ष के नेता" राहुल गांधी के संवैधानिक पद की मानहानि का भी उल्लेख किया गया। हालांकि कांग्रेस ने जैसे ही पुलिस में शिकायत की, अर्नब गोस्वामी ने माफी मांगकर विवाद से पीछा छुड़ाया। यह शख्स पहले भी विवादों में फंसने पर माफी मांग चुका है। कांग्रेस लीगल सेल ने कहा कि यह पार्टी को बदनाम करने, अशांति भड़काने, राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और लोकतंत्र पर सीधा हमला करने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास था। हम चुप नहीं रहेंगे। सने एक पोस्ट में कहा- यह एक स्पष्ट संदेश हैः हमारी पार्टी या इसके नेतृत्व के खिलाफ फर्जी खबरें फैलाने की किसी भी कोशिश का कड़ा कानूनी और राजनीतिक जवाब दिया जाएगा। अपनी शिकायत में, कांग्रेस ने कहा कि मालवीय और गोस्वामी ने एक फर्जी दावा फैलाया कि तुर्की के इस्तांबुल कांग्रेस सेंटर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का कार्यालय है। यह कृत्य स्पष्ट और निर्विवाद रूप से आपराधिक इरादे के साथ किया गया था ताकि भारतीय जनता को धोखा दिया जाए। एक प्रमुख राजनीतिक संस्थान की मानहानि की जाए, राष्ट्रवादी भावनाओं में हेरफेर किया जाए, जन अशांति भड़काई जाए, और राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक अखंडता को कमजोर किया जाए। उन पर जानबूझकर और आपराधिक रूप से प्रेरित अभियान का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से गलत जानकारी फैलाई गई। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को तुर्की के समर्थन के बाद से देश में जनता का मूड तुर्की के खिलाफ वैसे भी बहुत खिलाफ चल रहा है। इन दोनों माहौल को भुनाने और उसका रुख कांग्रेस की ओर मोड़ने की खतरनाक कोशिश की। एक पत्रकार पर सत्य बताने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन अर्नब गोस्वामी तो सफेद झूठ फैला रहे थे। तुर्की में दूर-दूर तक कांग्रेस दफ्तर नहीं और वहां भारत की प्रमुख विपक्षी पार्टी का दफ्तर बताकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। तुर्की के खिलाफ भारत में ऐसा माहौल है कि वहां घूमने जाने वालों ने अपनी बुकिंग रद्द की है। देश के तमाम विश्वविद्यालयों ने तुर्की के शिक्षण संस्थानों के साथ कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। भारत में काम कर रही तुर्की की फर्मों को बाहर का रास्ता दिखाया गया है। सेलेबी के 2700 कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि यह सुनियोजित अभियान केवल एक नैतिक चूक नहीं है, बल्कि एक जानबूझकर किया गया आपराधिक षड्यंत्र है, जिसे जनता को नुकसान पहुंचाने, राष्ट्र को अस्थिर करने और पक्षपातपूर्ण एजेंडों को बढ़ावा देने के लिए पूर्व नियोजित रूप से अंजाम दिया गया। आरोपियों ने अपनी प्रभावशाली स्थिति का दुरुपयोग किया है। मालवीय ने एक प्रमुख राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में और गोस्वामी ने एक प्रमुख मीडिया हस्ती के रूप में-सत्य, जन सुरक्षा और राष्ट्रीय हित पर गंभीर हमला किया है। अमित मालवीय और अर्नब गोस्वामी का यह नया कारनामा नहीं है। दोनों पर कांग्रेस पार्टी ने पहले भी झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। अर्नब गोस्वामी के चैनल पर तो बॉलीवुड को लेकर भी तमाम झूठ फैलाए गए।

हिमंत-आईएसआई के निमंत्रण पर पाक गए थे गोगोई कांग्रेस नेता - '500 रुपये के बीजेपी ट्रोल जैसे'

गौरव गोगोई ने सरमा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'बी ग्रेड फिल्म की स्क्रिप्ट से भी बदतर' बताया। उन्होंने कहा कि सरमा उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही उन पर झूठे और निराधार आरोप लगा रहे हैं। गोगोई ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'आप एक मुख्यमंत्री हैं। आपके और 500 रुपये के बीजेपी ट्रोल में कुछ तो अंतर होना चाहिए। जो बातें सोशल मीडिया पर सस्ते ट्रोल फैलाते हैं, वही बातें आप कह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'सरमा के 99% दावे झूठे, हास्यास्पद और बकवास हैं। गोगोई ने यह भी सवाल उठाया कि यदि सरमा के पास कोई ठोस सबूत हैं तो वे उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, 'सरमा इसे सार्वजनिक नहीं करना चाहते और इसके पीछे एक कारण है। कारण यह है कि उनके सभी दावे झूठे हैं।

ब्यूरो

असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच फिर से तकरार बढ़ गई है। हिमंत सरमा ने गौरव गोगोई पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि गोगोई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निमंत्रण पर वहां गए थे और वहां प्रशिक्षण लिया था। सरमा के आरोपों को गौरव गोगोई ने निराधार, हास्यास्पद और बकवास करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने सरमा की तुलना '500 रुपये के बीजेपी ट्रोल' से की। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत सरमा ने हरियाणा के उस यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का जिक्र किया जिसे कथित तौर पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, 'ज्योति मल्होत्रा और अन्य लोगों का अपराध इसके सामने कुछ भी नहीं है। अगर यह जासूसी नहीं है, तो फिर क्या है? फिर वह (गौरव गोगोई) वापस लौटे और राफेल डील का विरोध किया। असम सीएम ने एक सार्वजनिक बयान में दावा किया कि जोरहाट से कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने 15 दिनों तक पाकिस्तान की यात्रा की थी। सरमा ने यह भी आरोप लगाया कि गोगोई ने वहां आईएसआई के साथ संबंध स्थापित किए और उनकी पत्नी एलिजाबेथ के भी इन तथाकथित गतिविधियों से संबंध हैं। सरमा ने कहा, 'श्री गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे और लौटकर उन्होंने राफेल खरीद का विरोध किया था। अगर मेरा एक भी शब्द ग़लत साबित हो जाए तो मैं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दूंगा। इसके अलावा सरमा ने यह भी कहा कि फ़रवरी में गठित एक विशेष जाँच दल यानी एसआईटी इन कथित 'आईएसआई संबंधों' की जाँच कर रहा है और इसके निष्कर्ष 10 सितंबर को सार्वजनिक किए जाएंगे। हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले भी गोगोई पर आरोप लगाया था कि उन्होंने संसद में ऐसे सवाल उठाए जो 'पाकिस्तानी सेना की मदद' करने वाले थे।

गोगोई का तीखा पलटवार : गौरव गोगोई ने सरमा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'बी ग्रेड फिल्म की स्क्रिप्ट से भी बदतर' बताया। उन्होंने कहा कि सरमा उनके राजनीतिक करियर की शुरुआत से ही उन पर झूठे और निराधार आरोप लगा रहे हैं। गोगोई ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'आप एक मुख्यमंत्री हैं। आपके और 500 रुपये के बीजेपी ट्रोल में कुछ तो अंतर होना चाहिए। जो बातें सोशल मीडिया पर सस्ते ट्रोल फैलाते हैं, वही बातें आप कह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'सरमा के 99% दावे झूठे, हास्यास्पद और बकवास हैं। गोगोई ने यह भी सवाल उठाया कि यदि सरमा के पास कोई ठोस सबूत हैं तो वे उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, 'सरमा इसे सार्वजनिक नहीं करना चाहते और इसके पीछे एक कारण है। कारण यह है कि उनके सभी दावे झूठे हैं। गोगोई ने अपने बयान में जोर देकर कहा कि वह और उनकी पत्नी निर्दोष हैं और इन आरोपों का कोई आधार नहीं है। सरमा और गोगोई के बीच लंबे समय से व्यक्तिगत और राजनीतिक तनातनी है। पहले कांग्रेस में रहे हिमंत बिस्वा सरमा 2015 में बीजेपी में शामिल हो गए थे। असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के बेटे गौरव गोगोई फिलहाल जोरहाट से सांसद हैं और कांग्रेस के प्रमुख नेताओं में से एक हैं। दोनों नेताओं के बीच पहले भी कई बार तीखी बयानबाजी हो चुकी है। इससे पहले सरमा ने गोगोई पर आरोप लगाया था कि उन्होंने राफेल डील का विरोध करके और संसद में कुछ सवाल उठाकर राष्ट्रीय हितों के ख़िलाफ़ काम किया है। गोगोई ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि सरमा का मक़सद केवल उनकी छवि को धूमिल करना और राजनीतिक लाभ लेना है। इस ताज़ा विवाद ने असम की राजनीति में हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर इस मुद्दे पर तीखी बहस छिड़ गई है। कुछ यूजरों ने सरमा के दावों का समर्थन करते हुए गोगोई पर देशद्रोही होने का आरोप लगाया, जबकि अन्य ने गोगोई का पक्ष लेते हुए सरमा पर घटिया राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में गोगोई का समर्थन किया है और सरमा के बयानों की निंदा की है। पार्टी के प्रवक्ताओं ने इसे बीजेपी की विभाजनकारी रणनीति बताया है जिसका उद्देश्य असम में कांग्रेस के प्रभाव को कम करना है। इस विवाद ने भारत-पाकिस्तान के बीच संवेदनशील मुद्दों को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है। सरमा द्वारा गठित एसआईटी की जांच के निष्कर्ष सितंबर में सामने आने की संभावना है। जाँच के ये निष्कर्ष इस मामले में निर्णायक हो सकते हैं। हालाँकि गोगोई ने साफ़ कर दिया है कि वह इन आरोपों का क़ानूनी और राजनीतिक रूप से जवाब देंगे। माना जा रहा है कि यह विवाद असम की राजनीति में और गहरा प्रभाव डाल सकता है। ऐसा इसलिए भी कि 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनाव में इस विवाद को भुनाए जाने के आसार हैं। यह भी संभावना है कि यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बने, क्योंकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक जवाबदेही जैसे मुद्दों को छूता है। हिमंत बिस्वा सरमा और गौरव गोगोई के बीच यह ताज़ा विवाद न केवल व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित है, बल्कि यह भारत की क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति में काफ़ी ज़्यादा असर डाल सकता है। जहाँ सरमा अपने दावों को साबित करने के लिए जाँच के निष्कर्षों का इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं गोगोई ने इसे बीजेपी की 'गंदी राजनीति' बताकर खारिज कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अन्नदा महाविद्यालय में पुस्तकों का विमोचन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अन्नदा महाविद्यालय, हजारीबाग में विभिन्न प्राध्यापकों के द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन सचिव डॉक्टर सजल मुखर्जी एवं प्राचार्य डॉक्टर नीलमणि मुखर्जी के द्वारा संपन्न हुआ । जिसमें प्रबंधन विभाग की प्रधायपिका डॉक्टर बिनीता कुमारी की पुस्तक (डिजिटल मार्केटिंग) अर्थशास्त्र विभाग के प्राध्यापक बर्नांगो बनर्जी की पुस्तक (सस्टेनेबल डेवलेपमेंट) और अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ राजीव रंजन की पुस्तक (गिरीश कर्नाड़ ए ड्रामेटिस्ट ऑफ अर्बन सेंसेबिलिटीज) का विमोचन हुआ इन पुस्तकों में डिजिटल मार्केटिंग और सस्टेनेबल डेवलपमेंट विनोबा भावे विश्वविद्यालय तथा अन्य विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम के आलोक में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है। गिरीश कर्नाडः ए ड्रामेटिस्ट ऑफ अर्बन सेंसेबिलिटीज यह पुस्तक अंग्रेजी विषय के शोधार्थियों के लिए उपयोगी होगा। इस विमोचन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रोफेसर इंचार्ज डॉक्टर सुभाष कुमार, अंग्रेजी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ आर पी सिन्हा, वाणिज्य विभाग के डॉक्टर बदल रक्षित उपस्थित थे। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं दी।

हजारीबाग में स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर का सुनहरा अवसर आरोग्यम कुणाल अस्पताल में वॉक-इन इंटरव्यू 23 मई को

● हम ऐसे समर्पित युवाओं को आमंत्रित करते हैं जो सीखना और समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं: हर्ष अजमेरा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग के आरोग्यम कुणाल वूमेन एंड चिल्ड्रन हॉस्पिटल द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया जा रहा है। यह अवसर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। स्टाफ नर्स, ए.एन.एम.,तकनीशियन, प्रशासनिक स्टाफ, वार्ड ब्वॉय, रिसेप्शनिस्ट, ड्राइवर सहित कई अन्य। पदों के अनुसार न्यूनतम 10वीं पास से लेकर एम.बी.ए. तक के अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। 1 से 3 वर्ष का कार्यानुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। वॉक-इन इंटरव्यू की तिथि 23 मई 2025 (गुरुवार) समय प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक स्थान आरोग्यम कुणाल वूमेन एंड चिल्ड्रन हॉस्पिटल (पूर्व डॉ. एच. एल. साहा नर्सिंग होम), इमली कोठी, हजारीबाग। इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी शैक्षणिक एवं अनुभव संबंधी प्रमाणपत्रों के साथ निर्धारित तिथि को सीधे उपस्थित हो सकते है. संपर्क सूत्र 9031015279 अस्पताल निर्देशक हर्ष अजमेरा ने कहा की हमारा उद्देश्य केवल चिकित्सा सेवा देना नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराना भी है जहाँ युवाओं को सीखने, बढ़ने और समाज के लिए योगदान देने का अवसर मिले। यह भर्ती अभियान हमारे अस्पताल के विस्तार का हिस्सा है और हम ऐसे समर्पित कर्मियों की तलाश में हैं जो सेवा को अपना धर्म मानते हों।

दिल्ली से देवघर होते हुए गिरिडीह पहुंचे हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, संगठन के कार्यक्रम में लिया भाग

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल संसद भवन में आयोजित स्टीमेट कमिटी की महत्वपूर्ण बैठक में बतौर सदस्य भाग लेने के उपरांत बुधवार को दिल्ली से हवाई मार्ग से देवघर पहुंचे और फिर यहां से सड़क मार्ग से संगठन के एक बैठक के निमित्त गिरिडीह जाने के क्रम में मिर्जागंज स्थित जलीय सूर्य मंदिर में माथा टेका और पूजा- अर्चना किया। यहां उन्होंने भगवान भास्कर से समस्त हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

तत्पश्चात गिरिडीह जिले के झारखंड धाम परिसर पहुंचे। यहां पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होलकर जी की 300 वीं जयंती के शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, गिरिडीह जिला द्वारा आयोजित जिला कार्यशाला- सह- संगोष्ठी÷ में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए और उपस्थित लोगों को उन्होंने संबोधित किया।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कोडरमा की विधायक बहन डॉ. नीरा यादव के साथ गिरिडीह जिले की जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव, जिला महामंत्री महेंद्र वर्मा, जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह सहित कार्यक्रम के सह- संयोजक संजीव जी, अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष प्रकाश दास सहित सभी मंडल अध्यक्ष समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झारखंड से हजारीबाग लौटने के क्रम में सांसद मनीष जायसवाल का सरिया, बगोदर, विष्णुगढ़ और टाटीझरिया में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। उक्त आशय की जानकारी सांसद मनीष जायसवाल के लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने दी ।

विश्वविद्यालय परिसर के छात्रावास के बहुरेंगे दिन

● युद्ध स्तर पर छात्रावासों की सफाई के कार्य किए गए प्रारंभ

● छात्रावास प्रारंभ होने की चर्चा से विद्यार्थियों में है उत्साह

● बंद छात्रावास के कारण नैक मूल्यांकन में मिले थे कम अंक

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में अवस्थित तीनों बंद छात्रावास बहुत जल्द होंगे प्रारंभ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा इस संबंध में योजनाबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ कर दिए है। पहले चरण में उन्होंने उच्च अधिकारियों एवं विश्वविद्यालय अभियंता के द्वारा सभी छात्रावासों का भौतिक निरीक्षण करवाया। उच्च अधिकारियों से परामर्श उपरांत दूसरे चरण में दोनों महिला छात्रावास परिसरों की साफ सफाई युद्ध स्तर पर करने का निर्देश दे दिया गया है।

महिला छात्रावास भवन के बाहर का परिसर एवं दोनों भवन के अंदर की साफ सफाई के लिए सिर्फ दो दिनों का समय मुकर्रर हुआ है। विश्वविद्यालय में कार्यरत एजेंसी को कहा गया है की परिसर में कार्यरत सभी माली एवं सफाई कर्मचारियों को अपने अपने पदस्थापित केंद्र के कार्य के अतिरिक्त इस कार्य में लगा दे।

बुधवार को एजेंसी के एरिया ऑफिसर मनोज कुमार झा एवं दोनों सुपरवाइजर विकास कुमार हरी एवं मुन्ना यादव स्वयं उपस्थित होकर दोनों महिला छात्रावास की साफ सफाई का कार्य को निर्देशित कर रहे थे।

दोनों छात्रावास लगभग दो वर्ष से अधिक समय से बंद तथा उपेक्षित पड़े हुए हैं। दोनों के परिसर में चारों तरफ झाड़ी और लंबे-लंबे जंगली घास हो गए हैं।

लगभग 25 से अधिक की संख्या में पुरुष एवं महिला कर्मियों ने दोनों छात्रावास की साफ सफाई का काम को आज अंजाम दिया। ग्रास कटिंग मशीन के साथ-साथ अन्य साजो समान का उपयोग बखूबी किया गया।

विश्वविद्यालय प्रबंधन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक जून-जुलाई में नए नामांकन के समय से छात्रावास की सुविधा फिर से उपलब्ध कराई जाए।

इधर छात्रावास प्रारंभ होने की खबर से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में विद्यार्थी विश्वविद्यालय परिसर के छात्रावास में रहना चाहते हैं। इससे विश्वविद्यालय परिसर भी जीवंत होता है।

ज्ञात हो की पूर्व कुलपति डॉ मुकुल नारायण देव के कार्यकाल में छात्र सरोजिनी नायडू खाली करवा कर बंद कर दिया गया। अन्य छात्रावास तो कभी प्रारंभ नहीं हुए। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने कई बार पूर्व महिला कुलपति श्रीमती सुमन कैथरीन किसपोट्टा से छात्रावास चालू करवाने का आग्रह किया। परंतु ऐसा हो ना सका।

हाल में डॉ विकास कुमार के डीएसडब्ल्यू बनने के उपरांत सभी छात्रावास प्रारंभ करने की दिशा में ठोस पहल किया जा रहे थे।

छात्रावास का बंद रहना विश्वविद्यालय को नैक (NAAC) मूल्यांकन में कम अंक मिलने के पीछे का एक प्रमुख कारण बना।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह के 14 छात्र-छात्राओं को किया गया साइकिल वितरण

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उत्क्रमित मध्य विद्यालय नावाडीह प्रखंड कटकमदाग में बुधवार को शैक्षणिक सत्र 2024 - 25 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के 14 छात्र - छात्राओं को सलगावां पंचायत की मुखिया मधु रानी एवं प्रधान अध्यापक मो जहांगीर अंसारी तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुमित कुमार राम के कर कमलों से साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल का वितरण करते हुए मुखिया ने बच्चों को आठवीं क्लास उत्तीर्ण होने पर बधाई दी एवं यह संदेश दिया कि यह साइकिल उन्नति का पहिया है, जिसके मध्यम से आपको उन्नति करना है । सारे बच्चे दिल लगा कर पढ़ाई करें तथा अपने माता-पिता गांव एवं पंचायत का नाम रौशन करें। भविष्य मे भी किसी प्रकार की कठिनाई होने पर मैं आप लोगों को सहयोग करती रहूंगी। प्रधानअध्यापक मो जहांगीर अंसारी ने विद्यालय के बेहतर रिजल्ट के लिए सभी छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए विद्यालय के सभी अध्यापकओं के प्रति धनयवाद ज्ञापित किया जिनके सामूहिक प्रयास से बच्चों ने अच्छा रिजल्ट हसिल किया। इस अवसर पर विद्यालय की संयोजिका चिंता देवी, रसोईया सत्यवती देवी, विद्यालय के शिक्षक स्वदेश कुमार ओझा, प्रभात कुमार ओझा, ललन कुमार ओझा एवं शिक्षिका सरिता कुमारी अपस्थित थी। बच्चों में साइकिल पाकर काफी खुशी थी और आज रिजल्ट प्रकाशित होने से उनकी खुशी दोहरा हो गई।

ढौठवा पंचायत में दबंगों के द्वारा धड़ल्ले से हो रहे सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा पर अंचलाधिकारी कटकमसांडी ने लगाया फटकार

आदिवासी एक्सप्रेस
कटकमसांडी (हजारीबाग) प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत ढौठवा में इन दिनों सरकारी तालाब, विद्यालय, पुराने पंचायत भवन एवं गैरमजरूआ जमीन पर दबंग भू माफिया के द्वारा कब्जा करने एवं फर्जी कागजात बनाकर खरीद बिक्री का कारोबार चल रहा है। ढौठवा पंचायत में निम्न जमीन के खाता प्लॉट पर अवैध कब्जा हैं (1) खाता नंबर 66 प्लॉट नंबर 827,828 विद्यालय का जमीन।
(2) खाता नंबर 66 प्लॉट नंबर 827पुराना पंचायत भवन।(3) खाता नंबर 66 प्लॉट 938 सार्वजनिक नरहर तालाब।(4) खाता नंबर 66 प्लॉट नंबर 873,874 सार्वजनिक हरैया तालाब।(5) खाता नंबर 66 प्लॉट नंबर 830,831,832 कर्मबाहवा तालाब,। इन सभी जगहों पर कुछ दबंगों भूमाफियों के द्वारा सरकारी जमीनों को हेरा फेरी किया जा रहा है । इन सभी सरकारी जमीनों को बचाने के लिए ग्राम पंचायत मुखिया जयप्रकाश केसरी एवं स्थानीय लोगों ने कटकमसांडी अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता को लिखित आवेदन देकर भूमाफिया पर उचित कानूनी करवाई करने का अपील किया गया था। इस संदर्भ में कटकमसांडी अंचल अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता,सह अंचलाधिकारी राजकुमार सिंह अंचल अमीन प्रेम प्रसाद आदि के द्वारा भौतिक जांच करते हुए सख्त निर्देश दिए कि जितना जल्द हो सके अवैध कब्जा किया हुआ जमीन खाली कर दे नहीं तो कानूनी प्रक्रिया में आगेबढ़ेगे। अंचलाधिकारी के भ्रमण से ग्रामीणों में हर्ष की लहर जगी है।

विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में विभावि नेशन का दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता संपन्न

● इस प्रकार के आयोजन से छात्रों की मानसिक कुशलता सामने आती है: चन्दन सिंह

● खेल और अभिनय जीवन का अभिन्न हिस्सा है: सौरब सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विश्वविद्यालय के विवेका नंद सभागार में कार्यक्रम की शुरूवात देश के महापुरूषों एवं भारत माता को पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम के अतिथि चन्दन सिंह और शौरब सिंह ने किया। कार्यक्रम में शास्त्रीय नृत्य खुशबु कुमारी के द्वारा किया गया।तमाशा सोसाइटी के गायत्री, गुलशन, आदित्य, अमन तथा संदीप के द्वारा मुर्ख राजा और राजतंत्र के ऊपर एक कटाक्षपूर्ण नाटक कल्याणपुर के रूप में बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए राम स्तुति के साथ पायल वर्मा तथा अपने राजनीतिक कविता के साथ अश्मित ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न सोसाइटियों के छात्र-छात्राओं ने तथा बाहर से आये कुछ छोटे-बड़े बच्चों ने भी भाग लिया और खेल के प्रति अपनी रुचि तथा प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में शतरंज जैसी बौद्धिक खेलों के प्रति कौशल और रुचि को बढ़ावा देना था ।

19 मई को विवेका नंद सभागार में प्रारम्भ हुए नॉकआउट मैच में बाकी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ 20 मई को कैन्टीन परिसर में हुए फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता रूपेश सोनी ने INKS सोसाइटी की ओर से खेलते हुए VBU Grandmaster का खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं,उपविजेता फ़रहान दानिश ने Web Manthan सोसाइटी का प्रतिनिधित्व करते हुए रूपेश को शानदार टक्कर दी।रुपेश सोनी को चंदन सिंह ने मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए दो मुख्य अतिथि चंदन सिंह और सौरव सिंह उपस्थित रहे। मौक़े पर चंदन सिंह ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया और जीवन में राजनीति की महत्ता पर प्रकाश डाला, वहीं सौरव सिंह ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन किया और शतरंज जैसे खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन को सफल बनाने में विभवि नेशन के मुख्य सदस्यों - काजल, शगुफ्ता, मिसकात, शौर्या श्री, अविनय राज, गुलशन, राहुल, रितिक, पीयूष, राजन और अश्मित ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने न केवल आयोजन की रूपरेखा तैयार की, बल्कि आयोजन के हर पहलू को व्यवस्थित रूप से संचालित भी किया।

विधायक रोशन लाल चौधरी के नेतृत्व में मिशन सिंदूर सेना की सम्मान में निकाला तिरंगा यात्रा

आदिवासी एक्सप्रेस
बड़कागांव। पहलगाम घटना मिशन सिंदूर को लेकर सेना की सम्मान में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के बड़का गांव एवं उरीमारी मंडल द्वारा बड़कागांव कुशवाहा धर्मशाला से होते हुए गुरु चट्टी थाना रोड मुख्य चौक दैनिक बाजार होते हुए सूर्य मंदिर तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। मौके मुख्य अतिथि विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि आतंकवादियों के गोद में बैठा पाकिस्तान को ,भारत की सेना में इतनी ताकत है कि , पल भर में पाकिस्तान को तहस-नहस कर कर देने की क्षमता रखता है। वहीं पूर्व विधायक लोकनाथ महतो ने कहा कि हमारी एकजूटता में ही बल है हम भारतवासी एकजुट रहे और आतंकवाद के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ते रहे है। अब तक हुई भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में हमारी सेना के आगे सभी बार पाकिस्तान को मुंह खानी पड़ी है। पाकिस्तान ने अपने आतंकवादियों को पालकर अपना ही विनाश को दावत दे रहा है। एक दिन ऐसा आएगा जब आतंकवादी ही पाकिस्तान पर हमला कर कब्जा कर लेगा शुरुआती लक्षण दिखने भी लगा है। मुख्य रूप से मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी विशिष्ट अतिथि लोकनाथ महतो पूर्व विधायक , मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार,आदित्य साहू सोनी ,खेमलाल महतो, सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, मंडल अध्यक्ष महामंत्री दिनेश करमाली , आजसु केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा,नर्सिंग प्रसाद ,महेंद्र महतो, श्रीकांत निराला ,किशन राणा, लालदेव महतो, विजय यादव ,रवि कुमार ,सूरज कुमार ,अशोक महतो ,चीतामनी महतो,नागेश्वर राणा, बैजनाथ साव, शिबू मेहता, रामपति राम ,टुकेश्वर प्रसाद, अरुण मालाकार, धनलाल बेदीया, फूलचंद बेदिया, सच्चिदानंद पांडेय, अनुज कुमार यादव ,राजीव रंजन ,सुनील उरांव ,कजरू साव, राज किशोर साव, वीरेंद्र प्रसाद इत्यादि लोग शामिल थे।

संबद्ध महाविद्यालय संघ ने कुलपति से की औपचारिक भेंट, उठाई महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याएं

● उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन की लंबित राशि शीघ्र जारी करने का कुलपति ने दिया आश्वासन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के नवनियुक्त कुलपति प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा से झारखंड संबद्ध महाविद्यालय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने एक शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और शीघ्र समाधान की मांग की। संघ के सचिव डॉ. सच्चिदानंद कुमार ने कुलपति को बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के अंतर्गत 15 से अधिक महाविद्यालयों की संबद्धता की प्रक्रिया विगत समय से लंबित है, जिससे वहां की शैक्षणिक गतिविधियाँ बाधित हो रही हैं। साथ ही स्नातक स्तर पर उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन कार्य में संलग्न शिक्षकों को अब तक उनकी पारिश्रमिक राशि प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने आग्रह किया कि लंबित राशि का भुगतान यथाशीघ्र किया जाए। कुलपति ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मूल्यांकन कार्य की बकाया राशि शीघ्र स्वीकृत की जाएगी तथा लंबित संबद्धता मामलों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादित किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के प्राचार्यगण सम्मिलित थे, जिनमें प्रमुख रूप से अन्नदा महाविद्यालय के डॉ. नीलमणि मुखर्जी, आर.एन.वाई. महाविद्यालय बरही के डॉ. विमल किशोर, वाणिज्य महाविद्यालय कोडरमा के डॉ. सोहर यादव, डोमचांच महाविद्यालय के डॉ. प्रवीण कुमार, कर्णपुरा महाविद्यालय के डॉ. कीतिनाथ महतो, सीएन महाविद्यालय के डॉ. बलवंत सिंह तथा होली क्रॉस महाविद्यालय की सिस्टर सायलेट शामिल थीं।

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के द्वारा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बाबूगांव के बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए लाठी एवं तलवार का दिया जाएगा निशुल्क प्रशिक्षण

● इस प्रयास का उद्देश्य शारीरिक क्षमता को बढ़ाना नहीं, बल्कि बालिकाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक बल का विकास भी करना है: शेफाली गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। प्राचीन भारत में आत्मरक्षा के लिए शस्त्र चलाने की परंपरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह हमारी समृद्ध संस्कृति, शिक्षा और अनुशासन का अभिन्न हिस्सा रही है। आज आवश्यकता है कि हम इस गौरवशाली परंपरा को पुनर्जीवित करें और नई पीढ़ी को इसके मूल्यों से जोड़ें। इसी उद्देश्य से भाजपा नेत्री सह ओम आरोहणम संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता ने वचन के अनुसार शहर के कोर्रा बाबूगांव चौक के समीप स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की बालिकाओं को लाठी एवं तलवार चलाने का प्रशिक्षण देने के लिए संकल्पबद्ध है। यह प्रशिक्षण गुरुकुल के आचार्य जी के मार्गदर्शन व सान्निध्य में संपन्न होगा। प्रशिक्षण के लिए बालिकाओं का पंजीकरण उनके विद्यालय के माध्यम से किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें गुरुकुल में आत्मरक्षा की इस पारंपरिक कला का विधिवत अभ्यास कराया जाएगा। भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने कहा कि इस प्रयास का उद्देश्य केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाना नहीं, बल्कि बालिकाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और मानसिक बल का विकास भी करना है। आइए, मिलकर हमारी बेटियों को सशक्त बनाएं और हमारी सांस्कृतिक विरासत को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाएं।

संक्षिप्त समाचार

पीएम श्री स्कूल दुमडूमी के छात्र छात्राओं के बीच साइकिल वितरण

गोमो: तोपचांची के दुमदुमी पंचायत अंतर्गत पीएम श्री स्कूल दुमदुमी के छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया गया.झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी योजना में से एक है तथा बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह योजना झारखंड सरकार पूरे प्रदेश में चल रही है.इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सांसद प्रतिनिधि सह जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष रवानी मुख्य रूप से मौजूद थे.आज दुमदुमी स्कूल के कक्षा 8 के 28 बच्चों बच्चियों के बीच साइकिल वितरण किया गया, वहीं प्रधानाध्यापक श्रीमती उमा देवी एवं समाजसेवी सदानंद महतो के द्वारा स्कूल के चार दिवारी,क्लास रूम,पेयजल,लैब,शिक्षक के अभाव संबंधी कई जनसमस्या आदि सांसद प्रतिनिधि व विधायक प्रतिनिधि के माध्यम से दिए गए तथा प्रतिनिधियों के द्वारा जल्द समाधान करने को लेकर पहल की बात कही गई. इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद एजाज हुसैन अंसारी,जिला परिषद सदस्य विकास महतो, आजसू नेता सदानंद महतो, पूर्व प्रमुख सरिता देवी, मुखिया माधुरी देवी अनंतलाल महतो,प्रमोद महतो आदि स्कूल के शिक्षक, ग्रामीण महिला, पुरुष एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

दोकनाही में वज्रपात गिरने से दो मवेशियों की मौत, एक घायल

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड अंतर्गत बसिया पंचायत के दोकनाही टोला में बुधवार को तेज गर्जना के साथ हुए वज्रपात ने ग्रामीणों को दहशत में डाल दिया। इस प्राकृतिक आपदा में दो मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय मौसम अचानक बदल गया और तेज बारिश के साथ बिजली गिरने लगी। उसी दौरान खेत में बंधे तीन मवेशियों पर वज्रपात गिरा,जिससे दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पंचायत प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवारों को मुआवजे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि प्राकृतिक आपदा से मवेशियों की मौत पर भी शीघ्र सहायता प्रदान की जाए। वज्रपात की इस घटना से क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल है।

अंचल अधिकारी ने फिर चलाया इटखोरी बाजार को अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान

● नियम संगत होगी निरंतर अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध करवाई : अंचल अधिकारी इटखोरी

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। इटखोरी बाजार में फिर एक बार अंचल अधिकारी श्रीमति सविता देवी ने अतिक्रमण मुक्त करने का अभियान चलाया। इस दौरान जेसीबी मशीन से दुकानदारों का एस्बेस्टस सीट कबाड़ा गया। अंचल अधिकारी के इस कार्रवाई से दुकानदारों में आक्रोश का भाव देखा गया। इस कार्रवाई के दौरान अंचल कर्मियों व दुकानदारों में हल्की नोक झोंक भी हुई। आक्रोशित लोगों का कहना था कि अतिक्रमण मुक्त करने में भेद भाव किया जा रहा है। वही अंचलाधिकारी श्रीमति सविता सिंह ने कहा कि अतिक्रमण हटाने की यह करवाई बिना किसी भेदभाव के नियम संगत पूर्वक की जा रही है। कोई भेद भाव नही हो रहा है और न ही होगा। इस दौरान कई दुकानदारों को भी चेतावनी दी गयी कि अविलम्ब अपना एस्बेस्टस सीट हटा लें नही तो जेसीबी मशीन लगाकर अतिक्रमित स्थल के निर्माण को तोड़ा जाएगा। अंचल अधिकारी की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में दहशत का भाव देखा गया।

जमीन मुआवजा को लेकर दो दिन 23 एवं 24 को लगेंगे शिविर

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव

बड़कागांव। बादम कोयला खनन परियोजना एन0टी0पी0सी0 लिमिटेड अन्तर्गत अंचल बड़कागांव के मौजा बादम एवं अम्बाजीत के अर्जित भूमि के पंचाटियों के मुआवजा भुगतान में त्वरित गति प्रदान करने हेतु प्रभावित क्षेत्रों के लिए अंचल, कार्यालय में शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर 23 एवं 24 मई को बड़कागांव अंचल में पूर्वाहन 11:00 से लगेगी। उक्त आशय की जानकारी बड़कागांव अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने हजारीबाग भू अर्जन विभाग के द्वारा जारी पत्र के आधार पर दी है।

'ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय सैनिक के लिए गर्व का क्षण है'

सुबेदार मेजर अरुण कुमार सहार (सेवानिवृत्त), युद्ध अनुभवी, मिलिट्री पुलिस द्वारा

7 मई 2025 को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में स्थित आतंकी ठिकानों पर एक सटीक और साहसिक सैन्य कार्रवाई की। यह जवाब उन 26 निर्दोष नागरिकों की शहादत के प्रतिशोध में दिया गया, जो पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में मारे गए थे। एक सैनिक के रूप में, जिसने अपने जीवन में कई बार देश की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी है, मैंने इस ऑपरेशन को गर्व और सम्मान की भावना से देखा। यह सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि दुनिया को यह संदेश था कि भारत अपनी सरज़मीं पर आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी विशेषता थी थल सेना, वायु सेना और नौसेना के बीच अद्वितीय तालमेल। वायु सेना ने बहावलपुर स्थित जैश-ए-मोहम्मद मुख्यालय समेत नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों पर सटीक हवाई हमले किए। थल सेना ने नियंत्रण रेखा (रएष्ट) पर पूरी मुस्तैदी के साथ निगरानी और मोर्चा संभाला, जबकि नौसेना ने अरब सागर में समुद्री निगरानी और रणनीतिक दबाव बनाए रखा, जिससे किसी भी तरह की बढ़ती हुई चुनौती को रोका जा सके। पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों को हमारे एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली ने पूरी तरह से विफल कर दिया, जो हमारी सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। मैंने करगिल युद्ध, श्रीलंका संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन और कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में अपनी सेवा के दौरान भारतीय सेना की वीरता को नजदीक से देखा है। अपने 34 वर्षों के सैन्य जीवन के अनुभव के आधार पर मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना की साहस, समन्वय और प्रतिबद्धता का सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज भी यदि देश पुकारे, तो मैं एक बार फिर वर्दी पहनने के लिए तैयार हूँ। एक सैनिक के लिए देशभक्ति की भावना कभी समाप्त नहीं होती। ऑपरेशन सिंदूर ने हर भारतीय का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया है और मैं उन सभी वीर जवानों को सलाम करता हूँ जो दिन-रात देश की रक्षा में डटे हुए हैं।

चोर चोर मौसेरे भाई के तरह काम कर रहे हैं सांसद-वित्तमंत्री: रूचिर तिवारी

एंट्री करप्शन ब्यूरो से नकली दवा घोटाले की जांच कराई झारखंड सरकार-भाकपा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डालटेनगंज विस के पूर्व विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने पलामू सिविल सर्जन डॉ अनिल सिंह को पलामू में हुए नकली दावोंओ में हुए घोटाले का मास्टरमाइंड बताया है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी सिविल सर्जन पलामू गढ़वा जिला के सिविल सर्जन थे और उससे पहले हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल के भी प्रभारी थे। और दोनों जगह पर गोलमाल करके पैसा कमाने का काम किया जिस पर जांच कमेटी भी गठन हुआ था लेकिन उसको लीपा पोती कर दिया गया और आज नकली दवा सप्लाई के मामला प्रकाश में आने के बाद दवा की जांच कराई गई और उसमें अधिकांश दवा मरीज को अस्पताल से दिया जाता था परंतु इन्होंने इसपर कोई कार्रवाई नहीं किया और सप्लायर एवं दवा कंपनियों से मिलकर लीपा पोती कर दिया। वही झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर भाजपा के सांसद वीडी राम दोनों रिश्तेदारी निभाते हुए इस मुद्दे पर मौन है यानी एक पुरानी कहावत चोर-जोर मौसेरे भाई की तरह दोनों काम कर रहे हैं जबकि नकली दवा सप्लाई के कारण हजारों रोगियों को रोग ठीक नहीं हुआ पारासिटामोल टेबलेट खाने के बाद भी बुखार नहीं उतरता था इसका भूत भोगी एक मरीज रितेश कुमार तिवारी ने बताया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी झारखंड सरकार से मांग करती है कि पलामू में हुए नकली दवा सप्लाई के संबंध में दर्ज कराकर प्राथमिक की दर्ज करा कर एंटी करप्शन ब्यूरो के द्वारा जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

बाइक और ट्रेलर की टक्कर में एक बाइक चालक की घटनास्थल पर हीं मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा)। हजारीबाग मुख्य मार्ग में नावाडीह फिनो बैंक के सामने ट्रेलर और बाइक की टक्कर में बाइक चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना बुधवार संध्या लगभग 7:00 बजे की है। वही इस दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान शहरजाम पंचायत के झारखंडी टोला के 50 वर्षीय उत्तम भुइयाँ के रूप में किया गया है। वहीं घायल व्यक्ति की पहचान शहरजाम झूमर टांड़ के 42 वर्षीय पेमन भुइयाँ के रूप में किया गया। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वे दोनों लोग एक बाइक पर सवार होकर अपने घर से करनी रोड पेट्रोल पंप पर डीजल लाने जा रहे थे इसी दौरान उक्त स्थल पर पूर्व से एक ट्रेलर खड़ा था इसी स्थल पर पीछे से आ रहे एक ट्रेलर ने बाइक सवार को धक्का मार कर भाग गया इस दुर्घटना में घटनास्थल पर ही उत्तम भुइयाँ की मौत हो गई वहीं पीछे बैठा पेमन भुइयाँ गंभीर रूप से घायल हो गया है घायल को इटखोरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिसका इलाज किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उत्तम भुइयाँ बाइक चला रहा था वहीं उसके पीछे पेमन भुइयाँ बैठा हुआ था। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने इटखोरी हजारीबाग मुख मार्ग को जाम कर दिया है।

सदर प्रखंड अंतर्गत सीतागढ़ टीटीआई में किसानों के जमीन पर टीटीआई टीचर्स ट्रेनिंग महाविद्यालय द्वारा अवैध कब्जा करने का प्रयास

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। सदर प्रखंड स्थित सीतागढ मौजा गुडवा खाता संख्या 2 प्लॉट नंबर 632 कुल रकवा 24.52 एकड़ गैर मजूरवा खास भूमि जीवलाल महतो वगैरह व नूर मोहम्मद वगैरह के नाम पर हजारीबाग सिविल कोर्ट के सेकंड एडिशनल जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में टाइटल एपीएल नंबर 24/76/ 35/81 दिनांक 11/ 5/ 1982 के द्वारा डिग्री से भूमि हासिल होकर जो क्रमश पंजी 2 के पृष्ठ संख्या 30/1 व 31/ 1 पर जमाबंदी कायम है तथा लगान रसीद निर्गत है और किसानों का लगभग 8 एकड़ भूमि बगल के शिक्षक प्रशिक्षण अभ्यास महाविद्यालय के जेम्स एक्का ग्राम गुड़वा हजारीबाग के द्वारा भूमि अतिक्रमण कर पक्का बाउंड्री निर्माण किया जा रहा है इस संदर्भ में किसानों ने हजारीबाग उपायुक्त ,अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी थाना प्रभारी को ज्ञापन दिया गया, जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी ने जमीन मापी का दिया आदेश, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से मोहम्मद कुदुस अंसारी ,लखन पासवान, राजेंद्र ठाकुर, गुलाम अंसारी, इदरीस अंसारी, गुलजार अंसारी, गौतम कुमार दास आबास अंसारी, इम्तियाज आलम, महेंद्र साव प्रमोद कुमार पासवान ,राजू कुमार राम, गौतम कुमार दास, सद्दाम अंसारी ,नरेश कुमार योगेंद्र प्रसाद, रब्बुल अंसारी, मुरली साव, यूनुस अंसारी, जमील अख्तर ,लियाकत अंसारी, लक्ष्मण ठाकुर, ओम कुमार, रफीक अंसारी, भुवनेश्वर महतो, सतीश महतो आदि किसान शामिल है।

झामुमो नेता संजीव बेदिया ने टंडवा रोड में दांगी फ्यूल सेंटर इंडियन ऑयल का उद्घाटन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव टंडवा रोड स्थित हरदरा बादी में नई पेट्रोल पंप दांगी फ्यूल सेंटर इंडियन ऑयल का शुभारंभ बुधवार को किया गया। इंडियन ऑयल के डिवीजनल रिटेल हेड पंकज कुमार के हाथों फीता काटकर किया गया। उद्घाटन प्रोपराइटर जुगेश्वर दांगी ने पत्नी पूर्व मुखिया अनीता देवी के साथ पेट्रोल पंप का विधिवत पूजा अर्चना किया गया। इस दौरान उद्घाटन में शामिल झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य ,झामुमो जिला अध्यक्ष सह केंद्रीय कार्य कारणी सदस्य संजीव कुमार बेदिया ने प्रोपराइटर को बेहतर करने की शुभकामनाएं दी ।

मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी, झामुमो जिला अध्यक्ष सह झारखंड सरकार राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव बेदिया,पुरोहित शंकर मिश्रा ,पंकज कुमार डिविजनल रिटेल हेड इंडियन ऑयल, मयंक प्रियदर्शी, अभय कुमार,विनोद कुमार महतो, जुगेश्वर महतो, पूर्व मुखिया अनीता देवी, किशोर राणा, भास्कर नारायण, अशोक कुमार, राजू महतो ,सुनीता देवी के अलावा दर्जनों लोग शामिल थे।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी आलाकमान ने दूसरी बार सौंपी कांडी प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता आई एम कादरी -कंडी

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओर से युवा समाजसेवी कांग्रेस नेताश्री जवाहर राम जी को दोबारा प्रखंड अध्यक्ष चुने जाने पर उनके पंचायत तथा उनके गांव के लोगों ने भी बधाई और मुबारक बाद दी है और लोगों ने कहा कि जिस समय पूर्व विधायक श्री चंद्रशेखर दुबे उर्फ़ ददई दुबे जी विधायक थे या स्वर्गीय अजय दुबे जी विधायक का चुनाव लड़े थे उस समय से लेकर आज तक श्री जवाहर राम जी वैसे के वैसे ही डट कर खड़े हैं लेकिन बहुत से लोगों ने या तो पार्टियां बदल ली या तो संन्यास ले लिए। श्री जवाहर राम जी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि अगर मेरा विधान सभा क्षेत्र अगली बार विश्राम पुर से कट कर भवनाथ पुर विधान सभा क्षेत्र में जाता है तो मैं काग्रेस पार्टी के तरफ से विधायक का चुनाव लड़ूंगा और सभी जनताओं के आशीर्वाद से जीत भी हासिल करूंगा। बाकी मैं जैसे निः स्वार्थ भाव से काम करते आया हूं वैसे आज और आनेवाला कल भी उसी तरह जनताओं का सेवा करता रहूंगा।

श्री जवाहर राम जी को दूसरी बार कांडी के प्रखंड अध्यक्ष बनाए जाने पर आदिवासी एक्सप्रेस के पूरी टीम के तरफ़ से बहुत बहुत मुबारकबाद एवं शुभकामनाएं तथा प्रखंड के रमेश ठाकुर, प्रमोद राम, सुभान अंसारी, विजय पाण्डे, इमामुद्दीन खान, आदर्श कुमार सिंह, एम डी मुस्लिम अंसारी, सुदामा सिंह, रुपेश राम, सुनेसर राम, कृष्णा राम, अखलेश चंद्रवंशी, नथुनी पासवान तथा बहुत से लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है।

शाहपुर मे वज्रपात गिरने से तीन भैंस की मौत

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-पप्पू यादव

नौड़ीहा बाजार, पलामू। जिले के नौड़ीहा बाजार थाना क्षेत्र के सरईडीह - शाहपुर निवासी धूज यादव पिता स्व ,चौधरी यादव के तीनों भैंस महुआ के पेड़ तर खड़ी थी तभी अचानक करीब तीन बजे दोपहर मे आंधी तूफान के साथ बारिस होने लगा और अधिक तड़का मलका के साथ वज्रपात गिरने से जिससे घटना स्थल पर तीनों भैस की मौत हो गई.पीड़िता धुज यादव की लगभग करीब 2 लाख रुपये की सम्पति का नुकसान हुई है। भुक्तभोगी ने अंचल पदाधिकारी नौड़ीहा बाजार से उचित मुआवजा मुहैया करने की मांग किया है मौके पर पहुंचे पंचायत मुखिया प्रतिनिधि बिंदा साव, पुर्व मुखिया विजय प्रसाद, पंचायत समिति सदस्य अन्य रहे।

MVS चपरवार प्लांट में करंट से दिनादाग के मजदूर की हुई मौत, तेल डालने के क्रम में हुई हादसा

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। जिले के छतरपुर अनुमंडल अंतर्गत MVS चपरवार प्लांट में करंट लगने से प्रखंड के दिनादाग पंचायत निवासी सीताराम यादव के पुत्र राजेंद्र यादव की मृत्यु हो गई। हादसा बुधवार शाम करीब 4 बजे के करीब हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह घटना है MVS प्लांट की लापरवाही से हुई है। जब मृतक व्यक्ति प्लांट के बड़े मशीन में तेल डालने गए थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। साथ ही लोगों ने आरोप लगाया है कि प्लांट सुरक्षा मानकों को ताक में रखकर मजदूरों का जान को जोखिम में डालकर कार्य करने पर विवश किया है। जो मजदूर की मौत का जिम्मेवार प्लांट प्रबंधन हैं। वहीं लोगों ने प्लांट प्रबंधन से मृतक को उचित मुआजी का मांग किया है।

आज दिनांक 21 में 2025 को पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के अध्यक्षता में भारत माता की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित किय गया.

सभा की शुरुआत कांग्रेसजन राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण किया श्रद्धांजलि अर्पित किया लोगों को संबोधित करते जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा, राजीव गांधी केवल एक प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि भारत के भविष्य को आधुनिक दिशा देने वाले युगद्रष्टा थे। उन्होंने जिस भारत की कल्पना की, उसमें विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और ग्रामीण विकास की नींव रखी गई थी।÷ आधुनिक भारत के निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनकी दूरदृष्टि, विज्ञान-प्रौद्योगिकी और युवा सशक्तिकरण की सोच आज भी हमें प्रेरणा देती है।

वक्ताओं ने राजीव गांधी जी के दूरदर्शी नेतृत्व, तकनीकी क्रांति, पंचायती राज सशक्तिकरण, युवाओं के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके योगदान को याद किया।

सभा में उपस्थित अन्य कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए और संकल्प लिया कि राजीव गांधी के सपनों के भारत को बनाने के लिए कांग्रेसजन निरंतर संघर्षशील रहेंगे।

मौके पर 20सूत्री विमला कुमारी विनोद तिवारी ईश्वरी सिंह शमीम अहमद राइन प्रशांत किशोर राजेंद्र अग्रवाल सुरेश पाठक सत्येंद्र सिंह गिरजा राम नसीम खान शैलेश चंद्रवंशी मिठू खान मिथिलेश सिंह नवल किशोर पाठक नंद किशोर मिश्रा अवध बिहारी सिंह विद्या सिंह चेरो अजय साहू जितेंद्र कमलापुरी नगर अध्यक्ष हैदर खान मोहम्मद चांद अनिल सिंह अखिलेश चौधरी गोपाल पासवान तुलसी पासवान ललित सिंह खुर्शीद अलाम मीर खुर्शीद छोटू चंद्रवंशी सौरव शुक्ला गोपाल प्रसाद सिंह सुधीर सिंहा गुड्डू खान मस्तक आलम प्रमोद यादव रामानंद पांडे शैलेश सिंह अमीताब शर्मा परवाज आलम साबुद्दीन अंसारी सबाज अली इत्यादि लोग उपस्थित थे इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारीगण, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवादल, NSUI, और जिला व ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भूरकुंडा MCLF में वार्षिक कार्ययोजना पर 4 दिवसीय प्रशिक्षण का सफल समापन

दुमका।
दुमका सदर प्रखंड अंतर्गत भूरकुंडा स्थित मॉडल क्लस्टर लेवल फेडरेशन (MCLF) में 18 से 21 मई 2025 तक वार्षिक कार्ययोजना (AAP) निर्माण पर केंद्रित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम संगठनों (VO) की महिलाओं को वार्षिक एवं पंचवर्षीय योजनाएं बनाने की प्रक्रिया, तकनीकी विधियों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पहलुओं की समझ प्रदान करना था।
प्रशिक्षण में CLF के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स (BOD), ऑफिस बेयरर्स (OB), चयनित मॉडल VO की कार्यकारिणी समिति एवं सभी VO की सक्रिय महिलाओं (AW) ने सक्रिय भागीदारी निभाई।
प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने अपने-अपने गांव की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का विश्लेषण कर आगामी पांच वर्षों की योजनाएं तैयार कीं। उन्हें फाइनेंशियल प्लानिंग, आजीविका संवर्धन, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।
राज्य स्तरीय प्रशिक्षक मकू सोरेन ने प्रशिक्षण में विशेष योगदान दिया। यह प्रशिक्षण CLF एवं VO स्तर पर कार्यरत महिलाओं को अपनी भूमिकाएं अधिक प्रभावी ढंग से निभाने में सशक्त बनाएगा और ग्रामीण विकास की दिशा में ठोस कदम सिद्ध होगा।

गुरूदेव मुर्मू बने लोरियों संकुल अध्यक्ष फुलकुमारी बेसरा बनीं उपाध्यक्ष

पालोजोरी– बुधवार को पालोजोरी प्रखंड क्षेत्र के बसबुटिया पंचायत अंतर्गत लोरियों गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय का संकुल पुनर्गठन किया गया। जिसमें से विद्यालय कर्मी सहित गांव के गणमान्य लोगों की उपस्थिति देखने को मिलें। वहीं पर्यवेक्षक के रूप में मनोज कुमार तिवारी की मौजूदगी देखी गई। जिसमें सबों की सर्वसम्मति पूर्वक अध्यक्ष पद के लिए गुरूदेव मुर्मू पिता मनसा मुर्मू तथा उपाध्यक्ष पद के लिए फुलकुमारी बेसरा पति महान मुर्मू का चयन किया गया। जबकि वहीं इस मौके पर निंदा मुर्मू, जून मरांडी, नागेश्वर राय, माहेश्वर मुर्मू, बैजनाथ मिर्धा, मल्टी टुडू , संजू मरांडी, विनोदी टुडू , राखी देवी, पार्वती देवी का सदस्यों के रूप में चयन किया गया। इस मौके पर यू एम एस लोरियों के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश महाराज,सहायक अध्यापक सत्य किशोर, वार्ड सदस्या सुहागिन सोरेन के अलावा एस एम सी पुनर्गठन कार्य शांति पूर्वक सम्पन्न किया गया।

बीडीओ ने पीडीएस डीलरों के साथ की बैठक

सौरभ भगत
अमड़ापाड़ा (पाकुड़) प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री प्रमोद कुमार गुप्ता ने सभी पीडीएस डीलरों के साथ बैठक की। बीडीओ ने कहा कि सभी जन वितरण प्रणाली के लाभुकों को जून, जुलाई व अगस्त माह का खाद्यान्न जून माह के अंत तक उपलब्ध कराना है। जून व जुलाई माह का खाद्यान्न 1 से 15 जून तक और अगस्त माह के खाद्यान्न का वितरण 16 से 30 जून तक किया जाना है। खाद्यान्न रखने के लिए भंडारण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। सभी डीलर जून माह तक सभी लाभुकों का ई-केवाइसी कराना सुनिश्चित करे।

छत से गिरने से एक किशोरी गंभीर रूप से घायल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
साहिबगंज। शहर के बड़ा पंचगढ़ में बुधवार को छत से गिरने से एक किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने घायल किशोरी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल किशोरी बरहड़वा के रहने वाले गोपाल हासदा की पुत्री ललिता हासदा उम्र 17 वर्ष है। किशोरी यहां बड़ा पंचगढ़ में अपने रिश्तेदार के यहां रहती है। वे छत से कपड़ा उतारने गई। इसी दौरान पैर फिसलने से वे गिर गई। इसमे किशोरी के सिर में चोट लगी है। वही किशोरी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

50 किसानों का दल भ्रमण व प्रशिक्षण के लिए सबौर रवाना

सुस्मित तिवारी
पाकुड़– आत्मा पाकुड़ से पांच दिवसीय प्रशिक्षण सह परिभ्रमण हेतु 50 किसान बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर रवाना हुआ। दिनांक 21 मई से 25 मई 2025 तक पाकुड़ जिला के किसान मिलेटस (मोटे अनाज) समेकित कृषि प्रणाली एवं कृषि से संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। आज बुधवार को जिला संयुक्त कृषि भवन परिसर से जिला कृषि पदाधिकारी सह परियोजना निदेशक आत्मा के श्री मृत्युंजय कुमार के द्वारा सभी किसानों को बसों से रवाना किया गया। जिला कृषि पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार ने कहा कि आज 50 किसानों के दल को बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर भागलपुर रवाना किया गया। जिसमें वे मिलेटस संबंधित फसलों की कृषि तकनीकी, शोध उपलब्धियों, कृषि यंत्रों, उर्वरकों के संतुलित प्रयोग, कृषि विविधीकरण, मिलेट्स फसलों की उत्पादन, मिलेटस के विभिन्न उत्पाद, उनका पोषण में महत्व एवं उनके उपभोग की विस्तृत जानकारी व प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। जिससे वे खेती के क्षेत्र में नया आयाम प्राप्त कर सकें।

निदेशक, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार की अध्यक्षता में हुई बैठक

शैडो एरिया में मोबाइल टॉवर अधिष्ठापन करने के दिए निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़– समाहरणालय स्थित सभागार में निदेशक, दूरसंचार विभाग, भारत सरकार श्री देव शंकर की अध्यक्षता में आधारभूत दूरसंचार संरचना के विकास के हेतु संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।
बैठक में जिले के सुदूर दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या एवं मोबाइल टॉवर लगाने को लेकर चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त द्वारा बताया गया कि बीते विधानसभा चुनाव में शैडो एरिया की मैपिंग में 3

स्थान चिन्हित किए गए थे। वही निदेशक दूरसंचार विभाग ने कहा कि पाकुड़ जिले में पांच स्थान ऐसे हैं जहां नेटवर्क कनेक्टिविटी नहीं है। निदेशक श्री देव शंकर ने समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग एवं आपूर्ति विभाग के पदाधिकारी को शैडो एरिया के संबंध में समेकित सूची समर्पित करने का निर्देश दिया गया ताकि किसी स्थान को लेकर दोहराव नहीं हो तथा शैडो एरिया की वास्तविक पहचान हो सके।
निदेशक, दूरसंचार विभाग ने कहा कि पाकुड़ जिला आकांक्षी जिला के रूप में चिन्हित है तथा भारत सरकार आकांक्षी जिले में आधारभूत दूरसंचार संरचना के सतत विकास को लेकर प्रयासरत है। उन्होने बीएसएनएल एवं निजी कंपनी के प्रतिनिधियों को शैडो एरिया में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को दूर करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि दूरसंचार सुविधा मुहैया कराने के लिए विभाग हर संभव मदद देने के लिए तत्पर है, जरूरत है कि समस्याओं को चिन्हित कर सकारात्मक कार्रवाई किया जाय।
तत्पश्चात लाभुकों के बीच परिसम्पतियों का वितरण किया गया जिसमें बच्चों का अन्नप्राशन, सेविकाओं को मोबाइल वितरण एवं प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) के लाभुकों के बीच चाभी देकर शुभ गृह प्रवेश, मनरेगा जॉब कार्ड वितरण, कालाजार से ठीक हुए लाभुकों के बीच कालाजार कीट का वितरण किया गया।
मौके पर पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, एडीजी विशाल साह,परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता श्री जेम्स सुरीन, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल एवं विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, प्रशासक नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी एवं डीपीओ यूआईडी रितेश कुमार, पीएमयू के सदस्य उपस्थित रहे।

कोटालपोखर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू, मुआवजा न मिलने से कुछ रैयतों में नाराजगी

साहेबगंज जिले के बरहरवा प्रखंड अंतर्गत कोटालपोखर मैन रोड साइड पर सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हो गया है। अंचल अधिकारी (सीओ) द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश के बाद, सड़क किनारे स्थित सभी दुकानों को लाल दाग से चिह्नित कर 15 दिनों के भीतर तोड़ने का निर्देश दिया गया था।
इस आदेश के अनुपालन में, कुछ रैयतों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानों को तोड़ने का काम प्रारंभ कर दिया है।
हालांकि, इस अभियान के कारण कुछ रैयतों में गहरा असंतोष है। उनका

आरोप है कि उन्हें अपनी दुकानों के बदले कोई मुआवजा राशि नहीं मिली है, जबकि प्रशासन उन्हें दुकानें तोड़ने का आदेश दे रहा है। नाराज रैयतों का कहना है कि उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपनी आजीविका के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें।
प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण जनहित में आवश्यक है और इससे क्षेत्र के यातायात को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इसी उद्देश्य से सीओ ने दुकानों को चिह्नित कर उन्हें हटाने का आदेश दिया है।
वर्तमान स्थिति यह है कि प्रशासन और रैयतों के बीच मुआवजा राशि को लेकर मतभेद गहरा गया है। प्रशासन सड़क चौड़ीकरण के लिए दुकानों को हटाने पर तुला है, वहीं प्रभावित रैयत अपनी दुकानों के बदले उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर प्रशासन और रैयतों के बीच आगे क्या कदम उठाए जाते हैं, यह देखना बाकी है।

डीपीआरओ के द्वारा 15 वें वित्त आयोग से संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़– जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 15 वें वित्त आयोग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में जिला परिषद सदस्य, सभी प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया गण, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंताओं के साथ बैठक की गई जिसमें अपूर्ण योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया एवं गुणवत्ता में ध्यान देने की बात कही गई। सभी कनीय अभियंता को जिले के सभी स्कूल में जाकर शौचालय का जांच कर जांच प्रतिवेदन उपलब्ध करने हेतु निर्देश दिया गया ताकि शौचालयों की मरम्मत्ती की जा सके। साथ ही सरकारी योजनाओं/ परिसंपत्तियों के संरक्षण करने हेतु लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया गया।

पाकुड़ शहर वासियो को इस गर्मी में बड़ी राहत

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता पाकुड़
पाकुड़– शहर में संचालित सभी वाटर एटीएम को जिला प्रशासन के प्रयास से ठीक करा लिया गया है। वर्तमान में सभी वाटर एटीएम सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं । जिसका उपयोग आमजन द्वारा किया जा हैं। EO नगर परिषद ने कहा कि इसमें सभी जन प्रतिनिधियों एवम प्रिंट सह एलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथियों का भरपूर सहयोग रहा है! साथ ही नालियों की साफ सफाई, रेगुलर फोगिंग जिससे मच्छर ना पनपे, शहरी रंग रोगन, रोड इत्यादि की मैंटेनांस, स्कूल परिसर के आसपास साफ सफाई निरंतर कराई जा रही।

भारतीय जनता पार्टी कोटालपोखर मंडल में संगठनात्मक बैठक

कोटालपोखर शांति चौक दुर्गा मंदिर के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद की अध्यक्षता में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई , उक्त बैठक में मुख्य रूप से भाजपा साहिबगंज जिला के अध्यक्ष उज्जवल मंडल और ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती कृष्णा महतो की उपस्थिति रही , संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष उज्वल मंडल ने बताया कि संगठन महापर्व का आखिरी दौर चल रहा है और फिर से मंडल अध्यक्ष से लेकर के जिला , जिला से

लेकर प्रदेश प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक का चुनाव होना है तो आज कोटालपोखर मंडल में चार लोगों का नाम मंडल अध्यक्ष के लिए जिला जाएगा , फिर उसे प्रदेश तक भेजा जाएगा ,जिसमें पहला नाम बप्पी निर्मल प्रसाद कोटालपोखर, दूसरा शिवरतन रजवार छोटा सोनाकर, तीसरा सुरेंद्र साहा पथरिया और चौथा नाम भरत साहा पथरिया के रूप में भेजा गया, बैठक में श्रीमती कृष्णा महतो जी ने बताया कि अभी भी जो 50 से कम सदस्य बनाए हैं उन्हें पंचायत मंडल और जिला में कोई भी तरह का पद नहीं दिया जाएगा, पोर्टल अभी भी चल रहा है, जो कार्यकर्ता 50 सदस्य नहीं बनाए है वो बना ले, उक्त बैठक में किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ,पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रणव सिंह ,वरिष्ठ कार्यकर्ता जयदेव रजवाड़, देबू रजवाड़, सागर मोहन साहा, सुरेंद्र साहा, जितेंद्र सहा, मुकेश रजवाड़ सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अर्पिता महिला मंडल ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का फीता काटकर किया उद्धघाटन

संवाददाता राम कुमार
बालूमाथ। सीएसआर (निगमित सामाजिक दायित्व) के तहत मगध संघमित्रा क्षेत्र के आरा, चमातु, फुलबसिया के महिलाओं एवं बच्चियों को सिलाई प्रशिक्षण के लिए सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन अर्पिता महिला मंडल के बैनर तले ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन मगध संघमित्रा क्षेत्र की अध्यक्षा विभानाथ ने अपने टीम के साथ किया. इस मौके पर विभानाथ के साथ ममता

सदाला,पम्मी देवी,निशा सिंहा, संगीता रंजन,दीप्ति चट्टराज एवं रीना सिंह उपस्थित रहीं.अर्पिता महिला मंडल के द्वारा बताया गया कि पहले चरण में पांच सिलाई मशीनों के साथ इस केंद्र की शुरुआत की गई हैं. ट्रेनर के भूमिका में सीसीएल मगध संघमित्रा क्षेत्र की ही कर्मचारी हैं. जिन्होंने अपने कार्य के साथ साथ ग्रामीण बच्चियों को भी सिलाई प्रशिक्षण देने के बीड़ा उठाया हैं. सिलाई में दक्ष होने के पश्चात इन्हें सिलाई मशीन भी मगध संघमित्रा क्षेत्र के तरफ से दी जायेगी. जिनसे ये अपना स्वरोजगार के तरफ आगे बढ़ सके।

दुष्कर्म के चौथे आरोपी के घर पहुँच कर विधिवत इश्तिहार चिपकाकर तमिल किया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
राजमहल। तीनपहाड़ थाना पुलिस ने बुधवार की सुबह सामूहिक दुष्कर्म के चौथे आरोपी के घर पहुँच कर विधिवत इश्तिहार चिपकाकर तमिल किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना में शामिल आरोपी चोपे टुडू, पिता वरुण टुडू, ग्राम धमधामिया पर सामुहिक दुष्कर्म का मामला तीनपहाड़ थाना कांड संख्या 61/25 के तहत दर्ज है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है, लेकिन आरोपी का अब तक कुछ पता नही चल पाया। जिसके बाद पुलिस आरोपी के गाँव पहुँच कर विधिवत ढोल बजाकर जानकारी देते हुए आरोपी के घर पर इश्तिहार चिपकाया। साथ ही पुलिस ने कहा कि जल्द से जल्द आरोपी आत्मसमर्पण करे, नही तो न्यायालय के आदेश आने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्की जब्ती नियम के तहत किया जाएगा। वही सामूहिक दुष्कर्म मे कुल चार आरोपी थे। पुलिस पूर्व में छापेमारी कर तीन आरोपी को जेल भेज चुकी है। आखिरी बचे आरोपी को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।
इस संबंध में तीनपहाड़ थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी थाना में या न्यायालय मे आत्मसमर्पण करे, नही तो न्यायालय के आदेश पर कुर्की जब्ती की जाएगी।

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। शहर के बंगाली टोला स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय मे कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष मो कलीमुद्दीन के नेतृत्व मे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया.इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीब गाँधी के तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया. और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की शपथ ली.विचार गोष्ठी में कई

वक्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजीव गांधी ने 18 वर्ष के युवाओं को मतदान का अधिकार दिया। पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत किया और ग्राम पंचायतों को विशेष अधिकार दिए।विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनकी दूरदर्शी सोच आज भी प्रेरणादायक है।इस मौके पर सभी ने संकल्प लिया कि वे राजीव गाँधी जी के आदर्शों और विज़न को आगे बढ़ाएंगे. कार्यक्रम में बासुकीनाथ यादव, अशोक पासवान, सरफ़राज़ आलम, अजय यादव, नदीम इखलाक, जामुन दास, सादिक रजा, सद्दाम हुसैन, रिज़वान अंसारी, अनूप हर्षवाल, अली कुरैशी, सतीश पासवान, सब्दुल अंसारी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे.

निदेशक, दूरसंचार विभाग ने लिट्टीपाड़ा स्थित चंपा गांव में मोबाइल टावरों एवं तालझारी पंचायत भवन में भारत नेट एवं बीएसएनएल कार्यालय का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) निदेशक, दूरसंचार विभाग भारत सरकार देव शंकर व एडीजी विशाल साह ने संयुक्त रूप से लिट्टीपाड़ा स्थित चंपा गांव में मोबाइल टावरों का किया निरीक्षण।
उन्होंने टावरों के संचालन और रख-रखाव का जायजा लिया और वहां के लोगों से बातचीत कर नेटवर्क सहित जानकारी ली। इसके

अलावा उन्होंने तालझारी पंचायत भवन में भारत नेट एवं बीएसएनएल कार्यालय का किया निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

दूरसंचार विभाग के निदेशक व एडीजी ने किया गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट का निरीक्षण

निदेशक, दूरसंचार विभाग भारत सरकार श्री देव शंकर व एडीजी श्री विशाल साह ने संयुक्त रूप से आकांक्षी लिट्टीपाड़ा प्रखंड स्थित गुतु गलांग कल्याण ट्रस्ट का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम उनके द्वारा ट्रस्ट स्थित बोरा सिलाई केंद्र का निरीक्षण किया गया एवं ट्रस्ट में कार्य कर रही पहाड़िया समुदाय की दीदियों से उनके कार्यो के विषय मे जाना। दीदियों द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन 5 हज़ार से 6 हजार बोरा का सिलाई कर लिया जाता है एवं पूरे महीने में 1 लाख से 1.5 लाख बोरा का सिलाई किया जाता है ये बोरा झारखण्ड के सभी 24 जिलों में डाकिया योजना अंतर्गत चावल पैकेजिंग में प्रयोग किया जाता है, इससे ट्रस्ट में कार्य कर रही दीदियों को 6000 से 7000 महीने तक कि आय हो रही है। ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी रूबी मालतो के द्वारा ट्रस्ट शुरू करने से लेकर आज तक का लेखा जोखा एवं विवरण को बताया। निदेशक ने सभी दीदियों को इस कार्य के लिए उत्साहवर्धन किया एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

संथारा : 3 साल की बच्ची की मौत लंबे समय तक क्यों सालती रहेगी?

>> विचार

> **मनोवैज्ञानिकों ने तब इस मामले पर विस्तार से चर्चा की थी और इस बात को रेखांकित किया था कि माता-पिता द्वारा डाला जाने वाला अप्रत्यक्ष दबाव किस तरह से बच्चे को मनोवैज्ञानिक रूप से कमज़ोर या लाचार बना सकता है। जब धर्म इसमें शामिल हो जाता है, तो उसके साथ अपराध बोध भी जुड़ जाता है, जो उन्हें बताता है कि अगर वे ऐसा-ऐसा नहीं करेंगे, तो परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। तब वह यह मानने लगता है कि बच्चा जो कुछ भी कर रहा है, वह परिवार की भलाई के लिए ही है और उसे मूल रूप से अपने स्वास्थ्य का थोड़ा त्याग करना होगा।**

सुभाष गाताडे

मनुष्य कभी भी बुराई का खुशी से पालन नहीं करता, जब तक कि वह धार्मिक विश्वास से प्रेरित न हो।" -- ब्लेज़ पास्कल (1623-1662), फ्रांसीसी गणितज्ञ, भौतिक विज्ञानी, आविष्कारक, दार्शनिक और कैथोलिक लेखक।

इंदौर के आईटी प्रोफेशनल की तीन वर्षीया बेटी नम्रता (बदला हुआ नाम) की मौत हो गई है। उसे ब्रेन ट्यूमर था, जिसका जनवरी में मुंबई में सफल ऑपरेशन किया गया था, लेकिन मार्च में यह फिर से उभर आया और एक सप्ताह से भी कम समय में उसने दम तोड़ दिया। उसकी कहानी में कुछ भी गलत नहीं लगता। बच्ची को सबसे अच्छा इलाज मिला और जैन समुदाय से ताल्लुक रखने वाले उसके माता-पिता के पास पैसे की कमी नहीं थी। इन सभी प्रासंगिक विवरणों के बावजूद, उसके जीवन के पिछले कुछ घंटों को भूलना या भुलाना मुश्किल है। जब वह जीवित थी और जिस तरह से उसे 'अपने अगले जन्म को बेहतर बनाने' के लिए कुछ अनुष्ठान करने पड़े थे - जैसा कि उसके माता-पिता को उनके आध्यात्मिक गुरु ने बताया था - वह बहुत दर्द में रही होगी। हमें पता चला कि अस्पताल के बिस्तर के बजाय, जहां उसे उपचारात्मक देखभाल दी जानी चाहिए थी, बच्ची को एक जैन साधु महाराज के आश्रम में स्थानांतरित कर दिया गया, जिसने अपने भोले-भाले शिष्यों (उस बच्ची के माता-पिता) को "उसकी पीड़ा कम करने और उसके अगले जन्म को बेहतर बनाने के लिए" संथारा का विकल्प चुनने के लिए राजी कर लिया था। और इन युवा आईटी पेशेवरों को, जो मुश्किल से 30 वर्ष के होंगे, अपनी मरती हुई बेटी को आश्रम में स्थानांतरित करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई, जबकि वे अच्छी तरह जानते थे कि वह बहुत पीड़ा में थी और कोई भी ऐसा कार्य, जो उसके जीवन के लिए अप्रत्याशित हो, उसे मृत्यु की ओर और नजदीक ले जायेगा। संथारा या सल्लेखना, जैसा कि आम तौर पर जाना जाता है, एक जैन प्रथा है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से मरने के इरादे से भोजन और पानी त्याग देता है। मोटे अनुमान के अनुसार, हर साल लगभग 200 लोग इस प्रकार की सल्लेखना का विकल्प चुनते हैं। इस तथ्य को देखते हुए कि यह प्रथा आत्महत्या के समान है, राजस्थान उच्च न्यायालय ने इस प्रथा को अनुच्छेद 309 के तहत अवैध और अपराध घोषित किया था और कहा था कि इसे धर्म के आवश्यक अभ्यास का हिस्सा नहीं माना जा सकता है और इसलिए इसे अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षित नहीं किया जा सकता है। यह अनुच्छेद 'आत्महत्या के प्रयास' से संबंधित है। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के इस फैसले पर रोक लगा दी है, लेकिन यह कहना गलत होगा कि आत्म-क्षति की इस परंपरा को स्वीकृति दे दी गई है। फिलहाल, इस प्रथा के बारे में किसी भी असहमति को दरकिनार किया जा सकता है, लेकिन कम से कम इस बात पर तो सहमति हो ही सकती है कि केवल एक वयस्क ही यह निर्णय ले सकता है कि उसे स्वेच्छा से मृत्यु का विकल्प चुनना है या नहीं। अगर हमारा संविधान किसी किशोर को वोट देने या ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की अनुमति नहीं देता है, तो उससे यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह जीवन के बजाय मृत्यु का विकल्प चुनने की स्थिति में होगा। और एक बच्ची के लिए तो, जो बमुश्किल 3 साल की है, अपने आप ऐसा निर्णय लेना असंभव होगा। अगर वह इस प्रथा का पालन करती है, तो इसका केवल यही अर्थ लगाया जा सकता है कि उस पर यह प्रथा जबरन लादी गई है। रिपोर्ट्स में आगे बताया गया है कि सल्लेखना अनुष्ठान शुरू होने के चार घंटे के भीतर ही नम्रता की मौत हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि इस खबर को सार्वजनिक होने में डेढ़ महीने से भी ज़्यादा का समय लग गया, और वह भी तब जब अमेरिका स्थित संगठन गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने स्वीकार किया कि नम्रता "धार्मिक अनुष्ठान संथारा" करने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति थीं।

नम्रता की दर्दनाक मौत कई सवाल खड़े करती है, जैसे -

1. कैसे उसके विद्वान माता-पिता की अजीब धार्मिक मान्यताओं ने उसे उसके अंतिम समय में एक तरह की यातना सहने के लिए मजबूर किया, जब वह गहरी पीड़ा में थी।
2. कैसे उन महत्वपूर्ण क्षणों में जब बच्ची को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता थी -- शायद दर्द कम करने के लिए कुछ इंजेक्शन और अपने करीबी लोगों की संगति की जरूरत थी -- उसे एक अज्ञात स्थान पर ऐसे अज्ञात लोगों के बीच स्थानांतरित कर दिया गया, जिन्होंने उसे ऐसे अनुष्ठानों में शामिल किया, जिससे उसका दर्द और बढ़ गया।
3. यह सारा अत्याचार कथित तौर पर मूल रूप से 'उसके अगले जन्म को बेहतर बनाने' और उसे "संथारा लेने वाली सबसे कम उम्र की महिला" बनाने के लिए किया गया था।

आप इसे किसी भी तरह से कहने की कोशिश करें, आध्यात्मिक गुरु ने उस बच्ची के माता-पिता के साथ मिलकर न केवल बच्ची के दर्द को बढ़ाया, बल्कि उसकी मृत्यु को भी और निकट ला दिया। हमारा संविधान मानव जीवन की पवित्रता को अच्छी तरह से मान्यता देता है और प्रत्येक व्यक्ति के पास ऐसे अविभाज्य अधिकार हैं, जिन्हें तब तक नहीं छीना जा सकता, जब तक कि कानून स्वयं ऐसा करने का आदेश न दे। तब फिर उस बच्ची के माता-पिता और उनके आध्यात्मिक गुरु पर इस बुनियादी अवधारणा के अतिक्रमण के लिए मुकदमा क्यों नहीं चलाया जा सकता? क्या न्याय की मांग यह नहीं है कि पूरे मामले के कानूनी पहलुओं पर तुरंत गौर किया जाए और तीनों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाए? क्या यह समय नहीं है कि बाल अधिकार आयोग आगे आए और पुलिस पर दबाव डाले कि वह बच्चे की मौत में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त आरोप लगाए। क्या यह सही समय नहीं है कि हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां कानून के ऐसे सभी उल्लंघनकर्ताओं को एक कड़ा संदेश भेजें, जो आस्था और धार्मिक अधिकारों की आड़ में ऐसे कई कृत्यों में लिप्त हैं, जो मूलतः मानव जीवन की पवित्रता का उल्लंघन करते हैं और इस प्रकार हमारे संविधान के मूल्यों और सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। यह ध्यान में रखना होगा कि जब तक इस तरह के जबरिया बलिदानों के महिमामंडन पर सवाल नहीं उठाया जाता और उन्हें चुनौती नहीं दी जाती, तब तक लोगों को इसी तरह के कदम उठाने के लिए प्रोत्साहन मिलता रहेगा। क्या यह कहा जा सकता है कि नम्रता के माता-पिता को यह अनुष्ठान करने के लिए 'प्रेरित' किया गया था, क्योंकि उन्होंने अपने समुदाय में सिकंदराबाद की 13 वर्षीय लड़की की इसी तरह की 'संथारा' मृत्यु का महिमामंडन सुना था, और इस घटना के गवाह किसी भी करीबी रिश्तेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई थी? तथ्य यह है कि अपने माता-पिता की धार्मिक मान्यताओं के कारण नम्रता की अचानक मृत्यु कोई अलग-थलग मामला नहीं है। कुछ साल पहले, हमने एक और 13 वर्षीया लड़की की भी इसी तरह की 'संथारा मृत्यु' देखी थी, जो एक बहुत ही अमीर जैन परिवार, जो आभूषण का व्यवसाय करता था, से संबंधित थी। दोनों मामलों में अंतर केवल इतना था कि यह लड़की 13 वर्ष की थी, जो 8वीं कक्षा में पढ़ती थी। यह लड़की भी कानूनी तौर पर वह वयस्क नहीं थी, इसलिए वह वोट देने या अपनी मर्जी से विवाह करने की स्थिति में नहीं थी और इसलिए अपने कल्याण के लिए अपने माता-पिता पर निर्भर थी। किसी भी समझदार और संवेदनशील व्यक्ति के लिए यह समझ से परे होगा कि उसने दो महीने से अधिक समय तक - सटीक रूप से 68 दिन - उपवास किया और उपवास समाप्त करने के दो दिन के भीतर ही हृदयाघात के कारण उसकी मृत्यु हो गई। उसे इतने लंबे समय तक उपवास करने के लिए किस बात ने प्रेरित किया होगा? मनोवैज्ञानिकों ने तब इस मामले पर विस्तार से चर्चा की थी और इस बात को रेखांकित किया था कि माता-पिता द्वारा डाला जाने वाला अप्रत्यक्ष दबाव किस तरह से बच्चे को मनोवैज्ञानिक रूप से कमज़ोर या लाचार बना सकता है। जब धर्म इसमें शामिल हो जाता है, तो उसके साथ अपराध बोध भी जुड़ जाता है, जो उन्हें बताता है कि अगर वे ऐसा-ऐसा नहीं करेंगे, तो परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। तब वह यह मानने लगता है कि बच्चा जो कुछ भी कर रहा है, वह परिवार की भलाई के लिए ही है और उसे मूल रूप से अपने स्वास्थ्य का थोड़ा त्याग करना होगा। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि माता-पिता और यहां तक कि अन्य करीबी लोगों को भी उसे अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने और ऐसी हरकतें न करने के लिए प्रेरित करना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ होगा। बल्कि घर का माहौल ऐसा रहा होगा कि परिवार में ही ऐसी हरकतों को बढ़ावा मिला होगा। पीछे मुड़कर देखें तो, उस समय जिस तरह से बच्ची के उपवास का प्रचार किया गया था, जिस तरह से समुदाय के लोग और यहां तक कि राजनीतिक नेता भी उपवास के दौरान उससे मिलने आए थे, वह सब हैरान करने वाला है। उपवास पूरा करने के दो दिन बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हृदयाघात से उसकी मौत हो गई। यह अविश्वसनीय लगता है कि आराधना के अंतिम संस्कार में कम से कम 600 लोग शामिल हुए और उसे 'बाल तपस्वी' बताया गया। अंतिम संस्कार जुलूस को 'शोभा यात्रा' कहा गया, जो उत्सव का प्रतीक था। अनशन और बाद में उसकी मौत का महिमामंडन करने के पूरे प्रकरण ने बाल अधिकार कार्यकर्ताओं को नाराज कर दिया, जिन्होंने उसके माता-पिता के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया था। उसके माता-पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (2) (हत्या के लिए दोषी नहीं, गैर इरादतन हत्या) के अलावा किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत विधिवत एफआईआर दर्ज की गई थी। पता चला कि पुलिस ने 'सबूतों के अभाव में' पांच महीने के भीतर ही मामले को बंद करने का निर्णय ले लिया, जिसके कारण बाल अधिकार कार्यकर्ताओं की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई, जिन्होंने दावा किया कि पुलिस ने समुदाय के बुजुर्गों के साथ मिलकर मामले को कमजोर कर दिया और 'उचित जांच के बिना ही इसे बंद कर दिया। नम्रता की मृत्यु, जो उसके माता-पिता और उनके आध्यात्मिक गुरु द्वारा उस पर थोपी गई, तथा उसके पहले आराधना की मृत्यु, को अलग-थलग करके नहीं देखा जा सकता। स्वतंत्रता-पूर्व भारत ही नहीं, बल्कि स्वतंत्रता-पश्चात भारत भी ऐसे अनेक मानव-विरोधी व्यवहारों का साक्षी है, जो यहाँ मौजूद हर धर्म में प्रचलित हैं। वास्तव में, समय की मांग है कि ऐसी सभी मानव-विरोधी प्रथाओं के विरुद्ध आवाज़ उठाई जाए, जो मानवीय गरिमा को नकारने का महिमामंडन करती हैं। अब समय आ गया है कि हम यह घोषणा करें या संकल्प लें कि मेड स्नान जैसी प्रथाएं, या फिर युवा बेटियों को महिमा मंडित करना और उन्हें 'समर्पित' करना, ताकि वे औपचारिक रूप से अपना शेष जीवन 'भगवान की साथी' के रूप में जी सकें, -- लेकिन वास्तव में उन्हें यौन गुलामी का जीवन जीने के लिए अभिशप्त किया जाता है -- - देवदासी प्रथा आदि-आदि, इतिहास का हिस्सा बन जाएं। और आखिरकार किसी भी तरह के प्रतिक्रियावादी तत्वों, आस्था या प्रबंध के साथ कोई संबंध नहीं रखा जाए। शायद यही सबसे अच्छा तरीका है नम्रता को याद करने का, जो तीन साल की बच्ची थी और जिसे जबरिया मौत के हवाले कर दिया गया।

(लेखक एक वरिष्ठ और स्वतंत्र पत्रकार हैं! अनुवाद : संजय पराते)

संपादकीय

प्रोफेसर की गिरफ्तारी

एक ज्यादती भरी कार्रवाई में, रविवार को अशोक यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ सोनीपत में दो अलग-अलग प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की गयी थीं। ये एफआईआर 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में उनकी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर की गयीं। पहली पोस्ट में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के रणनीतिक कारणों को विश्लेषित किया गया, चूंकि उसे सेना के नेतृत्व वाले पाकिस्तानी शासन से निपटना था जिसने भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देते हुए गैर-राज्य कर्ताओं की आड़ में छिपने की कोशिश की है। इसमें यह भी जिक्रकिया गया कि कैसे भारत की प्रेस वार्ताओं में मुस्लिम सैन्य अधिकारियों को शामिल किये जाने से देश की बहुलवादी दृष्टि प्रदर्शित हुई, भले ही यह उस सांप्रदायिक वास्तविकता के विपरीत हो जिसका सामना हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमान कर रहे हैं। दूसरी पोस्ट में संघर्षविराम के बाद कुछ नेटिजेन्स की "युद्ध के लिए अंध रक्तपिपासा" की निंदा की गयी और साथ ही दलील दी गयी कि युद्ध से सिर्फ दुनिया के सैन्य-औद्योगिक संकुल को लाभ होता है तथा हिंदू व इस्लामी, दोनों धर्मग्रंथों में इस बात पर जोर दिया गया है कि संघर्ष में धीरज व संयम ही सद्गुण हैं। उनकी पोस्टों में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। ये एक समावेशी भारत के लिए सीधे-सादे और देशभक्तिपूर्ण आह्वान थे तथा इस समझ को जाहिर करते थे कि भारत आतंकवादियों और पाकिस्तानी सैन्य शासन द्वारा समर्थित बृहत आतंकी बुनियादी ढांचे के बीच फर्क मिटाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मजबूर हुआ है। हरियाणा पुलिस का कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की उन शिकायतों पर आधारित था जिनमें कहा गया कि ये पोस्ट वर्दीधारी महिलाओं के लिए अपमानकारी तथा भारत सरकार के लिए बुरी मंशा वाली थीं। यह सरासर झूठ है और अगर हरियाणा पुलिस ने इन पोस्टों को पढ़ने और उनके भीतर के एक ज्यादती भरी कार्रवाई में, रविवार को अशोक यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ सोनीपत में दो अलग-अलग प्राथमिकियां (एफआईआर) दर्ज की गयी थीं। ये एफआईआर 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में उनकी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर की गयीं। पहली पोस्ट में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के रणनीतिक कारणों को विश्लेषित किया गया, चूंकि उसे सेना के नेतृत्व वाले पाकिस्तानी शासन से निपटना था जिसने भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देते हुए गैर-राज्य कर्ताओं की आड़ में छिपने की कोशिश की है। इसमें यह भी जिक्रकिया गया कि कैसे भारत की प्रेस वार्ताओं में मुस्लिम सैन्य अधिकारियों को शामिल किये जाने से देश की बहुलवादी दृष्टि प्रदर्शित हुई, भले ही यह उस सांप्रदायिक वास्तविकता के विपरीत हो जिसका सामना हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में मुसलमान कर रहे हैं। दूसरी पोस्ट में संघर्षविराम के बाद कुछ नेटिजेन्स की "युद्ध के लिए अंध रक्तपिपासा" की निंदा की गयी और साथ ही दलील दी गयी कि युद्ध से सिर्फ दुनिया के सैन्य-औद्योगिक संकुल को लाभ होता है तथा हिंदू व इस्लामी, दोनों धर्मग्रंथों में इस बात पर जोर दिया गया है कि संघर्ष में धीरज व संयम ही सद्गुण हैं। उनकी पोस्टों में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। ये एक समावेशी भारत के लिए सीधे-सादे और देशभक्तिपूर्ण आह्वान थे तथा इस समझ को जाहिर करते थे कि भारत आतंकवादियों और पाकिस्तानी सैन्य शासन द्वारा समर्थित बृहत आतंकी बुनियादी ढांचे के बीच फर्क मिटाकर पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने के लिए मजबूर हुआ है। हरियाणा पुलिस का कदम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा मोर्चा के पदाधिकारियों और हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया की उन शिकायतों पर आधारित था जिनमें कहा गया कि ये पोस्ट वर्दीधारी महिलाओं के लिए अपमानकारी तथा भारत सरकार के लिए बुरी मंशा वाली थीं। यह सरासर झूठ है और अगर हरियाणा पुलिस ने इन पोस्टों को पढ़ने और उनके भीतर के स्पष्ट संदेशों को समझने की जहमत उठायी होती, तो इन शिकायतों पर कार्रवाई के लिए उसे कुछ खास आधार नहीं मिलता। यह भी चिंताजनक है कि ये गिरफ्तारियां जिन आरोपों पर की जा रही हैं वे देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने, और विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से संबंधित हैं झ्र यह हालिया अतीत में आलोचकों के खिलाफ लगाये जाने वाले राजद्रोह के आरोपों जैसे ही हैं। बार-बार, और बहुत गलत तरीके से, कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे भारत में असहमति को कुचलने के लिए राजद्रोह के आरोप का इस्तेमाल किया है और प्रोफेसर की तकलीफें हाल के वर्षों में, खासकर भाजपा शासित राज्यों में, इसी हानिकारक प्रवृत्ति का लक्षण हैं। उनकी गिरफ्तारी अकादमिक स्वतंत्रता की खराब होती अवस्था का भी प्रतिबिंब है, जहां उच्च शिक्षा के संस्थानों में राज्य और सरकारों की नीतियों व कार्रवाइयों पर समालोचनात्मक समझ-बूझ और चिंतन को नापसंद किया जाता है और कुछ मामले में इसे आपराधिक तक बना दिया जाता है। सोमवार को भारत का सुप्रीम कोर्ट प्रोफेसर की गिरफ्तारी के खिलाफ उनका मामला फौरन सुनने के लिए राजी हुआ। सुप्रीम कोर्ट को अभिव्यक्ति की आजादी के महत्व को दोहराना चाहिए और उन कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिए जो तुच्छ आधार पर राजद्रोह से संबंधित गंभीर आरोप जड़ने के लिए शक्तियों का दुरुपयोग करती हैं।

कोरोना की दस्तक पर सजगता जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

देश-दुनिया पर कोरोना का संकट एक बार फिर मंडरा रहा है। वैसे देश में प्रभावितों की संख्या मामूली है। 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। अभी बीते सप्ताह के ताजे आंकड़ों के अनुसार संख्या कम जरूर है लेकिन सच्चाई भी है कि मामले या तो समझ नहीं आ रहे या दर्ज नहीं हो रहे हैं। बीते सप्ताह केरल में 69, महाराष्ट्र में 44 और तमिलनाडु में 34 मामले दर्ज हुए। लेकिन शेष एशिया में जिस तरह से कोविड के मामले दर्ज हो रहे हैं, वे चिंता बढ़ाते दिख रहे हैं। हांगकांग और सिंगापुर में यह तेजी से फैल रहा है। अभी नया वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है। यह पहली बार अगस्त, 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर, 2023 में ही 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर साफ किया था कि यह ओमिक्रॉन बीए 2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एलएफ7 और एनबी1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में ज्यादा असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़े हैं। अकेले सिंगापुर में मई की शुरुआत में 14,200 से ज्यादा नए मामले आए। इन जगहों पर भी जेएन1 और उसके उप-वैरिएंट ज्यादा मिल रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इन देशों में बढ़ते मामलों का कारण वहां लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी संभावना से इंकार नहीं है। तमिलनाडु, केरल और महाराष्ट्र में धीरे ही सही, इसका बढ़ना अच्छा संकेत नहीं है। बीते 18 मई को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोरोना संक्रमित हुए तो दूसरे ही दिन बिग बॉस फेम शिल्पा शिरोडकर भी शिकार हो गईं। इतना तो समझ आ गया है कि सिंगापुर अब नया

हॉटस्पॉट बनकर उभर रहा है। सप्ताहभर में ही संक्रमण के मामलों में 28 फीसदी की वृद्धि चिंताजनक है। चीन से छन-छनकर जो निकल रहा है वहां भी बीते एक महीने में कोरोना मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन चीन से जितने वैरिएंट सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा। इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वे हैं जो कोमोरबिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोरबिडिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वाले बुजुर्गों, कोमोरबिडिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है। मुंबई के एक अस्पताल में दो मरीजों की मौत के बाद भ्रम की स्थिति बनी है। अस्पताल ने इन्हें गंभीर बीमारियों से हुई मौत बताया जिसका कोविड-19 से कोई संबंध नहीं था। अस्पताल का कहना है कि मौतें कोविड-19 से नहीं, बल्कि हाइपोकैल्सीमिक दौरे और कैंसर के साथ नेफ्रोटिक सिंड्रोम जैसी गंभीर बीमारियों के कारण हुई हैं। लेकिन चर्चा है कि दोनों मृतकों में कोविड के लक्षण थे। लगता नहीं कि ऐसी उहापोह वाली स्थितियों से कोविड को लेकर फिर पहले जैसा भ्रम फैलेगा? भारत में फिर से कोरोना वायरस के मामले धीरे-धीरे बढ़ने लगे हैं। हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का बयान चिंताजनक है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जबकि चीन में श्वास संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर तेज भी हो सकती है। साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कोविड के पुष्ट मामलों की मौजूदा संख्या 257 है। देश की आबादी के दृष्टिगत यह बहुत कम है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख हुए है। देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि वे सभी पर्याप्त इंतजाम रखें। जरा-सा संदेह होने पर चिकित्सकीय परामर्श में कोताही न बरतें। अच्छा हो कि अभी से सचेत हो जाएं।

दूरवर्ती तारे के निकट बर्फ की खोज

विजय गर्ग

खगोलविद वर्षों से सौरमंडल के बाहर पानी की बर्फ की खोज कर रहे हैं। उन्हें मालूम है कि यह बृहस्पति, शनि और उसके आसपास के चंद्रमाओं और बौने ग्रहों पर मौजूद है, लेकिन अभी तक वे अन्य तारों के आसपास इसकी मौजूदगी की पुष्टि नहीं कर पाए थे। अब जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने उनका काम आसान कर दिया है। शोधकर्ताओं ने इस टेलीस्कोप के नियर - इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोग्राफ उपकरण को 'एचडी 181327' पर लक्षित किया, जो 155 प्रकाश वर्ष दूर सूर्य जैसा एक तारा है। उन्होंने पाया कि तारे के चारों ओर धूल भरे मलबे की डिस्क में पानी की बर्फ के क्रिस्टल घूम रहे थे। यह बर्फ हमारे सौरमंडल के काइपर बेल्ट के बर्फीले पिंडों और शनि के छल्लों जैसे स्थानों पर भी पाई जाती है। खगोलविदों को काफी लंबे समय से दूरवर्ती तारों की डिस्क में पानी की बर्फ होने का संदेह है। स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप ने 2008 में ही इस बात का संकेत दिया था, लेकिन इसके उपकरण इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त रूप से संवेदनशील नहीं थे। यहीं पर वेब टेलीस्कोप तारों के आस-पास के मलबे के डिस्क को स्कैन करने के लिए सुसज्जित है। यह टेलीस्कोप बर्फ, धूल और चट्टान के सबसे हल्के निशानों का भी पता लगा सकता है। इसके उपकरण उन छोटे कणों को पकड़ सकते हैं जिन्हें दूसरे टेलीस्कोप नहीं पकड़ पाते हैं। विज्ञानियों का कहना है कि जल बर्फ की उपस्थिति ग्रह निर्माण को सुविधाजनक बनाने में मदद करती है। बर्फीले

पदार्थ अंततः स्थलीय ग्रहों पर भी पहुंच सकते हैं। एचडी 181327 एक युवा तारा है। यह सिर्फ 2.3 करोड़ वर्ष पुराना है। इसकी तुलना में हमारा सूर्य 4.6 अरब वर्ष पुराना है। यह तारा सूर्य से ज्यादा गर्म और अधिक विशाल है और इसका सिस्टम अव्यवस्थित है। धूल चट्टान और बर्फीले पिंड आपस में टकराते हैं और बिखर जाते हैं, जिससे एक अव्यवस्थित मलबे की डिस्क बन जाती है। एचडी 181327 एक बहुत ही सक्रिय सिस्टम है। इसके मलबे की डिस्क में नियमित रूप से टकराव होते रहते हैं। जब ये बर्फीले पिंड आपस में टकराते हैं, तो वे धूल भरे पानी के छोटे-छोटे कण छोड़ते हैं। वेब टेलीस्कोप इन कणों को देख सकता है। ये कण आपस में चिपक सकते हैं, जिससे नए ग्रहों के बीज बन सकते हैं। लाखों वर्षों में, बर्फीले मलबे चट्टानी दुनिया में पानी और अन्य महत्वपूर्ण यौगिक पहुंचा सकते हैं। शोधकर्ताओं को लगता है कि इसी तरह से पृथ्वी को पानी मिला जब बर्फीले धूमकेतु और क्षुद्रग्रह युवाकाल में उससे टकराए थे। खगोलविदों के समक्ष एक बड़ा सवाल यह है कि क्या बर्फीले पिंड निर्माणाधीन ग्रहों तक पानी पहुंचा सकते हैं? और यदि ऐसा है, तो क्या ये ग्रह रहने योग्य परिस्थितियां भी विकसित कर सकते है ? वेब के उपयोग से इन सवालों का जवाब मिल सकता है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

पीएमएफएमई योजना पर जागरूकता हेतु जेएसएलपीएस एवं जिला उद्योग केंद्र (DIC) के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

दुमका/
प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना (PMFME) के अंतर्गत एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी (जेएसएलपीएस) एवं जिला उद्योग केंद्र (DIC) दुमका के संयुक्त तत्वावधान में जेएसएलपीएस सभागार, दुमका में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परियोजना प्रबंधक, जेएसएलपीएस निशांत एक्का के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, जिला संसाधन व्यक्तियों (DRPs) एवं अन्य प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके पश्चात जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक दास कुमार एक्का द्वारा पीएमएफएमई योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने योजना की प्रमुख विशेषताओं, पात्रता, अनुदान सहायता एवं लाभार्थियों को मिलने वाले अन्य तकनीकी व प्रशासनिक सहयोग के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि जिले के 13 राष्ट्रीकृत बैंकों को इस योजना के अंतर्गत कुल 134 लक्ष्य आवंटित किए गए हैं, जिनका क्रियान्वयन DRPs एवं संबंधित विभागों के समन्वय से किया जाएगा। सत्र में वर्तमान में कार्यरत DRPs द्वारा योजना के क्रियान्वयन में आ रही व्यवहारिक चुनौतियों को साझा किया गया, जिनके समाधान के लिए समावेशी रणनीतियों पर चर्चा हुई। साथ ही, ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी प्रतिभागियों के साथ साझा की गई, जिससे वे लाभार्थियों को प्रभावी सहयोग प्रदान कर सकें।

यह कार्यक्रम जिले में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के सशक्तिकरण, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

संक्षिप्त समाचार

एक महिला को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
साहिबगंज। तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सकरीगली छोटी भगियामारी निवास चरण कर्मकार की पत्नी पूजा देवी अपने घर में मिट्टी से आंगन को निप रही थी। इसी बीच उक्त महिला ने आंगन के कोने में निपने के लिए हाथ बढ़ाई जहां पहले से ही सांप बैठा हुआ था उक्त महिला का हाथ सांप में सटते ही सांप ने महिला के हाथ में काट लिया। जहां उक्त महिला ने चिल्लाते हुए अपने पति और परिजनों को बताया कि किसी जहरीले सांप ने मुझे काट लिया है। जहां पति और परिजनों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने समय रहते महिला का इलाज शुरू कर दिया।

पुलिस ने मुख्य आरोपी वरुण जायसवाल को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर लोगों को ब्लैकमेल करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी वरुण जायसवाल को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को पूछताछ के बाद उसे न्यायालय में पेश कर राजमहल जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गनी चौक कोटालपोखर निवासी वरुण जायसवाल अपने घर के ऊपर सीसीटीवी कैमरे लगाकर आसपास के लोगों की निजता का उल्लंघन करता और कुछ सहयोगियों की मदद से उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर गलत तरीके से प्रस्तुत करता था। इन वीडियो के जरिए वह लोगों को ब्लैकमेल करता था। पिछले दिनों साहिबगंज के जिला परिवहन पदाधिकारी के साथ दुर्व्यवहार और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में कोटालपोखर थाना में कांड संख्या 57/25 दर्ज किया गया था, जिसमें वरुण जायसवाल मुख्य आरोपी था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे तीन दिनों के रिमांड पर लेकर पूछताछ की। इस दौरान उनके व्हाट्सएप मैसेज और वीडियो क्लिप की जांच के आधार पर पुलिस उसके ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट से जुड़े अन्य लोगों की पहचान में जुटी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस सिंडिकेट में उसके कई सहयोगी शामिल है, जो अब पुलिस के रडार पर हैं। वरुण जायसवाल पर पहले भी कई लोगों को ब्लैकमेल कर जबरन पैसे वसूलने के आरोप में मामले दर्ज हो चुके हैं। मेडिकल जांच के उपरांत उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से उसे राजमहल जेल भेज दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वरुण जायसवाल के साथ इस आपराधिक गतिविधियों में और कौन-कौन शामिल थे और किन-किन मामलों में सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग की गई।

बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबाडीहा गांव में मंगलवार की रात एक बालिका को अज्ञात बाईक सवार युवक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया जहां इस घटना में बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर घायल बालिका को परिजनों की मदद से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा के द्वारा इलाज किया गया। बताया जा रहा है कि अंबाडीहा गांव निवासी सांझला मरांडी के 12 वर्षीय बेटी प्रीती कुमारी अपने घर से दुकान जा रही थी उसी दौरान अज्ञात बाईक सवार युवक ने पीछे से जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया जिसमें बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। वही बालिका के कमर व पांव में चोट आई है जहां घायल बालिका का सदर अस्पताल में चिकित्सक के देखरेख में इलाज जारी है।

ब्रह्मकुमारी साहिबगंज शाखा में आयोजित होगा समर कैंप कार्यक्रम

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
साहिबगंज। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के छोटा पचगढ़ जिरवाबाड़ी डॉ.अजय कुमार सिंह व राजेश कुमार सिंह के मकान में ब्रह्मकुमारी साहिबगंज शाखा की ओर से आगामी 2 से 4 जून तक 5 साल से लेकर 17 साल तक के बच्चों के लिए समर कैंप कार्यक्रम में तहत मैजिक ऑफ मेडिटेशन, योगा एवं प्राणायाम,ब्रेन बूस्टिंग एक्सरसाइज ,फन गेम्स, डांस, म्यूजिक एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कर्मी व मीडिया प्रतिनिधियों के लिए भी एंजोयिंग गेम ऑफ़ द लाइफ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।वही इसको लेकर शाखा प्रबंधक बिंदु दीदी ने बताया कि जो भी लोग अपने अपने बच्चों समेत परिवार के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होना चाहते हैं वे दिए गए व्हाट्सएप नंबर 7870505167 या शाखा के द्वारा जारी किए गए लिंक से अपना अपना रज्ट्रिेशन करवा लें ताकि कार्यक्रम सुचारू रूप से आयोजित की जा सकें।

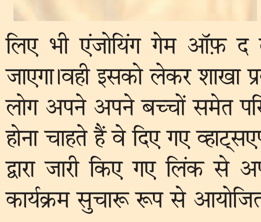

एक क्रेशर प्लांट में कुछ दिनों पहले चोरों के द्वारा चोरी किया चारों आरोपी को किया गिरफ्तार

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक क्रेशर प्लांट में कुछ दिनों पहले चोरों के द्वारा चोरी किया गया। मिली जानकारी के अनुसार क्रेशर मालिक रितिक जायसवाल द्वारा बताया गया कि मेरा क्रेशर प्लांट मौजा भुतहा प्लॉट नंबर 9 खाता नंबर 28 थाना मिर्जाचौकी जिला साहिबगंज में स्थित है। जो कि कुछ दिनों से बंद पड़ा हुआ था। जिसका देखरेख नाइट गार्ड मनोज ठाकुर करता है। दिनांक 12 मई को रात 1ः00 बजे कुछ नकाबपोश लोग क्रेशर पर आए और गार्ड को रूम में बंद कर बैटरी 12 पीस, दो इनवर्टर, गियर बॉक्स 5 पीस, कैमरा दो पीस उसका सारा सेटअप, मोटर चार पीस

सीकर 90 फीट लंबा, तार 8 बंडल, टीवी 55 इंच व बहुत सारे इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर लिया गया। वही चोरी मामले को लेकर मिर्जाचौकी थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। वही 29/25 प्राथमिकी दर्ज कर मिर्जाचौकी पुलिस के द्वारा तत्परता से कार्य करते हुए एक टीम का गठन कर छापामारी अभियान चलाकर चार अभियुक्त अनारूल मोमिन उर्फ पोल्टी शेख उम्र 38 वर्ष, पिता अताउल मोमिन, साकिन अर्जुनपुर, थाना फरक्का, जिला मुर्शिदाबाद, (पश्चिम बंगाल), दाऊद आलम उम्र 25 वर्ष, पिता मंसूर रहमान, साकिन हरिहरा, थाना बरहरवा, जिला साहिबगंज, मो अंसार आलम उर्फ मिलोन, उम्र 30 वर्ष, पिता मो नईमुद्दीन शेख, साकिन अंधारकोठा, श्रीकुंड, थाना कोटालपोखर, जिला साहिबगंज, फैजुद्दीन से उम्र 40 वर्ष, पिता स्वर्ग इमाम हुसैन, साकिन कांकजोल, थाना कोटालपोखर, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस के पूछे जाने पर चारों अभियुक्त ने चोरी करने को लेकर स्वीकार किया है। जिसे पुलिस ने सदर अस्पताल में चिकित्सा जांच कराने के उपरांत चारों अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

रोड साइड पर सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
साहिबगंज। बरहरवा प्रखंड अंतर्गत कोटालपोखर मैन रोड साइड पर सड़क चौड़ीकरण के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हो गया है। अंचल अधिकारी (सीओ) द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश के बाद, सड़क किनारे स्थित सभी दुकानों को लाल दाग से चिह्नित कर 15 दिनों के भीतर तोड़ने का निर्देश दिया गया था। इस आदेश के अनुपालन में, कुछ रैयतों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानों को तोड़ने का काम प्रारंभ कर दिया है।हालांकि, इस अभियान के कारण कुछ रैयतों में गहरा असंतोष है। उनका आरोप है कि उन्हें अपनी दुकानों के बदले कोई मुआवजा राशि नहीं मिली है, जबकि प्रशासन उन्हें दुकानें तोड़ने का आदेश दे रहा है। नाराज रैयतों का कहना है कि उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपनी आजीविका के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें।

प्रशासन का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण जनहित में आवश्यक है और इससे क्षेत्र के यातायात को सुगम बनाने में मदद मिलेगी। इसी उद्देश्य से सीओ ने दुकानों को चिह्नित कर उन्हें हटाने का आदेश दिया है। वर्तमान स्थिति यह है कि प्रशासन और रैयतों के बीच मुआवजा राशि को लेकर मतभेद गहरा गया है। प्रशासन सड़क चौड़ीकरण के लिए दुकानों को हटाने पर तुला है, वहीं प्रभावित रैयत अपनी दुकानों के बदले उचित मुआवजे की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर प्रशासन और रैयतों के बीच आगे क्या कदम उठाए जाते हैं, यह देखना बाकी है।

साथी अभियान : एक भी बच्चा न छूटे, कानूनी पहचान की ओर कदम कार्यक्रम का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर साहेबगंज जिले में 'साथी' अभियान की तैयारियाँ जोरों पर हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, अखिल कुमार के मार्गदर्शन और सचिव विश्वनाथ भगत के नेतृत्व में यह पहल निराश्रित एवं असहाय बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शुरू की गई है।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली द्वारा प्रारंभ इस अभियान के तहत 26 मई से 26 जून 2025 तक एक माह का सघन पहचान अभियान चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य ऐसे बच्चों की

पहचान कर उनका आधार पंजीकरण कराना और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा अन्य सरकारी योजनाओं से जोड़ना है।इस अभियान के समन्वित क्रियान्वयन हेतु साथी जिला समिति का गठन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता विश्वनाथ भगत कर रहे हैं। समिति में महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधार पंजीकरण पदाधिकारी, बालगृहों के प्रतिनिधि, अधिवक्तागण और पीएलवी सदस्य शामिल हैं। हाल ही में आयोजित एक बैठक में पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार कुशवाहा, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी के प्रतिनिधि संजय कुमार तिवारी, सिविल सर्जन के प्रतिनिधि एस.एस.सी. हांसदा सहित पैनल अधिवक्ता एवं पीएलवी ने भाग लिया। बैठक में एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें समिति के सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। यह भी निर्णय लिया गया कि अभियान का प्रचार-प्रसार प्रखंड और तालुका स्तर तक किया जाएगा ताकि कोई भी पात्र बच्चा इससे वंचित न रहे। 'साथी' अभियान बच्चों को न सिर्फ कानूनी पहचान दिलाने का माध्यम है, बल्कि उनके सुरक्षित, सशक्त और गरिमामय भविष्य की नींव भी है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता साहिबगंज
बरहरवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा के अंतर्गत संचालित सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बरहरवा के निर्देशानुसार संबंधित क्षेत्रों की सभी एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की सहभागिता से आयोजित हुआ।इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं, उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें जागरूक भी किया गया। इस अवसर पर सभी आयु वर्ग के लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर, सामान्य रोग आदि) प्राथमिक उपचार तथा आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण पोषण, स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य से संबंधित परामर्श, गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य परामर्श, टीबी पहचान, जांच एवं उपचार संबंधी जानकारी कालाजार एवं मलेरिया लक्षण, रोकथाम व समय पर जांच की आवश्यकता एनीमिया मुक्त भारत अभियान हीमोग्लोबिन की जांच व आयरन युक्त आहार की महत्ता डायरिया से बचाव स्वच्छ जल, हाथ धोने की आदत और ओआरएस की उपयोगिता ग्रामीणों ने इस शिविर में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस मौके पर पदाधिकारी, बरहरवा ने बताया कि ÷ऐसे शिविरों के माध्यम से सरकार की स्वास्थ्य सेवाएं समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे समग्र जनस्वास्थ्य को सुदृढ़ किया जा सके।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, बोरियो में प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
साहिबगंज। बोरियो प्रखंड अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में क्षेत्र के सभी आवासीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी बोरियो नागेश्वर साव की अध्यक्षता में की गई। इस बैठक में विद्यालयों में नामांकन की वर्तमान स्थिति के साथ-साथ आवश्यक आधारभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पेयजल, शौचालय, खेलकूद सामग्री, भवन आदि की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कल्याण आवासीय विद्यालय चांदवासी और बन्दरकोला में शौचालय की अनुपलब्धता, वहीं

पनसोखा विद्यालय में पहुंच पथ की समस्या को चिन्हित किया गया। इन समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित पंचायत सचिव को 15वीं वित्त आयोग मद से निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर कस्तूरबा गांधी विद्यालय, बोरियो का भौतिक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में बने मल्टीपरपस हॉल, छात्रावास, कक्षाएं और रसोईघर की स्थिति देखी गई। निरीक्षण के उपरांत वार्डेन को छात्राओं की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक एवं निरीक्षण के दौरान बीओ (प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी) सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा एवं समुचित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना था। प्रखंड प्रशासन ने विद्यालयों के समुचित संचालन हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

फर्जी ग्राम सभा कर लीज देने के मामले में जांच करने पहुंची प्रखंड प्रशासन

शिकारीपाड़ा/दुमका।
शिकारीपाड़ा प्रखंड के चंदनगड़िया मौजा पर पाँच फर्जी ग्राम सभा द्वारा पत्थर खनन लीज स्वीकृति मामले को लेकर बुधवार को अंचल अधिकारी कपिल देव ठाकुर ने पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अमित लकड़ा के साथ पुलिस बल के साथ चंदनगड़िया ग्राम जाकर जांच-पड़ताल किया।

ज्ञात हो कि विगत कई दिनों से चंदनगड़िया के सोलह आना रैयतगण सह ग्राम सभा सदस्यगणों ने स्थानीय प्रशासन के खिलाफ आरोप लगाते हुए आंदोलनरत हैं कि कुछ स्थानीय और बाहरी भूमि माफिया के मिलीभगत से प्रस्तुत चंदनगड़िया ग्राम का फर्जी ग्राम सभा के आधार पर स्थानीय प्रशासन ने पाँच पत्थर खनन लीज स्वीकृत किया है।

इस संदर्भ पर अंचल अधिकारी ने ग्रामीणों के सभा के समक्ष लीज स्वीकृत किए गए जमीन मालिकों, (सोनोत मरांडी, विनोद मरांडी, सुरेंद्र सिंह, महादेव सिंह व एक अन्य का हस्ताक्षर कर नमूना एक सादे कागज पर जाँच-पड़ताल हेतु लिया तथा अन्य जमीन मालिक की अनुपस्थिति होने के कारण उनका नमूना नहीं लिया जा सका। साथ ही अंचल अधिकारी ने सोनोत मरांडी और विनोद मरांडी का कच्चे मिट्टी का घर का मुआयना भी किए।

भरी सभा में अंचल अधिकारी के समक्ष सोनोत मरांडी, विनोद मरांडी, सुरेंद्र सिंह और महादेव सिंह ने बयान दिया कि उन्हें नहीं मालूम कि उनका जमीन पर किसने पत्थर खनन का लीज कराया है? इस संदर्भ पर उसे कोई राशि भी नहीं दी गई है और न ही पत्थर खनन लीज को लेकर उसने किसी कागजात पर हस्ताक्षर नहीं किया है। उन लोगों ने इस साजिश का पुरजोर विरोध करते हुए पत्थर खनन नहीं करने देने का आवाज बुलंद किया।

इधर इस संदर्भ पर चंदनगड़िया ग्राम के सोलह आना रैयतगणों ने आपसी एकता दिखाते हुए एक स्वर से कहा कि हमारे ग्राम का फर्जी ग्राम सभा प्रस्तुत कर किए गए पत्थर खनन लीज का हम पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने आगे बताई कि हमारे ग्राम में पत्थर खनन लीज को लेकर आजतक कोई भी ग्राम सभा नहीं हुई है, इसलिए हम अपने चंदनगड़िया ग्राम में पत्थर खनन कार्य नहीं करने देंगे, पत्थर खनन मामले पर हम सहमत नहीं हैं, हम सब खेती बारी कर अपना जीवन यापन करना चाहते हैं।

इस मौके पर स्थानीय प्रशासन और भूमि माफियाओं के खिलाफ आक्रोशित ग्रामीणों ने पारंपरिक नगाड़े बजाकर तथा ÷चंदनगड़िया ग्राम में पत्थर खनन नहीं करने देंगे, पाँच फर्जी पत्थर खनन लीज रद्द करो, रद्द करो....जैसे अन्य नारे बाजी लगाकर स्थानीय प्रशासन को चेतावनी देते हुए अपनी माँग कर रहे थे।

इस संबंध में अंचलाधिकारी ने बताया कि मामले में आवेदन मिला था उसी को लेकर हमलोग जांच करने पहुंचे थे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. इरफान अंसारी ने रिंग समारोह में दिया आशीर्वाद

गिरिडीह, प्रतिनिधि। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी धनबाद के एक वैवाहिक स्थल पर आयोजित रिंग शिरोमणि समारोह में पहुंचे। उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद दिया। समारोह में मौजूद लोगों ने मंत्री का स्वागत किया। जामताड़ा से पहुंचे वर-वधु पक्ष ने कहा कि मंत्री ने छोटे से कार्यक्रम में आकर हमारी प्रतिष्ठा बढ़ाई। हम सभी जामताड़ा वासी उनके इस व्यवहार की सराहना करते हैं। समारोह में मंत्री ने कहा कि हेमंत सरकार की मईया योजना सहित कई विकास कार्य चल रहे हैं। स्वास्थ्य से जुड़ी हर समस्या का समाधान किया जाएगा। गरीबों को स्वास्थ्य विभाग से अब ज्यादा मदद मिलेगी। सरकार इसके लिए लगातार प्रयास कर रही है।सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता बीएन पांडे ने कहा कि डॉ. इरफान अंसारी ने साबित कर दिया कि वे सिर्फ मंच पर नहीं, लोगों के दिलों में जगह बनाते हैं। उन्होंने कहा कि विधायक ऐसा होना चाहिए, जो हर मौके पर जनता के साथ खड़ा हो। समारोह में वीरेंद्र कुमार पांडे, शुभम कुमार पांडे सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। मंत्री ने वर-वधु को आशीर्वाद देकर समाज को प्रेरणा दी।

गिरिडीह: सरिया में जिस्मफरोशी के धंधे को लेकर प्रशासन की छापेमारी, दो युवक-युवतियों को रंगे हाथ पकड़ा

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के सरिया थाना क्षेत्र के विभिन्न होटलों व रेस्टुरेंट में जिस्म फरोसी का धंधा किये जाने की सूचना पर सरिया के एसडीएम के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गयी है। एसडीएम के निर्देश पर बीडीओ और थाना प्रभारी ने सरिया थाना क्षेत्र के विभिन्न होटलों व रेस्टुरेंट सरिया थाना पुलिस ने दल-बल के साथ आधे दर्जन होटल व गेस्ट हाउस में की छापेमारी की है। इस दौरान टीम ने स्टेशन रोड स्थित एरीना गेस्ट हाउस में छापेमारी कर दो युवक-युवतियों रंगे हाथ पकड़ा है। पुलिस की छापेमारी के बाद होटल का संचालक मौके पर से फरार हो गया है। इधर पुलिस की छापेमारी के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

भूगोल विभाग में आयोजित हुआ कुलाधिपति व्याख्यान

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में चौथा चांसलर्स लेक्चर सीरीज के तहत भौगोलिक अध्ययन में यांत्रिक सर्वेक्षण की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन बुधवार को किया गया। बतौर मुख्य वक्ता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के भूगोल विभाग के प्रो. एन. के. महतो (अमानत, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस के पूर्व कोऑर्डिनेटर) ने व्याख्यान दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. सरोज कुमार सिंह ने स्वागत अभिभाषण एवं विषय प्रवेश किया। इस दौरान इन्होंने भूगोल को एक क्षेत्र विज्ञान बताते हुए भौगोलिक अध्ययन में यंत्रों की भूमिका की पृष्ठभूमि बताई।

व्याख्यान के दौरान प्रो. महतो ने व्याख्यान देते हुए भौगोलिक अध्ययन में इंस्ट्रूमेंटल सर्वेक्षण के उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भूगोल पृथ्वी सतह के भौतिक एवं सांस्कृतिक तथ्यों एवं घटनाक्रमों का अध्ययन है जिसमें भौतिक तथ्यों जैसे उच्चावच, दिशा निर्धारण, सापेक्षित दूरी निर्धारण हेतु विभिन्न यंत्रों का प्रयोग प्राचीन समय से ही होता आ रहा है। उन्होंने भूगोल में मानचित्र एवं नियोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न यंत्रों की चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आधुनिक काल में प्रयुक्त होने वाले ड्रोन मैपिंग पर विशद चर्चा की। साथ ही उन्होंने भूगोल के विद्यार्थियों के लिए रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस जैसे नई तकनीकों एवं कौशल का कैरियर निर्माण में उपयोगिता पर चर्चा किया। प्रोफेसर महतो ने भारत द्वारा अमेरिका के GPS के बदले भारत के NaWick Navigation system के द्वारा मिसाइलों के सटीक निशाने को सराहा। उन्होंने स्वरचित किताब भौगोलिक सर्वेक्षण भूगोल विभाग के पुस्तकालय को भेंट की । मौके पर पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. कमला प्रसाद एवं डॉ. ओमप्रकाश महतो उपस्थित थे। शोधार्थी चित्रदयाल महतो ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा शोधार्थी परीक्षित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। व्याख्यान का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित हुए।

इंस्टाग्राम पर 2 सप्ताह पहले हुई थी दोस्ती, मिलने बुलाकर किशोरी के साथ किया दुष्कर्म

रांची। अनगड़ा में एक नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान हरिचंद्र महतो के रूप में हुई है। आरोपी ने किशोरी को घुमाने के नाम पर अपने घर लाकर दुष्कर्म किया था। पुलिस के अनुसार, दोनों की दोस्ती इंस्टाग्राम पर 2 सप्ताह पहले हुई थी। दोस्ती प्यार में बदल गयी और आरोपी किशोरी को अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया। किशोरी ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह की बढ़ सकती हैं मुश्किलें

संवाददाता द्वारा

रांची: बोकारो विधानसभा से कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं. एक से अधिक पैन कार्ड और वोटर आईडी के साथ चुनाव आयोग को गलत शपथ पत्र देने के मामले में वो घिरती जा रही हैं. कांग्रेस विधायक के जमुई से बने वोटर आईडी की जांच के लिए बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पत्र लिखा है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के द्वारा यह कार्रवाई जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी की रिपोर्ट पर की गई है.

बुधवार को बीजेपी सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में एक पांच सदस्यीय शिष्टमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार से मिलकर लिखित शिकायत की. बीजेपी नेताओं ने बोकारो विधायक श्वेता सिंह पर एक से अधिक पैन कार्ड और वोटर आईडी के अलावे चुनाव के दौरान गलत शपथ पत्र देने का आरोप लगाते हुए विधि सम्मत कार्रवाई की मांग की. बीजेपी सांसद आदित्य साहू ने इसे 420 का मामला बताते हुए विधायक पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया.

मामले को लेकर पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि विधायक ने चुनाव आयोग को धोखा देने का काम किया है. इसलिए विधि सम्मत कार्रवाई चुनाव आयोग जरूर करे. बीजेपी विधि प्रकोष्ठ के संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने इसे ऑफिस ऑफ प्रॉफिट का मामला बताते हुए बीएसएल का फ्लैट अवैध रूप से लेने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की.

बोकारो विधायक श्वेता सिंह के पास दो-दो पैनकार्ड होने के आरोप की जांच के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने आयकर विभाग को जांच करने के लिए भेजा है. बीजेपी शिष्टमंडल द्वारा सौंपे गए लिखित शिकायत पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि जांचोपरांत भारत निर्वाचन आयोग को कार्रवाई के लिए भेजा जाएगा. सीईओ ने कहा कि बोकारो विधायक श्वेता सिंह के नाम से दो पैन कार्ड और कई वोटर आईडी होने का आरोप है.

सीईओ ने कहा कि एक पैन कार्ड गुरुग्राम से बना हुआ है. जिसमें पिता का नाम दिनेश कुमार सिंह लिखा है. वहीं 2010 में दूसरा एक पैन कार्ड रामगढ़ से बना है. जिसमें पिता के कॉलम में संग्राम सिंह दर्ज है. विधायक श्वेता सिंह ने अपने चुनावी हलफनामे में भी जीवनसाथी पति के कॉलम के नाम के सामने संग्राम सिंह लिखा है. जानकारी के मुताबिक आयकर अधिनियम के तहत पैन कार्ड में पति का नाम दर्ज करने का प्रावधान नहीं है. पैन कार्ड में हमेशा धारक को अपने पिता का ही नाम लिखना होता है.

नकली दवाई की बिक्री पर रोक के लिए स्वास्थ्य विभाग का फैसला

संवाददाता द्वारा

रांची: राज्य सरकार ने झारखंड में नकली दवाइयों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने जा रही है. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने स्पष्ट कर दिया है कि जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वो दवा माफिया हो या भ्रष्ट अधिकारी ही क्यों न हो.

QR कोड के बिना नहीं बिकेगी दवाई : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि अब राज्य में QR कोड ही नकली और असली दवा के बीच की दीवार बनेगा. सरकार ने बड़ी पहल करते हुए 300 महत्वपूर्ण दवाइयों के लिए QR कोड अनिवार्य कर दिया है.

अब पेनकिलर, बुखार की दवा, प्लेटलेट बढ़ाने वाली दवाएं, शुगर व थायरॉयड की दवाएं, गर्भनिरोधक व विटामिन सप्लीमेंट्स जैसी प्रमुख दवाएं क्यूआरकोड के बिना बाजार में नहीं बिकेंगी. यह कोड हर दवा की असली पहचान, निर्माता, बैच नंबर, मैन्युफैक्चरिंग व एक्सपायरी तारीख की जानकारी देगा. जिससे नकली दवा की पहचान तुरंत संभव हो सकेगा.

बिना रजिस्ट्रेशन की दवा मिली, तो दुकान सील : स्वास्थ्य मंत्री ने सभी मेडिकल दुकानों को कड़े निर्देश दिये हैं. जिसमें कहा गया है कि अगर बिना रजिस्ट्रेशन वाली कोई दवा उनके दुकान में पाई गई तो उस मेडिकल दुकान का लाइसेंस तत्काल रद्द कर दिया जाएगा.

कफ सिरप का दुरुपयोग युवा पीढ़ी को कर रहा नष्ट : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि बाजार में बिक रहे कई कफ सिरप में पाए जाने वाला कोडीन और अल्कोहल युवाओं को नशे की लत में धकेल रहा है. यह कफ सिरप दवा के नाम पर जहर बन चुका है, जो ब्रेन और लीवर को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है.

मंत्री ने कहा कि कफ सिरप का दुरुपयोग कर युवा पीढ़ी को नष्ट किया जा रहा है, जिसे हर हाल में रोका जाएगा. सभी मेडिकल दुकानों को निर्देश दिया गया है कि बिना वैध डॉक्टर की पर्ची के यह सिरप बेचना अपराध होगा और दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

राज्य के सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा से जांच करें, ज्यादा से ज्यादा और ब्रांडेड-जेनेरिक सभी तरह की दवाएं कलेक्ट कर औषधि जांच केंद्र भेजे. नकली या सब स्टैंडर्ड दवा बरामद होने पर सीधी कार्रवाई सुनिश्चित करें.

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जो अधिकारी एक ही जगह पर वर्षों से जमे हैं और व्यवस्था को बिगाड़ रहे हैं अब उनका तबादला होगा. मिलीभगत और भ्रष्टाचार की कोई जगह हेमंत सरकार में नहीं है.

राज्य को मिलेंगे टेस्टिंग लैब-फूड और मेडिसिन की होगी त्वरित जांच: स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जल्द ही दुमका, रांची, जमशेदपुर और पलामू में अत्याधुनिक फूड एवं मेडिसिन टेस्टिंग लैब स्थापित किए जाएंगे. अब दवाइयों और खाद्य पदार्थों की रिपोर्ट राज्य में ही उपलब्ध होगी.

स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी बड़े मॉल, होटल और रेस्टोरेंट में बिक रहे फूड प्रोडक्ट्स की जांच की जाएगी. खाद्य पदार्थों में मिलावट, एक्सपायरी और गुणवत्ता की अनदेखी करने वालों पर तत्काल छापेमारी और कानूनी कार्रवाई होगी.

बालू उठाव: बालू माफियों का हौसला बुलंद, प्रशासन और खाकी वालों की आंखों में लगा हैं काला चश्मा...

- साहब! बालू अवैध खनन पर रोक कब? सरकार के रोक के बाद भी नहीं रुक रहा बालू का कारोबार...
- बालू का अवैध खनन रोकने के लिए बेरहाबाद की मुखिया ने सीओ को ज्ञापन सौंपा
- रात और दिन के उजाले में बेरहाबाद के किरतनियाडीह नदियों से अवैध रूप से हो रहा है बालू का उठाव
- बालू माफिया दिन के उजाले में बेरहाबाद के नदियों से जहां चाहें वहां से बालू का अवैध खनन कर खरीद-बिक्री करने में लगे हुए हैं

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड में बालू का अवैध कारोबार दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। बालू माफिया रात और दिन के उजाले में बेरहाबाद घाट, अटको घाट, असुराही घाट, वडाडीह घाट, गड़ीहारी घाट, किरतनियाडीह घाट एवं बेरहाबाद पंचायत के अन्य घाटों से दिन-रात कर प्रत्येक दिन सैकड़ो ट्रैक्टर द्वारा अवैध बालू निकाला जा रहा है। नदी घाटों से जहां चाहें वहां से बालू का अवैध खनन कर खरीद-बिक्री करने में लगे हुए हैं। इसे लेकर ना तो स्थानीय प्रशासन और ना ही किसी की नजर जा रहा है। ऐसे में बालू माफिया बेलगाम होकर बालू के अवैध धंधे में लगे हुए हैं, जिसका खामियाजा अभी तो सिर्फ नदी को उठाना पड़ रहा है, नदी खोखली होती जा रही है, लेकिन जब नदी का अस्तित्व खत्म हो ही जायेगा तो फिर लोगों पर इसका सीधा असर देखने को मिलेगा। लेकिन बालू माफिया इन सबके अलावा अन्य बालू घाटों से धड़ल्ले से बालू का उठाव कर रहे हैं। इन पर रोक लगाता हुआ कोई दिखाई नहीं दे रहा है। इन घाटों से रोजाना सैकड़ों की संख्या में दिन रात बालू का उठाव हो रहा है, लेकिन ना तो कोई इसपर लगाम लगा रहा है और ना ही कोई इस ओर ध्यान दे रहा है।

अवैध बालू उठाव पर यथाशीघ्र रोक लगाया जाए, अन्यथा ग्रामीण के सहयोग से आंदोलन के लिए बाध्य होंगे: मुखिया सोनी देवी

जिले के जमुआ प्रखंड के बेरहाबाद पंचायत में हो रहे अवैध बालू का उत्खनन पर मुखिया ने अंचलाधिकारी को एक आवेदन देकर अवैध बालू उठाव रोकने की मांग की है। इसकी प्रतिलिपि मुखिया ने थाना प्रभारी को भी दिया है । दिए गए आवेदन में मुखिया सोनी देवी ने कहा कि बेरहाबाद घाट, अटको घाट, असुराही घाट, वडाडीह घाट, गड़ीहारी घाट, किरतनियाडीह घाट एवं बेरहाबाद पंचायत के अन्य घाटों से दिन-रात कर प्रत्येक दिन सैकड़ो ट्रैक्टर द्वारा अवैध बालू निकाला जा रहा है। घाटो से प्रत्येक दिन तकरीबन सौ की संख्या में ट्रैक्टर द्वारा अवैध तरीके से बालू का उठाव किया जा रहा है। मुखिया सोनी देवी ने कहा कि जबकि सरकार की ओर से बालू उठाव पर पूर्णतः रोक है। इसलिए अवैध बालू उठाव पर यथाशीघ्र रोक लगाया जाए, अन्यथा ग्रामीण के सहयोग से आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

प्रशासन अवैध बालू उठाव को रोकने में बिल्कुल विफल, दिन हो या रात बालू माफियों को प्रशासन का कोई डर नहीं

जमुआ में अवैध बालू उठाव की समस्या एक गंभीर चिंता का विषय है। प्रशासन अवैध बालू उठाव को रोकने में बिल्कुल विफल साबित हो रहा हैं, बालू माफिया के हौसले बुलंद हैं। बालू माफिया रात के अंधेरे में बालू का उठाव करते थे और सुबह तक अपना काम पूरा कर लेते थे। लेकिन अब तो दिन के उजाले में भी बालू का उठाव चालू हैं। अवैध बालू उठाव न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह प्रशासन और पुलिस के लिए एक चुनौती भी है।

अवैध बालू लदे ट्रेक्टर की चपेट में आने से किशोर की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के पीरटांड प्रखंड के हरलाडीह ओपी क्षेत्र के चिरकी राजगंज मुख्य मार्ग पर एक दर्दनाक हादसा हुआ है। बुधवार की सुबह लगभग 5 बजे एक 14 वर्षीय किशोर की मौत बालू लदे ट्रैक्टर के धक्के से हो गई। मृतक बालक का नाम प्रशांत कुमार है, जो अपने परिवार के साथ पिपराडीह गांव में रहता था। प्रशांत कुमार सुबह मॉर्निंग वॉक पर पैदल सड़क पर चल रहा था, तभी अज्ञात बालू लदा ट्रैक्टर ने उसे धक्का मार दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद स्वजन बालक को धनबाद ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घटनास्थल पर ही सड़क को जाम कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि दिनभर सैकड़ों अवैध बालू लोड ट्रैक्टर नाबालिग और शराबी चालक चलाते हैं, जिस वजह से हादसे होते हैं। उनका यह भी आरोप है कि स्थानीय पुलिस की लापरवाही के कारण ये हादसे होते हैं। ग्रामीणों ने बालू लोड ट्रैक्टर बंद करने और मृतक के स्वजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर सड़क जाम किया है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तब तक वे सड़क जाम को समाप्त नहीं करेंगे। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है और अज्ञात ट्रैक्टर चालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। प्रशासन ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया है कि दोषी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मृतक के परिवार को न्याय दिलाया जाएगा। इधर सड़क जाम किये जाने की सूचना मिलने के बाद पीरटांड के सीओ गिरजानन्द किस्कू मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस मामले में ग्रामीणों की मांग पर विचार किया गया है जिसके तहत अवैध बालू तस्करी पर लोक लगाने के लिए प्रयास किया जाएगा, साथ ही मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाएगा।

बुधवार की आंधी बनी मौत का कारण, आम पेड़ की डाल गिरने से एक महिला की मौत, तीन घायल

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिले के पचंबा रोड के अलकापुरी के पास बुधवार की शाम सब्जी बेचने के दौरान तेज आंधी आने से आम पेड़ का डाल गिरने से तीन महिला समेत एक पुरुष घायल हो गया। इसके बाद तुरंत इलाज के लिए सभी को सदर अस्पताल लाया गया। हालांकि अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। मृतिका चंदनडीह निवासी सोमरी देवी है। अन्य घायल में किशनी देवी, केदार महतो और मधहैया सुग्गसार निवासी राधिका देवी शामिल है। बताया गया कि शाम में कुछ देर के लिए आए तेज आंधी पानी के दौरान आम पेड़ का मोटा डाल 11000 वोल्ट का बिजली तार समेत नीचे गिर गया। जिसके नीचे दबकर सब्जी बेच रहे चारों लोग घायल हो गए। सूचना पाते ही पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए चारों को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जहां इलाज के क्रम में एक महिला की मौत हो गई। वही तीन का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

गिरिडीह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में तीनों नगर निकायों में संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

- उपायुक्त ने नगर निकाय क्षेत्र अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित विभाग से सम्पर्क स्थापित कर कार्य करने की बात कही

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में तीनों नगर निकायों में संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपायुक्त के द्वारा जिला अंतर्गत तीनों नगर निकायों नगर निगम, गिरिडीह, नगर पंचायत, बड़की सरिया, नगर पंचायत, धनवार अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की बारी-बारी से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके अलावा उपायुक्त ने पाइपलाइन, जलापूर्ति योजना इत्यादि के कार्य प्रगति का समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी नगर निकायों के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने तीनों नगर निकायों क्षेत्र अंतर्गत किए जा रहे कार्यों से संबंधित पूर्व में किए गए बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की समीक्षा करते हुए कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लंबित कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं उपायुक्त ने नगर निकाय क्षेत्र अंतर्गत किए जा रहे कार्यों में आने वाली समस्याओं पर चर्चा कर आपसी समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित विभाग से सम्पर्क स्थापित कर कार्य करने की बात कही। बैठक में उपस्थित बगोदर विधायक नागेंद्र महतो ने भी नगर पंचायत बड़की सरिया में कार्यान्वित एवं संचालित योजनाओं से जुड़ी समस्याओं की ओर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया तथा संबंधित अधिकारियों को समय समय पर क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं की भौतिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करने की बात कही। उन्होंने कहा कि ये सब योजनाएं आमजनों के लिए है और इसका लाभ भी आमजनों को पहुंचाना ही हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में बगोदर विधायक, उप नगर आयुक्त, नगर निगम गिरिडीह, अनुमंडल पदाधिकारी, बगोदर सरिया, कार्यपालक पदाधिकारी, बड़की सरैया नगर पंचायत, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत धनवार, नगर निगम के अधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भीषण आंधी बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त, आम के फसल को भारी नुकसान

बांका फुल्लीडुमर से कामेश्वर साह की रिपोर्ट
फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र में बुधवार की शाम लगभग 4:00 बजे अचानक आए भीषण आंधी तूफान, बारिश, आकाशीय बिजली की चमक एवं पत्थर के गिरने से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है एवं आम के फसल को भारी नुकसान होने की बात सामने आ रही है। वहीं इस भीषण आंधी बारिश में प्रखंड क्षेत्र के कई गांव में दर्जनों लोगों के आशियाने उड़ जाने से लोग परेशान हैं। वहीं आंधी बारिश से प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न भागों में कई पेड़ पौधे जड़ से उखड़ गए और प्रखंड क्षेत्र में बिजली व्यवस्था पूरी तरह तप हो गई है। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के गनोरा गांव में सदानंद मंडल सहित कई लोगों के आशियाने उड़ने से घर में रखे अनाज, कपड़े, बिछावन आदि बर्बाद हो गए हैं। वहीं भीषण आंधी पानी से कयी लोगों के आशियाने उड़ने से लोग काफी परेशान हैं। वहीं प्रखंड क्षेत्र के कई लोगों के इस भीषण आंधी तूफान में घर का दीवार एवं घर भी गिरने की खबर आ रही है।समाचार लिखे जाने तक प्रखंड क्षेत्र में आंधी पानी से कितनी तबाही हुई इसका सही-सही जानकारी अभी नहीं मिल सकी है।

कन्या मध्य विद्यालय चांदन में समर कैंप का आयोजन

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन (बांका)। प्रखंड क्षेत्र के चांदन पंचायत के कन्या मध्य विद्यालय चांदन के सभागार में प्रधानाध्यापक आदित्य कुमार के अध्यक्षता में समर कैंप (भारतीय भाषा)के तीसरे दिन गतिविधियां कला (संगीत/नृत्य/चित्रकला) आदि का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में चित्र के माध्यम से आमंत्रित संगीत शिक्षक नेहा कुमारी के द्वारा वाद्ययंत्र के माध्यम से बच्चों को समझाया गया।

हस्तलेखा प्रतियोगिता आयोजित, बेहतर प्रदर्शन करने वाले पुरस्कृत

आदिवासी एक्सप्रेस /बौसी (बांका)
नगर क्षेत्र स्थित एमके पब्लिक स्कूल में बीते 19 मई को हस्तलेखा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। आयोजित हस्तलेखन प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद उत्कृष्ट या बेहतर हस्तलेखन का कौशल दिखाने वाले छात्र-छात्राओं को बुधवार को विद्यालय प्रबंधन की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते हुए उनकी सराहना की गई। हस्तलेखा प्रतियोगिता में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों अच्छी लिखावट की आदत विकसित करने के लिये उनके समर्पण को स्वीकार करते हुए विद्यालय प्रबंधन के द्वारा में सम्मानित किया गया। इस मान्यता ने ना केवल छात्रों को प्रेरित किया। बल्कि लिखावट के मूल्यों को समझाने साथ ही उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास में लेखन के महत्व पर भी जोर दिया गया।इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर राजीव कुमार सिंह प्रधानाचार्य निजात खान शिक्षिका ब्युटी कुमारी नीलु सपना रेनु दत्ता रम्भा कुमारी नैहा कुमारी एवं पंकज मिश्रा उपस्थित थे।

सड़क दुघर्टना में बाईक सवार युवक जख्मी, रेफर

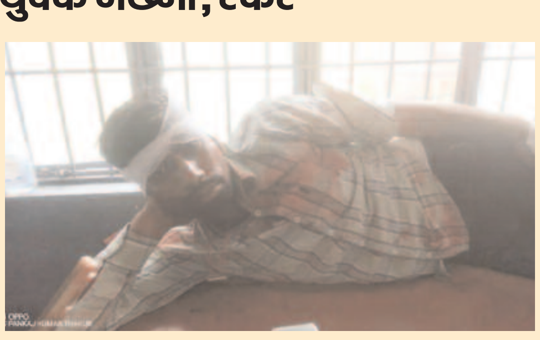

सं सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन(बांका)। चांदन देवघर मुख्य सड़क मार्ग के पानी टंकी के समीप सड़क दुघर्टना में बाईक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए।जानकारी के अनुसार सिकन्दर कुमार उम्र 30 वर्ष पिता त्रिवेणी यादव सा0इनारावरण(हिरना)थाना कटोरिया गांव निवासी आज बुधवार दोपहर को जरूरी कार्य हेतु बाईक से देवघर जाने के दौरान चांदन पानी टंकी के समीप पहुंचते ही अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर जाने से गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना की सुचना पर पहुंचे चांदन थाना पुलिस ने पुलिस वैन से जख्मी युवक को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन पहुंचाया।जहां ऑन ड्यूटी डॉ शशिकांत एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ0आशिष कुमार ने प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु जख्मी युवक को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल देवघर रेफर कर दिया।

विकसित भारत की नींव बनेंगे अमृत स्टेशन

जया वर्मा सिन्हा
नई दिल्ली, (आरएनएस)। विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए देश में परिवर्तन तीव्र गति से और स्पष्ट रूप से हो रहा है, जिसे हर नागरिक और आगंतुक सहजता से देख और अनुभव कर सकते हैं। यह विकास अब केवल नीतियों और राजनीतिक भाषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भवनों, सड़कों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

देश में बने एक्सप्रेसवे पर यात्रा करते हुए यह महसूस होता है कि राज्यों के बीच संपर्क में सुधार हुआ है और यात्रा अधिक सुगम हो गई है। इसका उदाहरण वे आधुनिक हवाई अड्डे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों से मेल खाते हुए भारत को एक वैश्विक पहचान दिलाते हैं। यह परिवर्तन स्मार्ट शहरों के निर्माण के हिस्से के रूप में हो रहा है, जहां आधुनिक तकनीक, स्मार्ट भवनों और दीर्घकालिक योजनाओं के माध्यम से विकास को गति मिल रही है। पहले रेलवे का नजरअंदाज किया गया था, लेकिन अब यह भी इस परिवर्तन का हिस्सा बन चुका है। भारतीय रेलवे स्टेशनों को पहले केवल भीड़-भाड़ वाले, नीरस स्थान के रूप में जाना जाता था, लेकिन अब इन्हें आधुनिक रूप में तब्दील किया जा रहा है। इनका उद्देश्य केवल एक यात्री के आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक केंद्र और शहरों की पहचान के रूप में उभरना है। पहले जहां स्टेशन केवल यातायात का केंद्र थे, वहीं अब ये एक नई पहचान और उच्चतम मानक वाली सुविधाओं के साथ विकसित हो रहे हैं। अमृत भारत स्टेशन परियोजना इस बदलाव का केंद्र बिंदु है। भारतीय रेलवे की अगुवाई में, इस परियोजना के तहत देशभर में 1,300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। यह सिर्फ भौतिक संरचनाओं और तकनीकी सुविधाओं को जोड़ने का काम नहीं, बल्कि यह भारत के सार्वजनिक स्थानों के प्रति दृष्टिकोण को बदलने की दिशा में एक कदम है। इस परियोजना का उद्देश्य है कि रेलवे स्टेशनों को न केवल यात्री सुविधाओं के रूप में बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाए। पहले जहां रेलवे स्टेशन केवल एक बड़े पैमाने पर यात्रियों के आवागमन के स्थान होते थे, अब ये शहरों की पहचान और जीवनशैली के प्रतीक बन गए हैं। इन स्टेशनों को अब एक नए दृष्टिकोण से डिजाइन किया जा रहा है, जहां केवल ट्रेनों का संचालन ही नहीं, बल्कि लोगों के अन्य आवश्यक कामकाज भी पूरे होते हैं। अमृत भारत स्टेशन परियोजना का प्रमुख उद्देश्य दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। इसमें रेलवे स्टेशनों का मास्टर प्लान विकसित किया जा रहा है, जो न केवल यात्रियों की संख्या और यातायात को ध्यान में रखे, बल्कि हर स्टेशन के स्थानीय परिप्रेक्ष्य, संस्कृति और शहर के विकास की जरूरतों को भी समाहित करे। यह योजना प्रत्येक स्टेशन के लिए अनुकूल और जरूरी सुधारों की दिशा में अग्रसर है, ताकि यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक अनुभव मिल सके। इसमें छोटे बदलावों से कहीं ज्यादा, रेलवे स्टेशनों को एक जीवंत सार्वजनिक स्थल में बदलने की प्रक्रिया है, जो परिवहन, खरीदारी, पर्यटन और सामाजिक मिलन केंद्र के रूप में कार्य करता है। अब इन स्टेशनों का डिज़ाइन ऐसी योजनाओं पर आधारित है, जो यात्रियों के आराम और उनकी सभी आवश्यकताओं का ख्याल रखे।

स्टेशनों के डिज़ाइन में पारंपरिक तत्वों के साथ-साथ आधुनिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण को भी शामिल किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन न केवल अपनी सौंदर्यता से बल्कि अपनी उपयोगिता से भी लोगों के जीवन में योगदान करें। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और डिज़ाइन में सुधार, यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए दिव्यांगजनों और वृद्धों के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर और विशेष रास्ते बनाए जा रहे हैं। स्टेशन अब केवल आवागमन का स्थान नहीं रहेंगे, बल्कि वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी बनेंगे, जहाँ लोग सिर्फ यात्रा करने के लिए नहीं, बल्कि आनंद और विश्राम के लिए भी आएंगे। अमृत भारत स्टेशन परियोजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, खुला और सभी के लिए सुलभ स्थान बनाना है, जहां हर व्यक्ति अपनी जरूरतों और अनुभवों के अनुसार सुविधाओं का लाभ उठा सके। इस परियोजना के माध्यम से भारतीय रेलवे की सोच में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है, जहां यात्रा के स्थान को एक नए और समग्र दृष्टिकोण से देखा जा रहा है।

लेखिका जय वर्मा सिन्हा भारतीय रेल की पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

आज के समय में भारतीय ज्ञान परंपरा क्यों जरूरी है?

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, चाहे वह हमारे वेद हों या फिर तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे विश्वविद्यालय, हमारे प्राचीन ग्रंथों और संस्थानों ने न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक बौद्धिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। और यही कारण है की दुनिया भर से विद्वान भारत की ओर आकर्षित होते रहे हैं। यह प्राचीन संस्थान अपने शैक्षणिक योगदान के लिए तो प्रसिद्ध थे ही पर इनकी सबसे बड़ी विशेषता थी शिक्षा के प्रति इनका समग्र दृष्टिकोण। इन संस्थाओं में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ नैतिक मूल्य, चरित्र निर्माण, और व्यक्ति, समाज तथा प्रकृति के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों पर बल दिया जाता था। और यही कारण है कि सदियों पुराने स्वदेशी चिंतन पर आधारित भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge System - IKS) आज की चुनौतियों से निपटने के लिए एक प्रासंगिक ढांचा प्रस्तुत करती है। भारतीय ज्ञान परंपरा की सबसे आकर्षक बात इसकी विषय-

विविधता है। इसमें गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, वास्तुकला, भाषा विज्ञान, दर्शन और शासन जैसे अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं। यह केवल तथ्यों का संग्रह नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच है जो आपसी जुड़ाव, संतुलन और स्थायित्व को महत्व देती है। ऐसे समय में जब पर्यावरण संकट, तकनीकी विघटन और सामाजिक विखंडन चरम पर पहुँच गए हैं, इस दृष्टिकोण की उपयोगिता अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आती है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में इसी का उदाहरण है आयुर्वेद, जो आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। आयुर्वेद सिर्फ इलाज की बात नहीं करता, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की आदतें सिखाता है, और यही कारण है कि अब दुनिया भर में वैज्ञानिक आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा को मिलाकर नए मॉडल बना रहे हैं। इसी प्रकार, भारतीय गणितीय परंपरा केवल शून्य या दशमलव प्रणाली तक सीमित नहीं है। इसमें तर्क और न्याय जैसी वैचारिक पद्धतियाँ शामिल हैं जो तर्क-वितर्क और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती हैं। ये परंपराएं आज के STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा, और खासकर बचपन से विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करने में विशेष योगदान दे सकती हैं। भारत के दर्शन और भाषा के क्षेत्र में भी बहुत कुछ सिखने लायक है। वेदांत, मीमांसा और व्याकरण जैसे विषयों में सोचने का ऐसा तरीका देते हैं, जिसमें भाषा, तर्क, तत्वमीमांसा और नैतिकता का सह-अस्तित्व देखने को मिलता है। वहीं, भारतीय ज्ञान परंपरा में समाहित पर्यावरणीय नैतिकता आज के समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सबक देती है। पृथ्वी को भूमि देवी के रूप में देखने की सोच, उपभोग नहीं बल्कि संरक्षण को बढ़ावा देती है। अर्थशास्त्र और वृक्षायुर्वेद जैसे ग्रंथ जल संरक्षण, सतत कृषि और समुदाय आधारित शासन के विषय में महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान करते हैं, जो जलवायु परिवर्तन और संसाधन संकट की वर्तमान स्थिति में अत्यंत प्रासंगिक हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनरुद्धार कोई भावनात्मक या अतीतगामी प्रयास नहीं होना चाहिए। यह सघन शोध, आलोचनात्मक विवेचना और समसामयिक वैश्विक संदर्भों में इसके योगदान को सिद्ध करने पर आधारित होना चाहिए। और इसी आवश्यकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने पहचाना है और मुख्यधारा के पाठ्यक्रमों में IKS को शामिल करने की सिफारिश की है।

महाप्रबंधक ने की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा

संवाददाता द्वारा
हाजीपुर–पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने आज 21.05.2025 को हाजीपुर मुख्यालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पूर्व मध्य रेल की निर्माण परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की । इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण (उत्तर) श्री राम जन्म, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण (दक्षिण) श्री रामाश्रय पाण्डेय एवं अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित थे । बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने पिछले वर्षों में निर्माण संगठन द्वारा पूरी की गयी परियोजनाओं की समीक्षा की तथा भविष्य में पूरी की जाने वाली निर्माण परियोजनाओं के मद्देनजर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया ।

समीक्षा बैठक में पीपीटी के माध्यम से निर्माण विभाग की उपलब्धियों एवं भविष्य के लिए निर्धारित लक्ष्यों से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया गया। महाप्रबंधक द्वारा मुजफ्फरपुर-सगौली, सगौली-बाल्मिकीनगर, समस्तीपुर-दरभंगा दोहरीकरण परियोजना, हाजीपुर-सगौली, अररिया-सुपौल, अस्थावां-बरबीघा, कोडरमा-तिलैया नई लाईन परियोजना, टोरी-शिवपुर तीसरी लाईन, गोमो फ्लाई ओवर, सिन्द्री यार्ड रिमॉडलिंग सहित अन्य निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी।

बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्माणाधीन रेल परियोजनाओं को निर्धारित लक्ष्य पर पूरा करने पर बल दिया। उन्होंने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया ताकि इसे समय पर पूरा किया जा सके। उन्होंने आरओबी/आरयूबी/ बाईपास के निर्माण पर जोर दिया ताकि बिना अवरोध के रेल एवं सड़क यातायात जारी रह सके।

पूर्व मध्य रेल द्वारा वर्ष 2024-25 के दौरान 44 किमी नई लाइन तथा 73 किमी दोहरीकरण परियोजना से जुड़े कुल 117 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा किया गया । संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 2024-25 में 07 आरओबी एवं 19 आरयूबी का निर्माण कार्य पूरा किया गया । इसके साथ ही 30 नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, 122 रूट किमी पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिगनलिंग तथा 149 रूट किमी रेलखंड पर ‘कवच‘ की कमीशनिंग की गई । इसी क्रम में वर्ष 2025-26 के दौरान नई लाइन (90 किमी) तथा दोहरीकरण (184 किमी) परियोजना से जुड़े लगभग 274 किलोमीटर का कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अब बस्तर बंदूक नहीं, विकास के लिए पहचाना जाएगा: विष्णुदेव साय

नक्सली नेटवर्क की रीढ़ टूटी, नक्सल कमांडर बसवराजु मुठभेड़ में ढेर

रायपुर/नारायणपुर,
छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। माओवादी संगठन के शीर्ष नेता बसवराजु का खात्मा इसी दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह पूरे देश के लिए एक बड़ी कामयाबी है और इसका श्रेय हमारे वीर जवानों को जाता है। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का विशेष आभार प्रकट करता हूं, जिनके मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीति के कारण यह संभव हो सका। यह कहना है छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का, जिन्होंने नारायणपुर जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता पर प्रतिक्रिया दी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के घने

जंगलों में चल रहे ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने अब तक 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सबसे बड़ी बात यह है कि मुठभेड़ में माओवादी महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजु को ढेर कर दिया गया है। उस पर भारत सरकार ने 1 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया था। बसवराजु की मौत को सुरक्षा एजेंसियां नक्सली नेटवर्क की रीढ़ तोड़ने वाला कदम मान रही हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि यह केवल एक मुठभेड़ नहीं, बल्कि बस्तर के भविष्य को बदलने वाला क्षण है। अब वह समय दूर नहीं जब बस्तर, सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे क्षेत्र हिंसा नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के केंद्र के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार नक्सलवाद के खिलाफ ‘ज़ीरो टॉलरेंस’ की नीति पर अडिग है और ऑपरेशन को अंतिम छोर तक पहुंचाया जाएगा। इस कार्रवाई में शामिल सुरक्षाबलों को मुख्यमंत्री ने सलाम करते हुए कहा कि – इनकी बहादुरी ने इतिहास रच दिया है। यह सिर्फ छत्तीसगढ़ ही नहीं, पूरे भारत की जीत है। विशेषज्ञों का मानना है कि बसवराजु की मौत से माओवादी संगठन में गहरी हलचल होगी और उनके नेटवर्क के टूटने की प्रक्रिया अब तेज़ हो जाएगी। यह मुठभेड़ नक्सलवाद के खात्मे की ओर बढ़ते भारत की नई तस्वीर है।

टी20 टैलेंट स्काउटिंग ट्राई सीरीज का हुआ भव्य शुभारंभ

- **सैनिकों के सम्मान में ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित रहा उद्घाटन दिवस**
- **बांका में पहली बार सफेद लेदर बॉल से हुआ क्रिकेट टूर्नामेंट**
- **उद्घाटन मुकाबले में एमएससी ईस्ट में सेंट्रल को 100 रनों से किया पराजित**

आदिवासी एक्सप्रेस / बौसी (बांका)
मंदर स्पोर्ट्स क्लब, बौंसी द्वारा आयोजित टी20 टैलेंट स्काउटिंग ट्राई सीरीज का सीएमडी के प्रसिद्ध पौराणिक मैदान पर बुधवार को भव्य शुभारंभ किया गया। यह टूर्नामेंट बांका जिले का पहला व्हाइट लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट है, जिसका

उद्देश्य जिले के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों की प्रतिभा को पहचानना और उन्हें मंच प्रदान करना है। उद्घाटन समारोहः राष्ट्रगान, अनुशासन और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पण करने के साथ हुआ। मैच की शुरुआत देश के राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसमें एमएससी ईस्ट, वेस्ट ओर सेंट्रल की तीनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक साथ खड़े होकर अपने राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। सैनिकों के सम्मान में ऑपरेशन सिंदूर के रंग को समर्पित विजय भवः आर्म बैंड खिलाड़ियों ने अपने बाँह पर बांधकर मैदान पर खेल प्रदर्शन किया। इस उद्घाटन मुकाबले मे देवाशीष पांडेय सचिव, बीडीसीए, बांका,प्रो. मितीलेश कुमार झा विभागाध्यक्ष, अंग्रेज़ी, सीएम कॉलेज, बौंसी,खेल संघ बौंसी से कुंदन शाह मुख्य रूप से उपस्थित रहे और आयोजन में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्थानीय दर्शकों की उपस्थिति ने मैच को और भी रोमांचक बना दिया।

क्रिकेट मैच रिपोर्ट

एमएससी ईस्ट एवं एमएससी सेंट्रल के बीच उद्घाटन मुकाबला सीएनडी खेल मैदान पर खेला गया। टॉस जीतकर एमएससी ईस्ट ने पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया और निर्धारित 20 ओवरों में 154 रन बनाए।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड

प्रमुख बल्लेबाज़:

- राजा दुबे - 30 रन (29 गेंद)
- प्रियम कुमार - 22 रन (21 गेंद)
- राजेश विवाकर - 27 रन (14 गेंद, स्ट्राइक रेटः 192.86)
- सरफराज (विकेटकीपर) - 19 रन (21 गेंद)

जवाब में एमएससी सेंट्रल की टीम मात्र 11.1 ओवर में 54 रन पर सिमट गई।

प्रमुख गेंदबाज़:

- फिरोज़ - 3 ओवर, 17 रन, 2 विकेट
- राजा दुबे - 3 ओवर, 12 रन, 2 विकेट
- प्रियम कुमार - 2 ओवर, 6 रन, 2 विकेट
- आदर्श कुमार सिंह - 2 ओवर, 6 रन, 2 विकेट

मैन ऑफ द मैचः बने प्रियम कुमार अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्रियम कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने 22 अहम रन बनाने के साथ 2 विकेट भी चटकाए और अपनी टीम की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

मैच के सफल संचालन में

- अंपायर्स : गोपी सिंह, पुनीत कुमार सिंह, प्रमोद कुमार राय
- स्कोररः बिकाश कुमार (ऑफलाइन), विराज कुमार (ऑनलाइन) क्लब के कुंदन कुमार शाह आदि का सक्रिय सहयोग रहा।

मैच का हुआ सीधा प्रसारण

मैच का सीधा प्रसारण फेसबुक और यूट्यूब के माध्यम से किया गया, वहीं क्रिक हीरोज ऐप के माध्यम से लाइव स्कोरिंग की सुविधा उपलब्ध रही।

कल 22 मई का मुकाबला

टूर्नामेंट में गुरु वार को सुबह 7:30 बजे CND ग्राउंड, बौंसी में एम एस सी सेन्ट्रल बनाम एमएससी वेस्य के बीच मुक़ाबला खेला जाएगा।

मलेशिया मास्टर्स 2025 के मुख्य ड्रॉ में पहुंचे किदाम्बी श्रीकांत

एजेंसी

नई दिल्ली। किदाम्बी श्रीकांत ने मलेशिया मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ में स्थान सुनिश्चित कर लिया है, लेकिन बाकी भारतीय शटलर एकल क्वालीफायर से आगे नहीं बढ़ सके और सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वापसी की राह पर चल रहे श्रीकांत ने पहले गेम में मिली हार से उबरते हुए अपने दूसरे क्वालीफाइंग पुरुष एकल मैच में चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को 9-21, 21-12, 21-6 से हराया। 32 वर्षीय श्रीकांत 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता हैं। उन्होंने पहले दौर में एक अन्य ताइपे खिलाड़ी कुओ कुआन लिन को 21-8, 21-13 से हराया था। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी का मुख्य ड्रॉ में छठी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी लू गुआंग ज़ू के रूप में चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी से सामना होगा। अन्य मैचों में थारुन मन्नेपल्ली को थाईलैंड के पैनिचाफोन तीरात्सकुल से 13-21, 21-23 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन को चीन के झू झुआन चेन से 20-22, 20-22 से हार का सामना करना पड़ा, दोनों ने ही क्वालीफिकेशन चरण में अपने अभियान समाप्त कर दिए। महिला एकल में अनमोल खरब को ताइपे की हंग यी-टिंग ने 14-21, 18-21 से हराया। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की मिश्रित युगल जोड़ी भी मलेशियाई जोड़ी मिंग याप टू और ली यू शान से 15-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गई। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु और एचएस प्रणय बुधवार को 475,000 डॉलर इनामी इस प्रतियोगिता में अपने-अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

बीच कबड्डी को इंडोर कबड्डी से ज्यादा कठिन बनाती हैं खेल की परिस्थितियां और फार्मेट

दीव। बीच कबड्डी ने खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 में एक स्थायी छाप छोड़ने की ओर अहम कदम बढ़ाया है। भारत में मैट पर खेले जाने वाले कबड्डी के लोकप्रिय रूप को दर्शकों का जबरदस्त समर्थन मिलता है और सालों पहले शुरू हुई एक प्रमुख प्रोफेशनल लीग भी इसकी लोकप्रियता को बढ़ा रही है। मैट कबड्डी के अलावा समुद्र तटों पर भी एक कबड्डी खेली जाती है, जिसे बीच कबड्डी कहा जाता है। पिछले साल जब दीव में बीच गेम्स का आयोजन हुआ था, तब भी बीच कबड्डी को इवेंट में शामिल किया गया था। घोघला बीच पर सभी आठ खेलों (जिसमें दो डेमो गेम भी शामिल हैं) के आयोजन की प्रभारी और वरिष्ठ कोच सिमरत गायकवाड़ का मानना है कि बीच कबड्डी के लिए यह बहुत रोमांचक समय है। उन्होंने कहा, यह एक नया प्रारूप है। खेलो इंडिया बीच गेम्स इस खेल को लोकप्रिय बनाने का बेहतरीन मंच है। दिल्ली की लड़कियों की कबड्डी टीम की कोच सुनीता को भी इस नए संस्करण से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, यह एक पूरी तरह से अलग माहौल है। सुंदर समुद्र के किनारे खेलना एक अनोखा अनुभव है। कबड्डी तो वैसे ही भारत में काफी लोकप्रिय है। उम्मीद है कि खेलो इंडिया बीच गेम्स के माध्यम से बीच कबड्डी भी अपनी पहचान बनाएगी।

आईपीएल 2025:मुंबई इंडियंस ने विल जैक्स की जगह जॉनी बेयरस्टो को चुना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम मुंबई इंडियंस ने मौजूदा सत्र के शेष मैचों के लिए ऑलराउंडर विल जैक्स की जगह इंग्लिश विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को चुना है। जॉनी बेयरस्टो 5.25 करोड़ रुपये की कीमत पर टीम में शामिल होंगे। बेयरस्टो के अलावा, चारिथ असलांका और रिचर्ड ग्लीसन, कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन की जगह लेंगे, जो राष्ट्रीय कर्तव्यों के लिए रवाना होंगे। ग्लीसन को 1 करोड़ रुपये, जबकि असालांका को 75 लाख रुपये की कीमत पर शामिल किया जाएगा। इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बेयरस्टो 2019 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली राष्ट्रीय टीम का एक अभिन्न हिस्सा थे। बेयरस्टो के पास इंग्लैंड के लिए कुल 287 कैप हैं। असालांका वर्तमान में एकदिवसीय और टी20आई प्रारूपों में श्रीलंका के कप्तान हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 134 बार देश का प्रतिनिधित्व किया है। इस बीच ग्लीसन ने इंग्लैंड के लिए छह टी20आई में भाग लिया है और डेथ ओवरों में अपने कौशल के लिए जाने जाते हैं।

अभिषेक शर्मा के साथ तीखी बहस के बाद दिग्वेश राठी एक मैच के लिए निलंबित

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने की वजह से अब उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। इससे दिग्वेश 22 मई को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना भी लगा है। आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

पीकेएल 2025: गुजरात जाइंट्स के जयवीर शर्मा बने नए हेड कोच

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) 2025 की प्लेयर ऑक्शन 31 मई से एक जून तक होने वाली है। इसके पहले, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जाइंट्स ने नए सत्र के लिए रणनीतिक बदलाव करते हुए अपनी कोचिंग स्टाफ में बदलाव किया है। जयवीर शर्मा को गुजरात जाइंट्स का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है, जबकि वरिंदर सिंह संधू असिस्टेंट कोच की भूमिका निभाएंगे। तीन दशकों से अधिक अनुभव वाले जयवीर भारतीय कबड्डी के सबसे सम्मानित कोचों में से एक हैं। वह चैंपियनशिप जीतने वाले कोच हैं और उनके पास शानदार रिकॉर्ड के साथ गहन तकनीकी समझ भी है। 1992 से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के साथ काम कर रहे जयवीर ने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के करियर

को आकार दिया है। उनकी कोचिंग में भारतीय टीम ने एशियाई खेलों, कबड्डी वर्ल्ड कप और कई बड़े टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीते हैं। जयवीर शर्मा ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, गुजरात जाइंट्स का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मैं टीम में एक निडर और विनम्र सोच विकसित करना चाहता हूं, ताकि हम पीकेएल में सबसे मजबूत दावेदार बन सकें। अदानी स्पोर्ट्सलाइन का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और यह अवसर दिया। मैं ऑक्शन और टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।

2017 से पीकेएल में खेल रही गुजरात जाइंट्स ने कई सितारों जैसे रोहित गुलिया, सचिन तंवर, सुनील कुमार, पर्वेश भैंसवाल और पवन सहरावत को निखारा है, जो लीग के अहम खिलाड़ी बन गए हैं। गुजरात जाइंट्स को युवा कोचिंग टैलेंट को मौका देने का भी गर्व है। इसका उदाहरण है मनप्रीत सिंह, जो अब तक पीकेएल के सबसे सफल कोचों में से एक हैं। इस परंपरा को जारी रखते हुए वरिंदर संधू को टीम में शामिल किया गया है। वरिंदर के पास 17 साल भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा का अनुभव है। वे नेतृत्व, अनुशासन और आधुनिक तकनीकी कौशल लेकर आए हैं। वरिंदर जयवीर के मार्गदर्शन में पीकेएलकी दुनिया में कदम रखेंगे।वरिंदर भारतीय महिला कबड्डी टीम के हेड कोच रह चुके हैं और 19वें एशियाई खेल 2023 (हांग्जो, चीन) और 6वें एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप 2025 (ईरान) में कई ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीताए हैं। उन्होंने पंजाब राज्य टीम और भारतीय वायु सेना को भी नेशनल गेम्स 2023 और 2025 में कोचिंग दी है वरिंदर ने कहा, गुजरात जाइंट्स परिवार का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।

मलेशिया मास्टर्स 2025: प्रणय और करुणाकरण दूसरे दौर में, सिंधु बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025 में भारत के एच.एस. प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर में जगह बना ली है। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु का सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। प्रणय ने दिन की शुरुआत करते हुए जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराया। यह मैच एक घंटे 22 मिनट तक चला। इसके बाद सतीश करुणाकरण ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए ताइवान के तीसरी वरीयता प्राप्त चोउ तिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुष खिलाड़ियों के लिए यह दिन शानदार रहा, क्योंकि भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने भी ब्रायन यांग (कनाडा) को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, महिला एकल में पी.वी. सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। वह सुपर 500 श्रेणी के इस टूर्नामेंट के पहले दौर में वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हारकर बाहर हो गईं।

केविन डी ब्रुएने को मैनचेस्टर सिटी का खास सम्मान, अकादमी में बना मोज़ेक और सड़क का नाम किया समर्पित

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने अपने दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुएने को एक यादगार सम्मान देते हुए सिटी फुटबॉल अकादमी में उनका एक भव्य मोज़ेक स्थापित किया है और अकादमी से फर्स्ट टीम सेंटर को जोड़ने वाली सड़क का नाम 'केविन डी ब्रुएने क्रेसेंट' रखा है। डी ब्रुएने को यह सम्मान क्लब के चेयरमैन खलदून अल मुबारक ने व्यक्तिगत रूप से सौंपा। ट्रेनिंग पिच के पास लगाए गए इस मोज़ेक में डी ब्रुएने का एक जश्न मनाने वाला पोज दर्शाया गया है। इसे मैनचेस्टर के स्थानीय कलाकार और क्लब समर्थक मार्क कैनेडी ने तैयार किया है। यह स्मृति-चिन्ह क्लब के महान खिलाड़ियों–याया टूर, जो हार्ट, डेविड सिल्वा, विंसेंट कंपनी, सर्जियो एगुएरो, फर्नांडिन्हो और इल्काय गुंडोगन–को पहले दिए गए सम्मानों की श्रृंखला में नया नाम है।

क्लब छोड़ने से पहले अंतिम घरेलू मुकाबला

केविन डी ब्रुएने ने बोरनमाउथ के खिलाफ एतिहाद स्टेडियम में अपना अंतिम घरेलू मुकाबला खेला। जून में अनुबंध समाप्त होने के बाद वह क्लब को अलविदा कहेंगे।

गौरवशाली रहा 10 साल का सफर

2015 में जर्मन क्लब

वोल्फ्सबर्ग से सिटी से जुड़ने के बाद डी ब्रुएने ने क्लब के लिए 420 मैचों में 108 गोल किए। 33 वर्षीय इस बेल्जियम मिडफील्डर ने अपने दशक लंबे कार्यकाल में सिटी के सबसे सफल खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त किया। उन्होंने क्लब को छह प्रीमियर लीग खिताब, दो एफए कप, पांच लीग कप, एक चैंपियंस लीग, एक सुपर कप और एक क्लब वर्ल्ड कप दिलाया। डी ब्रुएने को मिला यह विशेष सम्मान उनके योगदान को सदा के लिए क्लब इतिहास में दर्ज कर गया है।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में उतरेंगी भारतीय महिला बॉक्सर

एजेंसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार भारतीय महिला मुक्केबाज़ अंतरराष्ट्रीय रिंग में उतरने के लिए तैयार हैं। भारतीय बॉक्सर दो बड़े टूर्नामेंट थाईलैंड ओपन और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में हिस्सा लेंगी। थाईलैंड ओपन 24 मई से बैंकॉक में खेला जाएगा, जबकि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप का आयोजन 30 जून से अस्ताना, कज़ाखस्तान में किया जाएगा।

थाईलैंड ओपन में उतरेंगी रजत पदक विजेता, वर्ल्ड कप में दिखेंगी राष्ट्रीय चैंपियन

भारतीय बॉक्सिंग फेडरेशन (बीएफआई) की नई चयन नीति के अनुसार, वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में राष्ट्रीय चैंपियन उतरेंगी, जबकि थाईलैंड ओपन में रजत पदक विजेताओं को मौका मिलेगा। यह चयन प्रक्रिया पुरुष और महिला दोनों वर्गों पर समान रूप से लागू की गई है।

पिछले एक साल में चूके कई अहम टूर्नामेंट

ओलंपिक साइकिल के दौरान बीएफआई के राष्ट्रीय कैंप्स में देरी और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप को कई बार स्थगित किए जाने के चलते भारतीय मुक्केबाज़ों को एशियन चैंपियनशिप और स्ट्रैंडजा मेमोरियल

जैसे अहम टूर्नामेंटों से बाहर रहना पड़ा। पुरुष बॉक्सर्स ने अप्रैल में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के ज़रिए वापसी कर ली थी, लेकिन महिलाओं के राष्ट्रीय मुकाबले मार्च के अंत में आयोजित होने के कारण उन्हें देर से मौका मिला।

फिलहाल वर्ल्ड बॉक्सिंग की अंतरिम समिति के अधीन है भारतीय बॉक्सिंग

बीएफआई के चुनाव फिलहाल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हैं। ऐसे में विश्व बॉक्सिंग संस्था द्वारा गठित अंतरिम समिति भारतीय मुक्केबाज़ी से जुड़ी सभी गतिविधियों का संचालन कर रही है। भारतीय महिला बॉक्सर्स की यह वापसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनके लिए एक अहम अवसर होगी, जहां वे अपने कौशल और आत्मविश्वास का प्रदर्शन कर सकेंगी।

आयरलैंड को झटका, वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से बाहर हुए क्रेग यंग और कर्टिस कैंफर

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ 21 मई से डबलिन में शुरू हो रही वनडे सीरीज से पहले आयरलैंड टीम को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज क्रेग यंग और ऑलराउंडर कर्टिस कैंफर चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनों की जगह युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। यंग की जगह जॉर्डन नील और कैंफर की जगह विकेटकीपर बल्लेबाज स्टीफन डोहेनी को टीम में शामिल किया गया है। क्रेग यंग को यह चोट इंटर-प्रोविंशियल कप के एक मुकाबले में लगी थी जब वे नॉर्थ वेस्ट वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए अपना नौंवा

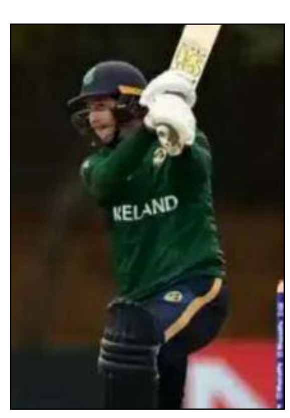

ओवर पूरा नहीं कर सके। उन्होंने 8.5 ओवर में 49 रन देकर 1 विकेट लिया और आखिरी गेंद पर बैरी मैकार्थी को आउट किया। वहीं, कर्टिस कैंफर की चोट हाल ही में नेट अभ्यास के दौरान लगी। बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली में फ्रैक्चर हो गया, जिससे वे सीरीज से बाहर हो गए। आयरलैंड के मुख्य चयनकर्ता एंड्रयू व्हाइट ने कहा, हमारे पास अब एक लंबी चोटिल खिलाड़ियों की सूची है, जिसमें मार्क अडायर, ग्राहम ह्यूम, क्रेग यंग, फियॉन हैंड और कर्टिस कैंफर शामिल हैं। यह सीरीज हमारे खिलाड़ियों की गहराई की परीक्षा होगी, लेकिन यह युवाओं के लिए मौका भी है कि वे विश्वस्तरीय टीम के खिलाफ खुद को साबित करें।

स्टर्लिंग ने कहा—यह युवा खिलाड़ियों के लिए मौका

कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने भी इसे सकारात्मक रूप से देखा। उन्होंने कहा, खेल में चोटें लगती हैं, लेकिन इससे नए खिलाड़ियों को थोड़ा पहले ही मौका मिल जाएगा। ज्यादा खिलाड़ियों को अनुभव मिलना भविष्य के लिए फायदेमंद रहेगा। स्टीफन डोहेनी ने हाल ही में मुनस्टर रेड्स की ओर से नॉर्दर्न नाइट्स के खिलाफ घरेलू वनडे टूर्नामेंट में शतक जड़ा था। उनके पास 11 वनडे और 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का अनुभव है। वहीं, 19 वर्षीय जॉर्डन नील इस सीरीज के लिए शामिल किए गए चौथे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए हैं।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में अफ्रीकन लायंस की कमान संभालेंगे हर्शल गिब्स

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बार फिर से रोमांचक क्षण दस्तक देने जा रहे हैं। 27 मई से लेकर 05 जून तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होने जा रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) में दिग्गज क्रिकेट सितारे एक बार फिर मैदान में उतरेंगे। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तूफानी सलामी बल्लेबाज हर्शल गिब्स अफ्रीकी टीम 'अफ्रीकन लायंस' की अगुवाई करेंगे। अफ्रीकन लायंस फ्रेंचाइजी का स्वामित्व एलीट स्ट्राइक स्पोर्ट्स एलएलपी के पास है, जो जमीनी स्तर पर खेलों को प्रोत्साहन देने और वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए पहचानी जाती है। टीम मालिक कृष्णा शेट्टी ने गिब्स के चयन पर कहा, हमें हर्शल गिब्स का स्वागत करते हुए गर्व है। उनका अनुभव और आक्रामक सोच न केवल टीम को मजबूती देगी बल्कि अफ्रीकी युवाओं के लिए भी प्रेरणा बनेगी। इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप की स्थापना क्रिकेट के दिग्गजों को एक मंच पर लाने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का रंग भरने के उद्देश्य से की गई है। टूर्नामेंट के संस्थापक और निदेशक गौरव कमल ने कहा, अफ्रीकन लायंस की भागीदारी से प्रतियोगिता में नई ऊर्जा का संचार होगा। यह चैंपियनशिप केवल खेल नहीं, बल्कि संस्कृतियों और महाद्वीपों को जोड़ने वाला पुल साबित होगी। टूर्नामेंट में छह महाद्वीपों की टीमें प्रतिभाग करेंगी और इनके बीच 18 मुकाबले खेले जाएंगे।

केकेआर ने आईपीएल के अतिरिक्त समय नियम पर उठाए सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष लीग मुकाबलों के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय देने के फैसले को अस्थायी और असंगत बताते हुए डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कहा है कि अगर यह प्रावधान टूर्नामेंट के दोबारा शुरू होते ही लागू कर दिया जाता, तो शायद वे अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बने रहते। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने यह फैसला किया कि अब शेष बचे नौ लीग मुकाबलों में बारिश के कारण बाधित मैचों को पूरा करने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। पहले केवल एक घंटे का अतिरिक्त समय ही उपलब्ध था, जबकि प्लेऑफ के मुकाबलों में पहले से ही दो घंटे का रिजर्व समय रखा गया था। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार,आईपीएल के सीओओ हेमांग अमीन ने सभी 10

फ्रेंचाइज़ियों को भेजे गए ईमेल में बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि मानसून के जल्दी आने से कई मैच बारिश की चपेट में आने की संभावना है। केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस ईमेल के जवाब में नियम में बदलाव के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह नियम आईपीएल के फिर से शुरू होने के साथ ही लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने लिखा, हालांकि इन परिस्थितियों में बीच सीज़न में नियम बदलना ज़रूरी हो सकता है, लेकिन इन बदलावों में निरंतरता की उम्मीद की जाती है। 17 मई को रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुआ मुकाबला आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद पहला मैच था। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना था, लेकिन लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंकी नहीं जा सकी और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। मैच की कट-ऑफ टाइमिंग 10:56 PM थी, लेकिन बारिश नहीं रुकने के कारण मुकाबला 10:26 PM पर ही रद्द घोषित कर दिया गया। इस मैच के रद्द होने से केकेआर की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, वेंकी मैसूर ने लिखा, अगर उस वक्त यह अतिरिक्त 120 मिनट का नियम लागू होता, तो शायद कम से कम 5 ओवर प्रति टीम का मुकाबला खेला जा सकता था।

इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने गाजीपुर मंडल को हराया

प्रयागराज। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) ने गाजीपुर मंडल को की टीम को तीसरी गौर हरी सिंघानिया राज्य महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच में 133 रन से हरा दिया। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की निदेशक डॉ. जूली ओझा से प्राप्त जानकारी के अनुसार कानपुर के कमला क्लब मैदान पर खेले गए मैच में एसीए ने 35 ओवर में 8 विकेट पर 195 रन (खुशी 38 नाबाद, प्रीति यादव 36, शालिनी सिंह 35, भार्गवी पांडेय 21 नाबाद, गरिमा 2-23, अनामिका यादव, अनीता यादव, श्वेता यादव, रिदिमा यादव एक-एक विकेट) बनाये। जवाब में गाजीपुर मंडल की टीम 25.3 ओवर में 162 रन (प्रीता यादव 32, भार्गवी पांडेय 3-15, कात्यायनी पाठक 2-04, शालिनी सिंह व राधा पांडेय एक-एक विकेट) बना लिये।

जीत के साथ राजस्थान ने खत्म किया अपना आईपीएल 2025 का सफर, चेन्नई को 6 विकेट से दी मात

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के अपने अंतिम लीग मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 6 विकेट से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही राजस्थान ने टूर्नामेंट से विजयी विदाई ली। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए। चेन्नई की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 42, आयुष म्हात्रे ने 43 और शिवम दुबे ने 39 रन की उल्लेखनीय पारियां खेलीं। अनुभवी कप्तान एमएस धोनी ने 17 गेंदों में 16 रन बनाए और टी-20 क्रिकेट में अपने 350 छक्के पूरे किए।

राजस्थान की गेंदबाजी में युद्धवीर सिंह और आकाश मधवाल ने घातक प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट अपने नाम किए। जबकि तुषार देशपांडे और वनिंदु हसरंगा को एक-एक विकेट मिला। राजस्थान की पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल ने तेज गति से की और 19 गेंदों में 36 रन बनाकर वो आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी (57 रन) और कप्तान संजू सैमसन (41 रन) के बीच 98 रन की अहम साझेदारी हुई। इन दोनों का विकेट रविचंद्रन अश्विन को मिला। आखिर में ध्रुव जुरेल 31 और शिमरॉन हेटमेयर 12 रन बनाकर नाबाद रहे। आखिरी ओवर में मथीशा पथिराना की गेंद पर छक्का

लगाकर जुरेल ने टीम को जीत दिलाई। चेन्नई की ओर से आर. अश्विन ने दो विकेट चटकाए, जबकि अंशुल कम्बोज और नूर अहमद को एक-एक सफलता मिली।

एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन और हॉकी इंडिया के बीच ऐतिहासिक समझौता, अब खेल के साथ उच्च शिक्षा भी कर सकेंगे खिलाड़ी

एजेंसी

नोएडा। हॉकी इंडिया के 100वें स्थापना दिवस के अवसर पर, जिसे पूरे देश में हॉकी डे के रूप में मनाया गया, एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन (एयूओ) और हॉकी इंडिया ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस करार का उद्देश्य देशभर के अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के हॉकी खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना है, जिससे वे खेल और शिक्षा दोनों में संतुलन स्थापित कर सकें।

इस साझेदारी के तहत एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन खिलाड़ियों को विशेष शैक्षणिक छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 100 फीसदी तक की छात्रवृत्ति प्रदान करेगी, जिसे चैम्प्स (सेलीब्रेटिंग हीरोज विद एमिटी मेरिट प्रोग्राम स्कॉलरशिप) नाम दिया गया है। इसके अलावा, सभी खिलाड़ियों को तीन महीने का मुफ्त स्पोर्ट्स साइकोलॉजी सर्टिफिकेट कोर्स भी मिलेगा, जिससे वे मानसिक रूप से और अधिक सशक्त बन सकें। इस अवसर पर, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे और डिफेंडर ज्योति को एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन में क्रमशः बी.ए. (समाजशास्त्र) और एमबीए (मार्केटिंग) कार्यक्रमों में नामांकित किया गया। ये दोनों खिलाड़ी इस पहल की पहली लाभार्थी बनीं।सलीमा टेटे ने भावुक होकर कहा, हॉकी के चलते मुझे पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ी थी, लेकिन

अब यह अवसर मुझे बिना खेल छोड़े शिक्षा पूरी करने का मार्ग प्रदान करता है। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है और अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगा। ज्योति ने कहा, ऑनलाइन फॉर्मेट हमें प्रशिक्षण के बीच पढ़ाई करने का लचीलापन देता है। मैं अपने खेल और शिक्षा दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ने को लेकर उत्साहित हूं। एमीटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के चेयरमैन अजीत चौहान ने कहा, हम मानते हैं कि शिक्षा परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। यह पहल केवल शिक्षा की नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को मैदान के बाहर भी सशक्त बनाने की है। खासकर ग्रामीण और वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह एक नया जीवन प्रारंभ करने जैसा अवसर है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हमारे कई खिलाड़ी, विशेष रूप से महिलाएं, 12वीं के बाद शिक्षा रोक देती हैं। अब वे खेल के साथ-साथ अपनी पढ़ाई भी पूरी कर पाएंगी। महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने इसे जीवन बदलने वाली पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम खिलाड़ियों के जीवन में खेल और शिक्षा दोनों को एक साथ आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करता है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हॉकी इंडिया के सभी खिलाड़ियों के लिए खुला है। इसमें बीकॉम, बीएससी, एमबीए और कई अन्य स्नातक व परास्नातक कार्यक्रम शामिल हैं।

वित्त मंत्री ने विनियमन एवं स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन का किया आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना चाहिए। सीतारमण ने नियामक से बाजार में होने वाले बदलावों का अनुमान लगाने और प्रासंगिक बने रहने का आग्रह किया। सीतारमण ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 16वें वार्षिक दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि नियामक ढांचे को ऐसे विलयों के लिए त्वरित अनुमोदन की सुविधा प्रदान करनी चाहिए जो प्रतिस्पर्धी प्रथाओं को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने बाजार में होने वाले बदलावों का पूर्वानुमान लगाने और निष्पक्ष व्यवहार को बढ़ावा देने में सीसीआई की भूमिका पर भी जोर दिया।कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री के रूप में सीतारमण ने बाजार में बदलावों के अनुकूल ढलने में सीसीआई की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा कि विनियमनों को तेजी से मंजूरी सुनिश्चित करनी चाहिए, जहां प्रतिस्पर्धा को खतरा न हो। इस कार्यक्रम में खरीद अधिकारियों के लिए टूलकिट भी जारी की गई। इस अवसर पर सीसीआई की अध्यक्ष रवनीत कौर भी मौजूद थीं। सीसीआई के 16वें वार्षिक दिवस समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना चाहिए।

आईएएस विनय चौबे ने पद का दुरुपयोग कर 38 करोड़ का पहुंचाया नुकसान-एसीबी

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शराब घोटाले के सिलसिले में दर्ज प्राथमिकी (9/25) में अधिकारियों पर पद का दुरुपयोग कर सरकार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। दर्ज प्राथमिकी में एसीबी ने तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे और संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह को नामजद अभियुक्त बनाया है। प्राथमिकी में कहा गया है कि इन अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए प्लेसमेंट एजेंसियों के चयन में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया। आपराधिक साजिश रच कर, जालसाजी कर प्लेसमेंट एजेंसी को अनैतिक लाभ पहुंचाया, जिससे सरकार को लगभग 38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। एसीबी के मुताबिक जांच के दौरान मिले साक्ष्य के आधार पर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग से अनुमति मिलने के बाद इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें अभियुक्तों को आइपीसी की धारा 120बी, 420, 467, 468, 471, 409, 407, 109, (बीएनएस की धारा 61(2), 318, 336, 340, 316, 45) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(सी)/12, 13 (2) सह पठित धारा 13(1)(ए) के तहत आरोपित किया गया है।

देश में खाद्यान्न की महंगाई से रहेगी राहत, आगामी महीनों में भी नहीं सताएंगे बढ़े दाम; गेहूं की बंपर फसल

नई दिल्ली। देश के लोगों को खाद्यान्न की महंगाई नहीं सताएगी। बंपर पैदावार और मुद्रास्फीति का ऐतिहासिक रूप से 42 माह में सबसे निचले स्तर पर होना बताता है। देश खाद्यान्न के मामले में सक्षम है और भंडार भरे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन इस बार भी बंपर है। इसलिए निकट भविष्य में भी स्थितियां सामान्य रहने वाली है। देश में अप्रैल में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स सबसे कम 1.78 फीसदी था। इससे पहले यह अक्तूबर 2021 में 0.85 फीसदी सबसे कम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में खाद्यान्न की कीमतों में निकट भविष्य में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं होगी। इसके अलावा देश में चालू रबी मार्केटिंग सीजन में अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद तय लक्ष्य से कम रहने वाली है। किंतु यह चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह तय लक्ष्य से थोड़ी ही कम है। किसानों को उनकी फसल का भरपूर दाम मिला है। निजी कंपनियों ने किसानों से खूब खरीदी की है। देश के सरकारी गोदामों में 382.22 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। अक्टूबर नवंबर से नई फसल आ जाएगी, जिसके पूर्वानुमान भी काफी अच्छे होने की उम्मीद है।

टोरेंट फार्मा की चौथी तिमाही में राजस्व और मुनाफे में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। औषधि निर्माता कंपनी टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही और पूरे वर्ष के लिए अपने वित्तीय नतीजे जारी किए हैं, जिसमें कंपनी ने स्थिर प्रदर्शन के साथ जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में कंपनी का कुल राजस्व 2959 करोड़ रुपये रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी है। इस दौरान कर के बाद शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़कर 498 करोड़ रुपये हो गया जबकि परिचालन ईबीआईटीडीए नौ प्रतिशत की बढ़त के साथ 964 करोड़ रुपये रहा। असाधारण मदों और इन्वेंट्री पुनर्मूल्यांकन को समायोजित करने के बाद ईबीआईटीडीए 981 करोड़ रुपये रहा, जो 11 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, पूरे वित्त वर्ष 2025 में कंपनी ने 11 हजार 516 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में सात प्रतिशत अधिक है। इसी अवधि में शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 1911 करोड़ रुपये पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में एक्रेशन फार्मा की कमजोर एंट्री से निराशा, लिस्टिंग के बाद अपर सर्किट के बावजूद घाटे में निवेशक

एजेंसी
नई दिल्ली।हेल्थकेयर प्रोडक्ट और दवाइयां बनाने वाली कंपनी एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। हालांकि कमजोर लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयर अपर सर्किट तक पहुंच गए। इसके बावजूद निवेशकों के नुकसान की भरपाई नहीं हो सकी। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 101 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 21.78 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 79 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह शेयर उछल कर 82.95 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इसके बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 17.87 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा है। एक्रेशन फार्मास्यूटिकल्स का 29.75 करोड़ रुपये का आईपीओ 12 से 16 मई

के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.67 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 12.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.28 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 10.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 29.46 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और इक्विपमेंट्स खरीदने, मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी अपग्रेड करने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 8 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10 लाख रुपये हो गया। हालांकि इसके बाद कंपनी के कारोबार में जोरदार तेजी आई, जिसके कारण 2023-24 में इसका शुद्ध लाभ 3.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल में 8 माह के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में उत्पादन की वृद्धि दर अप्रैल में सुस्त रहने से आठ महीने के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर आ गई है। पिछले साल इसी अवधि में इन उद्योगों में 6.9 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी। मार्च में इन बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 4.6 फीसदी बढ़ा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार जारी आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल में कच्चे तेल, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक क्षेत्रों के उत्पादन में गिरावट आई है। इससे पहले प्रमुख उद्योगों की कम वृद्धि दर अगस्त, 2024 में दर्ज की गई थी। उस समय इन बुनियादी क्षेत्रों के उत्पादन में 1.5 फीसदी की गिरावट आई थी।

देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों यानी कोर सेक्टर 40 फीसदी भार होता है। इन आठ प्रमुख उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र शामिल है।

प्रहलाद जोशी ने डिपो दर्पण, अन्न मित्र और अन्न सहायता ऐप किया लॉन्च

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में डिपो दर्पण, अन्न मित्र और अन्न सहायता ऐप लॉन्च किए। ये ऐप डिजिटल नवाचार के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाने के सरकार के उद्देश्य से जुड़े हैं। इस अवसर पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने ऐप के लॉन्चिंग के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा की गई पहलों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिपो दर्पण, अन्न मित्र और अन्न सहायता से डिजिटल पहल के रूप में पीएमजीकेएवाई लाभार्थियों को सशक्त बनाएंगे, अंतिम मील वितरण को मजबूत करेंगे और सार्वजनिक वितरण और खाद्य सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को सुव्यवस्थित

करेंगे। जोशी ने कहा कि हमारा उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिपो दर्पण में प्रक्रिया दक्षता, आय वृद्धि और अनुकूलित स्थान उपयोग के जरिए भारतीय खाद्य निगम और केंद्रीय भंडारण निगम में करोड़ों की बचत की संभावना है। केंद्रीय मंत्री ने भारत के व्यापक पीडीएस बुनियादी ढांचे को भी रेखांकित किया, जिसमें बताया गया कि 5.38 लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के साथ, देश का वितरण नेटवर्क कुछ देशों की आबादी से भी बड़ा है।

केंद्र ने बिजली उपकरणों पर गुणवत्ता आदेश लागू करने की समय-सीमा मार्च तक बढ़ाई

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हितधारकों के परामर्श के बाद कुछ बिजली उपकरणों पर अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) को लागू करने की समय-सीमा को एक साल बढ़ाकर मार्च कर दी है। क्यूसीओ घरेलू तथा वाणिज्यिक सहित ज्यादातर बिजली उपकरणों पर लागू होगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने घरेलू, वाणिज्यिक एवं समान विद्युत उपकरणों की सुरक्षा (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2025 के कार्यान्वयन की समय-सीमा बढ़ा दी है। मंत्रालय ने कहा कि कारोबारी सुगमता के लिए उक्त क्यूसीओ अब 19 मार्च, 2026 से लागू होगा। डीपीआईआईटी ने कहा कि यह निर्णय 15 मई, 2025 को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। बैठक में घरेलू और वाणिज्यिक बिजली उपकरणों की सुरक्षा को लागू करने की समय-सीमा बढ़ाने के अनुरोध पर विचार करने के लिए सहमति जताई थी। डीपीआईआईटी ने कहा कि ये आदेश उन बिजली उपकरणों पर लागू नहीं होगा, जो

लेकर 15 मई को हितधारक परामर्श बैठक में चर्चा की गई थी। इस बैठक में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उद्योग की चिंताओं को स्वीकार किया और क्यूसीओ को किसी अन्य क्यूसीओ के दायरे में आते हैं। इसके अलावा क्यूसीओ को लागू करने के लिए छोटे उद्यमों को तीन महीने और सूक्ष्म उद्यमों को छह महीने का अतिरिक्त समय दिया गया है।

श्री लोटस डेवलपर्स, जारो इंस्टीट्यूट सहित 6 कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी
नई दिल्ली।मुंबई स्थित जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड, श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी, कैलिबर माइनिंग, जेम एरोमैटिक्स, जेनसन इंडस्ट्रीज और यूरो प्रतीक सहित छह कंपनियों को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है।पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। इन सभी कंपनियों ने कुल मिलाकर कम से कम 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य बनाया है। सेबी को अक्टूबर, 2024 और जनवरी, 2025 के बीच इन कंपनियों से आईपीओ के दस्तावेज मिले थे।मुंबई स्थित जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड कंपनी की योजना

आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 570 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। जारो इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड के आईपीओ में 170 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और प्रमोटर संजय नामदेव सालुंखे द्वारा 400 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। बॉलीवुड स्टार्स और आशीष कचोलिया समर्थित श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड एक रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी है जो अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 792 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। कंपनी ने 24 दिसंबर, 2024 को सेबी के पास अपने आईपीओ के कागजात दाखिल किए थे। श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का एक रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 792 करोड़ रुपये तक के शेयरों का एक नया इश्यू है, जिसमें कोई बिक्री-प्रस्ताव घटक नहीं है। कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ओवरबर्डन रिमूवल, कोल एक्सट्रैक्शन और कोल लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन करने वाले शीर्ष 10 खनन ऑपरेटरों में से एक है जो अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से 600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है।

भारत-अमेरिका ने व्यापार समझौते के पहले चरण को शीघ्र पूरा करने पर चर्चा की

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर बातचीत का दौर जारी है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वॉशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हावर्ड लुटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत में तेजी लाने के लिए चर्चा की। पीयूष गोयल व्यापार समझौते की वार्ता की प्रगति की समीक्षा के लिए मंत्री स्तरीय बैठक के लिए इस समय वॉशिंगटन में हैं। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण में तेजी लाने की दिशा में वाणिज्य सचिव (अमेरिकी वाणिज्य मंत्री) हावर्ड लुटनिक के साथ सार्थक चर्चा हुई। मंत्री स्तरीय बैठक के बाद दोनों देशों के मुख्य वार्ताकारों के बीच 22 मई तक विचार-विमर्श होगा। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्?तावित ट्रेड डील के मुद्दे पर यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश इस वर्ष शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक व्यापार

समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की संभावना तलाश रहे हैं। दोनों देशों के बीच वार्ता में जिन मुख्य मुद्दों पर चर्चा होगी, उनमें बाजार पहुंच, उत्पत्ति के नियम और गैर-शुल्क बाधाएं भी शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता पर चर्चा के लिए मार्च में भी वॉशिंगटन गए थे।

उत्पादन लागत मानदंड अधिक सटीक आकलन में मदद करेंगे : रवनीत कौर

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा कि उत्पादन लागत के नए मानदंडों से अधिक सटीक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इसे लागू करने के परिणामों को तय करना बहुत आसान होगा। रवनीत कौर ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित सीसीआई के 16वें वार्षिक दिवस के अवसर पर अपने स्वागत भाषण में यह बात कही। सीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि डिजिटल बाजार में तेजी से बदलाव आ रहा है। पहले कदम उठाने का लाभ बहुत जल्दी ही ठोस रूप ले लेता है। इस तरह के आचरण को देखने में संतुलन रखने की आवश्यकता है, जहां दृष्टिकोण साक्ष्य-आधारित, आनुपातिक और कठोर आर्थिक विश्लेषण पर

आधारित हो।सीसीआई प्रमुख ने अपने संबोधन में सीसीआई की 16 वर्षों की यात्रा पर विचार व्यक्त किया और भारत में प्रतिस्पर्धा प्रवर्तन व्यवस्था में हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराया। रवनीत कौर ने कहा, हमारे पास एल्गोरिदमिक निर्णय लेने और पहले कदम उठाने वाले लोगों द्वारा स्वयं को प्राथमिकता देने की संभावना है। कौर ने कहा कि लागत निर्धारित करने के लिए एक सुसंगत दृष्टिकोण रखना बहुत जरूरी है, खासकर जब बात डिजिटल बाजारों और प्लेटफॉर्म पर शिकारी मूल्य निर्धारण और भारी छूट की हो। इससे पहले केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के 16वें वार्षिक दिवस समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। उल्?लेखनीय है कि सीसीआई एक वैधानिक निकाय है, जो भारत में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए जिम्मेदार है। यह कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत कार्य करता है।

भारत ने ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में समावेशी ऊर्जा प्रशासन का आह्वान किया

एजेंसी
नई दिल्ली।केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने एक स्थायी और समावेशी ऊर्जा भविष्य के निर्माण के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की और अधिक समावेशी और टिकाऊ शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना विषय के तहत ब्राजील के नेतृत्व की सराहना भी की।

केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने 19 मई को ब्राजील की अध्यक्षता में ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस बैठक में उन्होंने वैश्विक विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में ऊर्जा सुरक्षा, पहुंच और सामर्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। मनोहर लाल ने ब्रिक्स देशों को भारत में 2026 में आयोजित होने वाले अगले ब्रिक्स ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया और वैश्विक दक्षिण के लिए ऊर्जा एजेंडे का नेतृत्व करने के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा को वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बताया तथा आर्थिक स्थिरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संसाधनों तक समान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। मनोहर लाल ने जैव ईंधन क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने में वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की भूमिका पर भी जोर दिया और ऊर्जा संरक्षण सतत भवन संहिता, छत सौर पहल और कुशल उपकरण मानकों जैसे अभिनव कार्यक्रमों के जरिए ऊर्जा दक्षता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने 2030 तक ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने के लक्ष्य की पुष्टि की और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने पर जोर दिया। ब्रिक्स देशों के ऊर्जा मंत्रियों ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 7 (एसडीजी-7) को आगे बढ़ाने में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिसमें सबके लिए बिजली की उपलब्धता, स्वच्छ खाना पकाने और ऊर्जा संकट से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के जवाब में न्यायसंगत, समावेशी और संतुलित ऊर्जा संक्रमण की जरूरत पर जोर दिया।

सुजुकी मोटरसाइकिल ने खरखौदा में रखी दूसरे विनिर्माण संयंत्र की नीव, 2027 से होगा उत्पादन शुरू

एजेंसी
नई दिल्ली। दुपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने हरियाणा के आईएमटी खरखौदा में अपने दूसरे विनिर्माण संयंत्र की नींव रखी है। कंपनी ने यहां बयान जारी कर बताया कि यह संयंत्र 100 एकड़ क्षेत्र में फैला होगा, जिसमें से 25 एकड़ में उत्पादन कार्य और लगभग इतनी ही जमीन हरित क्षेत्र के रूप में विकसित की जाएगी। पहले चरण में 1200 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह संयंत्र वर्ष 2027 से परिचालन शुरू करेगा। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 7.5 लाख दुपहिया वाहन होगी। संयंत्र के शुरू होने पर लगभग 2,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर एसएमआईपीएल के प्रबंध निदेशक केनिची उमेदा, सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन जापान के वरिष्ठ अधिकारी ताकाशी इसे और सुयोशी तनाका, जापानी दूतावास की मंत्री क्योको होकुगो और स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कंपनी का कहना है कि यह निवेश न केवल भारत में बढ़ती मांग को पूरा करने की रणनीति का हिस्सा है बल्कि स्थानीय विकास, रोजगार निर्माण और सरकार के औद्योगिक प्रगति के विजन में सहयोग देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। संयंत्र में आधुनिक ऑटोमेशन और ऊर्जा-कुशल तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

लगातार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में 5.35 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी
नई दिल्ली। कमजोर ग्लोबल संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती मिनट में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की चाल में कुछ तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स आज ऊपरी स्तर से करीब 1,100 अंक और निफ्टी ऊपरी स्तर से 340 अंक तक लुढ़क गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.06 प्रतिशत और निफ्टी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह और आईटी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फार्मास्यूटिकल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.96 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 438.32 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 443.67 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.35 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,104 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,448 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,522 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 134 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,603 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 710 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,893 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 3 शेयर बढ़त के साथ और 27 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 7 शेयर हरे निशान में और 43 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 56.75 अंक की मामूली तेजी के साथ 82,116.17 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 191 अंक की बढ़त के साथ 82,250.42 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इसके कुछ ही देर बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई, जिससे ये सूचकांक अपनी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से लगभग 1,100 अंक टूट कर 905.72 अंक की गिरावट के साथ 81,153.70 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 872.98 अंक की कमजोरी के साथ 81,186.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 50.75 अंक की मजबूती के साथ 24,996.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 64.90 अंक की मजबूती के साथ 25,010.35 अंक के स्तर तक पहुंचा।

‘लाल परी’ छोड़िए, बिहार की मनीषा रानी ने ‘ब्लू परी’ बनकर लूट लिए लाखों दिल, स्विम सूट में कहर बरपाया

बिहार की एक्ट्रेस मनीषा रानी का नाम ‘बिग बॉस’ और ‘झलक दिखला जा’ के बाद काफी पॉपुलर हुआ. सोशल मीडिया पर भी मनीषा के चर्चे बने रहते हैं और इस बार मनीषा अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरों के लिए चर्चा में आई हैं. मनीषा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें से कुछ में उन्होंने ब्लू स्विमिंग कॉस्ट्यूम पहना हुआ है. इन तस्वीरों में मनीषा रानी बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. इसके अलावा उन्होंने अपनी कुछ और तस्वीरें भी शेयर की हैं जो उन्होंने होटल और दूसरी जगहें पर खिंचवाई हैं.

मनीषा रानी ने इंस्टाग्राम पर करीब 17 तस्वीरें शेयर की हैं जो अलग-अलग तरह की हैं. इनमें स्विमिंग पुल के पास वाली तस्वीरें भी हैं जहां मनीषा ने पोज दिया है. इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ‘यहां लाल परी नहीं आपकी ब्लू परी हाजिर है, आखिरी फोटो मिस ना करें.’

इन तस्वीरों में मनीषा ने अपने शूट की फोटो भी एड की हैं. उन्होंने स्विमिंग पूल, होटल रूम, रिसॉर्ट और कई अलग-अलग जगह की तस्वीरें भी शेयर की हैं. कमेंट बॉक्स में मनीषा रानी के फैंस ने जमकर हार्ट इमोजी शेयर की और लोग उनकी इन सभी तस्वीरों को पसंद कर रहे हैं.

कौन हैं एक्ट्रेस मनीषा रानी ?

9 जून 1997 को बिहार के मुंगेर जिले में जन्मीं मनीषा रानी सोशल मीडिया की फेमस पर्सनैलिटी हैं. मनीषा ने बताया था जब वो 8 साल की थीं तब उनके पैरेंट्स अलग हो गए थे और उनकी परवरिश पिता ने की थी.

18 की उम्र में शादी, 22 साल का बेटा; ऋतिक रोशन की को-एक्ट्रेस मांग रही काम, बोलीं- मां को खोने के बाद...

अपनी तीखी नजरें और दमदार एक्टिंग से सभी दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली एक्ट्रेस अचिंत कौर इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’, ‘कहानी घर घर की’ और ‘स्वाभिमान’ जैसे हिट शोज में निगेटिव किरदारों से पहचान बनाने वाली अचिंत कौर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसने उनके फैंस को हैरान और परेशान कर दिया. 20 से ज्यादा टीवी शोज और फिल्मों में काम कर चुकीं 47 साल की अचिंत ने बताया कि उनके पास फिलहाल कोई काम नहीं है और उन्होंने खुले तौर पर काम मांगा है.

ऋतिक रोशन की फिल्म ‘गुजारिश’ में न्यूज एंकर सरोज का किरदार निभाने वालीं अचिंत कौर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है. इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा है कि वो नए काम की तलाश में हैं. इस वीडियो में उन्होंने अपने अब तक के करियर में निभाए गए अलग-अलग किरदारों का जिक्र किया है और फिर एक अपील की कि वो और भी काम करना चाहती हैं. उन्हें काम चाहिए. इस पोस्ट को देखने के बाद उनके फैंस काफी चिंतित हैं और कमेंट्स के जरिए उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं. कई फैंस ने लिखा कि अचिंत एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं और उनका इस तरह से बेरोजगार होना दुर्भाग्यपूर्ण है.

अचिंत ने वीडियो में बयां किया दर्द

अपने इस वीडियो में अचिंत कौर ने कहा, सभी को मेरा नमस्ते, उम्मीद है आप सभी लोग ठीक होंगे. ये मेरा एक छोटा सा नोट मैं जारी कर रही हूं. ये बात सीधे मेरे दिल से निकल रही है. दरअसल मैं एक एक्टर और वॉयस ओवर आर्टिस्ट हूं, मेरे पास कई प्लेटफॉर्म पर काम करने का सालों का अनुभव है. अब मुझे इंडियन और इंटरनेशनल लेवल पर कुछ नया और रोमांचक काम करना है. मैं काम की तलाश में हूं. फिर चाहे वो कोई शॉर्ट फिल्म हो, कोई फीचर फिल्म हो, कोई वेब सीरीज हो या फिर किसी भी तरह का वॉयस आर्टिस्ट का काम हो. मैं किसी भी तरह का क्रिएटिव काम करने के लिए उत्सुक हूं और मैं किसी भी प्रोजेक्ट में अपना बेस्ट देने के लिए तैयार हूं.

अच्छा काम करना चाहती हैं अचिंत

मेरठ में जन्मीं अचिंत कौर ने आगे कहा, अगर आपको या आपके किसी जानने वाले को पता है कि कहीं पर कास्टिंग हो रही है, या कोई मेरे साथ काम करने को तैयार है, तो प्लीज मुझे बताएं, क्योंकि मैं काम करना चाहती हूं. मैंने अपनी मैनेजर तनुजा मेहरा और अपनी सोशल मीडिया मैनेजर रेवा खरे शर्मा की डिटेल्स भी नीचे शेयर की है. तो बस मैं इतना ही कहना चाहती हूं. मेरी बात सुनने और मुझे हमेशा सपोर्ट करने के लिए थैंक यू. वीडियो के नीचे अचिंत ने ये लिखा है कि एक एक्टर की जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी होती है. लेकिन आगे क्या होगा, इसके लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं. मेरी मदद करें.